3 | राजधानी
ललित कला अकादमी में उतरा रामायण काल

6 | अभिमत
अफगानिस्तान में तालिबान शासन

10 | राष्ट्रीय
प्रधानमंत्री ने मप्र में चुनाव प्रचार का किया शुभारंभ

12 | स्पोर्ट्स
दिल्ली को हराकर मुंबई ने खोला खाता

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 151
नई दिल्ली, सोमवार, 8 अप्रैल, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

इजराइल और हमास संघर्ष को मानवीय आधार पर रोका जाए

विदेश-11

भाजपा, कांग्रेस में खड़गे के बयान पर तकरार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भाजपा ने रविवार को जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को हटाए जाने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की टिप्पणी की आलोचना करते हुए कांग्रेस एक राजनीतिक दल बने रहने का नैतिक अधिकार खो चुकी है। पूर्ववर्ती राज्य जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान की धारा 370 को खत्म करने को लेकर खड़गे के कटाक्ष करने के एक दिन बाद भाजपा ने कांग्रेस पर अपना हमला तेज कर दिया है। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राजस्थान में कहा था कि धारा 370 हटने से यहां क्या फर्क पड़ता है। इस पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने निशाना साधते हुए कहा, अगर कोई पार्टी कहती है कि कश्मीर के एकीकरण से दूसरे राज्यों में क्या फर्क पड़ता है, तो साफ है कि आपको (कांग्रेस को) देश की एकता और अखंडता के प्रति कोई सम्मान नहीं है। संविधान की धारा 370 पर खड़गे की टिप्पणी के बाद, भाजपा नेता ने आरोप लगाया, कांग्रेस, जो राष्ट्रीय पार्टी होने का दर्जा या अधिकार लगभग खो चुकी है, अब नैतिक दृष्टिकोण से राजनीतिक पार्टी होने का अधिकार भी खो चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब खुद को 'क्षेत्रीय ताकतों का समूह' कह सकती है।

त्रिवेदी ने कहा, संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के साथ, नरेंद्र मोदी सरकार ने भाजपा के 'राष्ट्रीय एकता' के संकल्प को पूरा किया, जिसे पार्टी के संस्थापक सदस्य श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में लिया गया था, जिन्होंने इसके लिए अपना जीवन 'बलिदान' कर दिया था। भाजपा नेता ने कहा, हमारी सोच और उनकी (कांग्रेस की) सोच में यही अंतर है।

गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को खड़गे की टिप्पणी को 'शर्मनाक' करार देते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा था। उन्होंने कांग्रेस को यह भी याद दिलाया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और इस पर हर राज्य और नागरिक का अधिकार है, जैसे जम्मू-कश्मीर के लोगों का देश के बाकी हिस्सों पर अधिकार है। शाह और इसके अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित अन्य भाजपा नेताओं ने एक्स पर खड़गे के भाषण की छोटी क्लिप साझा की थी, जिसमें उन्हें अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बारे में बात करने के लिए सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधते हुए सुना जा सकता है। जिसमें खड़गे को यह कहते हुए सुना जा सकता है, 'अरे भाई, यहां के लोगों से क्या लेना-देना है'।

भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए त्रिवेदी ने कहा कांग्रेस प्रमुख ने धारा 370 के बजाय धारा 371 का भी गलत उल्लेख किया। उन्होंने विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए कहा, कांग्रेस शायद डरी हुई है। अब 370 और शायद हताशा के कारण, उन्होंने इसे 371 कह दिया। भाजपा नेता ने इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के साथ गठबंधन को लेकर कांग्रेस पर ताजा हमला बोला और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का यह आरोप कि कांग्रेस के लोकसभा चुनाव घोषणापत्र में मुस्लिम लीग की छाप है, बिल्कुल सही है। उन्होंने कहा, यह (आईयूएमएल) वही मुस्लिम लीग है जिसका नेतृत्व आजादी से पहले मुहम्मद अली जिन्ना ने किया था। आजादी के बाद सिर्फ इसका नाम बदला, काम नहीं। कांग्रेस का भी यही हाल है। त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के पास सत्ता हासिल करने के लिए देश में 'क्षेत्र, जाति और भाषा' के आधार पर विभाजन पैदा करने की 'स्पष्ट रणनीति' है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा समाज के सभी वर्गों को देश की 'मुख्यधारा' में लाना चाहती है जबकि वे (कांग्रेस) उन्हें मुख्यधारा से दूर रखना चाहते हैं।

दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को फिर कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आम चुनाव के लिए पार्टी की ओर से जारी घोषणापत्र में तुष्टिकरण की राजनीति की बू आ रही है और ए ऐसा है मानो इसे मुस्लिम लीग लेकर आई है। बिहार के नवादा जिले में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद कोई छोटा नहीं है। वह कहते हैं कि संविधान के अनुच्छेद 370 का राजस्थान से क्या लेना-देना है। यह टुकड़े-टुकड़े गैंग की मानसिकता है। उनके विचार राजस्थान और बिहार के सुरक्षाकर्मियों का अपमान है, जिन्होंने जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ते हुए प्राण गंवाए और उनके शव तिरंगे में लिपटे हुए वापस आए।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में जंतर-मंतर पर उपवास करते आप कार्यकर्ता

केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आप ने रखा सामूहिक उपवास

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आबकारी नीति मामले में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में पार्टी के सांसदों, विधायकों, पार्षदों और कार्यकर्ताओं ने रविवार को जंतर-मंतर पर दिनभर उपवास किया और शाम को जूस पीकर सबने उपवास तोड़ा। आप नेताओं ने भारतीय जनता पार्टी पर तानाशाही करने का आरोप लगाया। उन्होंने रघुपति राघव राजा राम समेत कई देशभक्ति के गीतों के जरिए कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र को बचाने और तानाशाही के खिलाफ आवाज बुलंद की। इस दौरान समर्थकों ने सलाखों के पीछे केजरीवाल की तस्वीर दिखाने वाले पोस्टर लहराए। गर्मी के कारण अधिकतर समर्थकों ने हाथों में पानी की बोतलें लिये हुए थे।

आप के वरिष्ठ नेता एवं सांसद संजय सिंह, डॉ. संदीप पाठक व अन्य सांसद, गोपाल राय, आतिशी, सौरभ भारद्वाज समेत अन्य मंत्रियों के साथ विधायक, प्रत्याशी सोमनाथ भारती, कुलदीप कुमार, मेयर डॉ. शौली ओबेरॉय व पार्षद समेत हजारों लोग उपवास में शामिल शामिल हुए। पार्टी नेताओं ने कहा कि अन्य राज्यों के साथ-साथ विदेश में भी भारतीय इस प्रकार का विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जिनमें बोस्टन में हार्वर्ड स्क्वायर, लॉस एंजिलिस में हॉलीवुड साइन, वाशिंगटन में भारतीय दूतावास के बाहर, न्यूयॉर्क टाइम्स स्क्वायर और टोरंटो, लंदन तथा मेलबर्न समेत कई स्थानों पर उनका प्रदर्शन शामिल हैं।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद ने संजय सिंह ने ईडी-सीबीआई के साथ भाजपा को भी जमकर घेरा। उन्होंने ईडी पर केजरीवाल को (शेष पेज 9)

ईसी के टर्निंग 18 पहल का लक्ष्य युवा और पहली बार वोट कर रहे मतदाता

राजेश कुमार। नई दिल्ली

मतदान के प्रति शहरी और युवा मतदाताओं की उदासीनता की चिंता के बीच लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान मतदाता मतदान में सुधार के प्रयास के लिए चुनाव आयोग (ईसी) ने सामाजिक स्तर पर कई तरह के अभियान शुरू किए हैं। इसके लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 'टर्निंग 18' (18 साल का होने पर)और 'यू आर द वन' (आप अकेले हो) युवा और शहरी मतदाताओं को लोकसभा चुनाव में मतदान करने के लिए प्रेरित करने के लिए चुनाव आयोग ने एक अभियान भी शुरू किया है। जिसमें लोगों से आग्रह किया गया है कि वे चुनाव से संबंधित सोशल मीडिया पर जो कुछ भी प्राप्त करते हैं उसे पहले सत्यापित करें और फिर उसका प्रचार करें। इसके अलावा आकर्षक कहानी चाहे जो भी हो - जैसे मनोरम दृश्यों के माध्यम से, अभियान स्वतंत्र, निष्पक्ष और भागीदारीपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने में व्यक्तियों के समर्पण और प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालता है। वर्तमान में आयोग इसके लिए अभियान चला रहा है जिसमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब सहित प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर पहले से चल रहा था और हाल ही में व्हाट्सएप चैनल और लिंक्डइन को भी शामिल किया गया है।

18वीं लोकसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग का 'टर्निंग 18' विशेष रूप से युवा और पहली बार मतदाताओं को लक्षित करता है। प्राथमिक उद्देश्य युवाओं को आगामी चुनावों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना और पिछले चुनावों में देखी गई शहरी और युवा उदासीनता के महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करना है, जबकि 'यू आर द वन' अभियान का उद्देश्य इसमें शामिल विभिन्न हितधारकों के अमूल्य योगदान की पहचान करना और लोकतंत्र के उत्सव (चुनावी प्रक्रिया)का जश्न मनाना है। 'टर्निंग 18' अभियान अपने दर्शकों का ध्यान खींचने के लिए विभिन्न सम्मोहक विषयों और रणनीतियों का उपयोग करता है। रणनीति में आसान पहचान और जुड़ाव के लिए विषयगत लोगों के साथ व्यक्तिगत श्रृंखला की ब्रांडिंग शामिल है। इसके अतिरिक्त, अभियान के साथ हुई प्रगति को रेखांकित करने के लिए पिछले और हाल के चुनावों की तुलना को 'तब बनाम अब' के रूप में चित्रित करता है।

अभियान में युवा मतदाताओं को 18 साल का होने पर तुरंत मतदान के महत्व पर जोर देकर नागरिक जिम्मेदारी की भावना को प्रेरित करना है। इसके अलावा, (शेष पेज 9)

पश्चिम बंगाल में झड़प के बाद एनआईए अधिकारियों पर दर्ज हुई एफआईआर

सौगर सेनगुप्ता। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए)को दोहरी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। बंगाल पुलिस ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अधिकारियों और सीएपीएफ कर्मियों के खिलाफ छेड़छाड़ के आरोप में एक एफआईआर दर्ज किया है, जो दिसंबर 2022 में एक विस्फोट के सिलसिले में तृणमूल कांग्रेस के कुछ गुंडों को गिरफ्तार करने के लिए पूर्वी मिदनापुर जिले के भूपतिनगर गए थे, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस की कार्रवाई लगभग उसी तरह की है जैसे कि तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व ने राज्य में टीएमसी की संभावनाओं को खत्म करने के लिए भाजपा पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी तक 'मोटे पैकेट' पहुंचाने का आरोप लगाया था और बंगाल में एनआईए की कार्रवाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने की धमकी दी थी।

एनआईए टीम और सीआरपीएफ अधिकारियों ने एक महिला की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की थी, जिसने आरोप लगाया था कि अधिकारियों ने उस पर और उसके पति पर हमला किया था और उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाई थी। मामला भूपतिनगर पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किया गया था, जिसमें 325, 34, 354, 354 (बी), 427, 448 और 509 शामिल हैं। पुलिस की यह कार्रवाई स्थानीय टीएमसी लोगों के एक समूह द्वारा एनआईए अधिकारियों पर हमला किए जाने के एक दिन बाद आई है। एनआईए ने दो स्थानीय टीएमसी नेताओं को पूछताछ के लिए उठाया। शनिवार को हुई झड़प में कुछ अधिकारियों को मामूली चोटें आईं, जबकि उनका एक वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। शनिवार की घटना लगभग चार महीने बाद हुई जब प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों की एक टीम पर उत्तर 24 परगना के संदेशखाली में टीएमसी के कद्दावर नेता और नेता शेख शाहजहां के लोगों ने हमला किया और उन्हें घायल कर दिया। ये एफआईआर वरिष्ठ टीएमसी नेता कुणाल घोष द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के अनुरूप हैं, जिन्होंने कहा था कि एनआईए की कार्रवाई एक भाजपा नेता और बल के एक एसपी के बीच एक गुप्त बैठक का परिणाम थी। घोष ने कहा, 26 मार्च को बीजेपी नेता जितेन तिवारी को कोलकाता के न्यू टाउन में इस एसपी के घर पर एक पैकेट के साथ जाते देखा गया था, उन्हें खंडन करने दीजिए और फिर हम संबंधित वीडियो जारी करेंगे जो उन्हें और उनके राजनीतिक आकाओं को और बड़ी मुसीबत में डाल देगा। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी एनआईए की कार्रवाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने पर विचार कर रही है। घोष ने कहा, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि वे पुराने मामलों को खोद रहे हैं और हमारे कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करने और परेशान करने के लिए ईडी, सीबीआई, आयकर और एनआईए को भेज रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि वे चुनाव नहीं जीतेंगे। इससे पहले, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने धूपगुड़ी में एक चुनावी रैली में भ्रष्टाचार और अन्य अवैध गतिविधियों के खिलाफ जांच को रोकने के लिए केंद्रीय एजेंसियों पर टीएमसी गुंडों को छोड़ देने के लिए टीएमसी सरकार की आलोचना की।

दूसरी ओर, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को परेशान करने के लिए एजेंसियां भेजने के लिए केंद्र पर पलटवार किया। एनआईए अधिकारियों पर हमले को संदेशखाली 2.0 बताते हुए भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, यह महज एक संयोग नहीं बल्कि एक सोचा-समझा प्रयोग था। यह एनआईए अधिकारियों पर राज्य प्रायोजित हमला था। यह हमला सत्तारूढ़ टीएमसी द्वारा आयोजित किया गया था, जबकि भाजपा सांसद समिक भट्टाचार्य (शेष पेज 9)

सिंहभूम के माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में दशकों बाद होगा मतदान

पायनियर समाचार सेवा। रांची/नई दिल्ली

माओवादियों के गढ़ झारखंड के सिंहभूम लोकसभा संसदीय क्षेत्र के कई इलाकों जो घने जंगलों से घिरा हुआ है। इनमें से कई अंदरूनी इलाके में 13 मई को को पहली बार या दशकों बाद मतदान होगा। मतदान के लिए मतदान कर्मियों और सामग्री को हेलीकॉप्टर के जरिए इन स्थानों पर उतारा जाएगा ताकि एशिया के सबसे घने 'साल' जंगल सारंडा में रहने वाले लोग अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। चुनावकर्मी दूरस्थ स्थानों पर 118 बूथ स्थापित करेंगे। पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त सह जिला निर्वाचन अधिकारी कुलदीप चौधरी ने मीडिया से बातचीत में बताया कि प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि कोई भी मतदाता छूट न जाए। प्रशासन ने ऐसे कई क्षेत्रों की पहचान की है जहां पहली बार या लगभग दो दशक के बाद मतदान होगा क्योंकि ये स्थान माओवादी उग्रवाद से बुरी तरह प्रभावित थे। नुगडी के मिडिल स्कूल और बोरेरो के मध्य विद्यालय जैसे मतदान केंद्रों पर पहली बार मतदान होगा। स्थिति में सुधार के बावजूद पश्चिमी सिंहभूम देश में वामपंथी उग्रवाद से सर्वाधिक प्रभावित जिलों में से एक बना हुआ है। पिछले साल यहां माओवाद संबंधी 46 घटनाएं हुईं, जिनमें 22 लोगों की मौत हुई। चौधरी ने बताया कि हवाई मार्ग से कर्मियों और सामग्री पहुंचाने के लिए रोबोकेरा, बिंज, थलकोबाद, जराइकेला, रोआम, रेंगराहातु, हंसाबेड़ा और छोटानागरा जैसे दुर्गम स्थानों में 118 बूथ को चिह्नित किया गया है। कुछ क्षेत्रों में मतदान दलों को चार-पांच किलोमीटर पैदल चलना होगा। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि इस बार कोई भी क्षेत्र अछूता न रहे।

थलकोबाद और करीब दो दर्जन गांवों को पहले मुक्त क्षेत्र कहा जाता था। मगर प्रशासन सुरक्षा (शेष पेज 9)

लाखामंडल शिवलिंग पर उभरने वाले प्रतिबिंब से भक्त रह जाते हैं हैरान

दीपक कुमार झा। लाखामंडल (टिहरी गढ़वाल)

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से लगभग 100 किलोमीटर की दूरी और करीब चार घंटे की ड्राइव पर, लाखामंडल गांव में ऐतिहासिक एवं पौराणिक काल के अवशेष बिखरे पड़े हैं। लाखामंडल का संबंध महाभारत काल से है। मान्यताओं के अनुसार इस मंदिर का निर्माण पांडवों ने करवाया था। लाखामंडल मंदिर देवभूमि में पवित्र केदारनाथ मंदिर की शैली में बना हुआ है। देहरादून को एक अन्य पवित्र स्थान यमुनोत्री से जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर है। इस मंदिर का मुख्य आकर्षण ग्रेफाइट का बना एक शिवलिंग है। इस पर जलाभिषेक करने पर यह चमकने लगता है। इस दौरान इसमें सामने खड़े व्यक्ति की छवि स्पष्ट नजर आती है। ऐसी मान्यता है कि पांडव भाइयों भीम द्वारा इसकी पूजा की गई थी। मंदिर परिसर में स्थित दर्जनों पौराणिक लघु शिवालय, ऐतिहासिक और प्राचीन मूर्तियां मौजूद हैं। यहां एक विशाल बरामदा है, जिसके मध्य में एक बड़ा शिवलिंग विराजमान है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने लाखामंडल को ऐतिहासिक धरोहर घोषित किया हुआ है।

स्थानीय लोगों के अनुसार वे लोग यहाँ खेला करते थे जहाँ ये शिवलिंग थे। इसे एक पड़ोसी ने तब देखा जब सीढ़ीदार खेती के लिए जमीन की खुदाई के दौरान ऐसी एक मूर्ति दिखी। ग्रामीणों ने इसमें रुचि ली और उन्होंने और अधिक खुदाई शुरू कर दी और उन्हें एहसास हुआ कि ऐसे कई स्थल हैं। इसके बाद उन्होंने इसकी जानकारी प्रशासन को दी। अब यह एक संरक्षित क्षेत्र है और अब यह माना जाता है कि इसके नीचे ऐसे हजारों शिव लिंग हो सकते हैं। आगे की खुदाई रोक दी गई है क्योंकि बस्ती और स्थायी संरचनाएं आ गई हैं। लाखामंडल के निवासी सुशील गौड़ ने बताया कि वह इस भूमि पर खेलते हुए बड़े हुए हैं जहां मंदिर के अवशेष पाए गए हैं। किसी भी जाति या उपजाति के बावजूद, अब लाखामंडल मंदिर के पुजारी वे हैं जिनके घर मंदिर के परिसर के भीतर हैं क्योंकि वही उनकी पैतृक संपत्ति रही है।

शिवलिंग की छवि प्रतिबिंब संपत्ति इसलिए है क्योंकि यह ग्रेफाइट से बना है जो पानी डालने पर चमकता है, जिससे आस-पास खड़े लोग शिवलिंग की सतह पर अपनी छवि देख सकते हैं। लाखामंडल मंदिर के पुजारी मायाराम गौड़ के मुताबिक इसका मतलब भगवान शिव बता रहे हैं कि आप सभी मेरे भीतर हैं और आपकी रक्षा करते हैं। गांवों के सदस्य पवित्र स्थान के प्रचार-प्रसार के लिए काम कर रहे हैं ताकि श्रृद्धलुओं की संख्या बढ़े और यह क्षेत्र यमुनोत्री के रास्ते में आने वाले आगंतुकों और पर्यटकों के लिए एक अधिसूचित आध्यात्मिक स्थान बन जाए।

लाखामंडल उत्तराखंड राज्य में देहरादून जिले के जौनसार-बावर क्षेत्र में स्थित है और इसका नाम दो शब्दों से मिलकर बना है। लाखा (लाख) जिसका अर्थ है कई और मंडल का अर्थ है मंदिर या लिंगम। एएसआई की खुदाई में बहुत सारी कलात्मक कृतियाँ मिली हैं और एएसआई के अधिकारियों के अनुसार, मंदिर का निर्माण उत्तर भारतीय वास्तुकला की प्राचीन नागर शैली में किया गया है। लाखामंडल मंदिर की प्राचीनता को कौरव-पांडवों से जोड़कर देखा जाता है। यहां एक भ०?य शिव मंदिर है। जिसका निर्माण 12-13वीं सदी में हुआ है।

पंडित मायाराम ने बताया कि उन्होंने ऐसा सुना है कि अगर किसी व्यक्ति के शव को इस मंदिर में लाया जाया जाए तो वह जीवित हो जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, कौरवों ने पांडवों व उनकी माता कुंती को जीवित जलाने के लिए ही यहां लाक्षागृह (लाख का घर) का निर्माण कराया था। लाखामंडल में वह गुफा आज भी मौजूद है, जिससे होकर पांडव सकुशल बाहर निकल आए थे। इसके बाद पांडवों ने चक्रनगरी में एक माह बिताया, जिसे आज चकराता के नाम से जाना जाता हैं। मुख्य मंदिर के बगल में दानव और मानव की जुड़वां मूर्तियाँ स्थित हैं। मूर्तियाँ इसके द्वारपाल हैं। कुछ लोग इन मूर्तियों को पांडव भाइयों भीम और अर्जुन की मानते हैं। मूर्तियां भगवान विष्णु के द्वारपाल जय और विजय से भी मिलते जुलते हैं

लोकसभा चुनावः उत्तर प्रदेश में जीतेंगे 80 सीटः उपमुख्यमंत्री

● गाजियाबाद में बूथ सम्मेलन में पहुंचे बृजेश पाठक

गाजियाबाद के लोनी विधानसभा में आयोजित भारतीय जनता पार्टी के बूथ सम्मेलन में पहुंचे उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक व अन्य।

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के लोनी विधानसभा में आयोजित भारतीय जनता पार्टी के बूथ सम्मेलन में उत्तर प्रदेश सरकार में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी इस बार उत्तर प्रदेश में 80 में से 80 सीट जीतेगी। गाजियाबाद भारतीय जनता पार्टी का गढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो में जिस तरीके से भीड़ आई उसने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए।

बृजेश पाठक ने अन्य पार्टियों पर हमला भी किया। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि गाजियाबाद का चुनाव पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। नरेंद्र मोदी का रोड शो हो या रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की रैली दोनों में इतनी बड़ी संख्या में लोग उमड़े कि आज तक कहीं नहीं हुआ। बृजेश पाठक ने बूथ अध्यक्षों से कहा कि हमें हर बूथ पर 370 वोट प्लस करने हैं। हमें 370 वोट इस वजह से प्लस करने हैं क्योंकि कश्मीर में 370 धारा हटाई है। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बृजेश पाठक ने कांग्रेस को घेरा। बृजेश पाठक ने कहा कॉमनवेल्थ गेम हुए तो कांग्रेस खेल मंत्री जेल चले गए। आज भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित देश बन रहा है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सत्यपाल प्रधान, जिला पंचायत अध्यक्षा ममता त्यागी, विधायक नंद किशोर , विधानसभा प्रभारी सत्याबीर राघव , जिला महामारी अनूप बैसला, जिला महामंत्री जितेंद्र पितौडा, जिला महामंत्री राजेंद्र बाल्मीकी, विनोद बंसल, कपिल चौधरी, आकाश गौतम, धर्मेंद्र त्यागी, जितेंद्र गुप्ता, जिलाध्यक्ष, युवा मोर्चा भाजपा हिमांशु शर्मा एवं अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

सपा नेताओं ने दिया नया नारा, सम्मान नहीं तो समर्थन भी नहीं

● लोकसभा प्रत्याशी महेंद्र नागर से खफा है जिले के कार्यकर्ता

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा शहर से लेकर खुर्जा तक फैली हुई गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट पर समाजवादी पार्टी सपा में नया नारा लगा है। नोएडा सीट पर सक्रिय सपा के नेताओं ने नया नारा दिया है। नोएडा सीट के सपा नेताओं का नारा है कि सम्मान नहीं तो समर्थ नहीं।

नोएडा सीट के ज्यादातर सपा नेता अपने लोकसभा के प्रत्याशी डॉ. महेन्द्र नागर से खफा हैं। नोएडा सीट पर लम्बे अर्से से सक्रिय समाजवादी पार्टी सपा के नेता सीधा आरोप लगा रहे हैं कि सपा प्रत्याशी डॉ. महेन्द्र नागर चुनाव को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। सपाइयों का आरोप है कि उनका प्रत्याशी लोकसभा के चुनाव को गांव पंचायत के प्रधानी के चुनाव की तरह से लड़ रहा है। सपा के नेताओं से ना तो कोई बातचीत की जा रही है। ना ही उन्हें चुनावी अभियान में शामिल किया जा रहा है और तो और सपा के नेताओं को सम्मान भी नहीं दिया जा रहा है। आरोप यह भी है कि सपा प्रत्याशी का चुनाव अभियान नोएडा से लेकर खुर्जा तक पांच विधानसभा की सीटों की बजाय अपने गांव के आसपास ही केन्द्रित होकर रह गया है। सपा के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि इस बार कांग्रेस के साथ गठबंधना के कारण सपा नोएडा सीट को जीतने की स्थिति में है। जीत के वातावरण के बावजूद उनकी पार्टी के प्रत्याशी का चुनावी मैनेजमेंट इतना लचर है कि नोएडा सीट पर सपा का चुनावी अभियान नजर ही नहीं आ रहा है। इस बीच समाजवादी पार्टी के एक दर्जन नेताओं ने अपनी पीड़ा पार्टी के नेतृत्व के सामने भी रखी है। पार्टी नेताओं ने अपनी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल को एक पत्र लिखा है। पत्र में नोएडा सीट से सपा प्रत्याशी पर पार्टी के नेताओं तथा कार्यकर्ताओं को सम्मान ना देने की बात कही गई है। इसी पत्र में यह नारा भी दिया गया है कि सम्मान नहीं तो समर्थन नहीं। पत्र में कहा गया है कि जब पार्टी प्रत्याशी प्रमुख नेताओं को सम्मान तक नहीं दे रहे हैं तो वे कैसे चुनाव में उनका समर्थन कर सकते हैं, उनके लिए कैसे वोट मांग सकते हैं। नोएडा शहर से लेकर खुर्जा तक गौतमबुद्धनगर लोकसभा की सीट फैली हुई है। पूरे देश की प्रमुख लोकसभा सीट मानी जाने वाली नोएडा सीट पर समाजवादी पार्टी सपा तथा कांग्रेस के गठबंधन ने पुराने कांग्रेसी डॉ. महेन्द्र सिंह नागर को अपना प्रत्याशी बनाया है। डॉ. महेन्द्र नागर को प्रत्याशी बनवाने में सपा के कुछ प्रमुख नेताओं का हाथ रहा है। इन नेताओं का मत था कि डॉ. महेन्द्र सिंह नागर गुर्जर समाज को एकजुट करके सपा के पक्ष में वोट करवा देंगे। साथ ही कांग्रेस के परंपरागत वोटर्स तथा सपा के कोर वोटर्स मुस्लिम तथा यादव समाज को भी उत्साहित करके वोट डलवा देंगे। नोएडा सीट पर ठीक 20 दिन बाद मतदान होना है। ऐसे में सपा प्रत्याशी गुर्जर यादव तथा मुस्लिम को अपने साथ जोड़ना तो छोड़ो सक्रिय सपा तथा कांग्रेस के नेताओं तक को नहीं जोड़ पा रहे हैं।

नोएडा के रेस्टोरेंट में बेची जा रही थी अवैध तरीके से शराब

● ग्राम रोहिल्लापुर सेक्टर-132 में बिना लाइसेंस और पुराने लाइसेंस में छेड़छाड़ कर रेस्टोरेंट में शराब पिलाने वाले मैनेजर सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

लोकसभा चुनाव में शराब की अवैध बिक्री और ट्रांसपोर्टेशन कर लेकर आबकारी विभाग एक्शन में है और लगातार छापेमारी कर रहा है।

इसी कड़ी में आबकारी विभाग और थाना 126 पुलिस ने एक इनपुट के आधार पर ग्राम रोहिल्लापुर सेक्टर-132 में बिना लाइसेंस और पुराने लाइसेंस में छेड़छाड़ कर रेस्टोरेंट में शराब पिलाने वाले मैनेजर सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

इनके कब्जे से छेड़छाड़ कर बनाये गए फर्जी लाइसेंस और 55 बोतल शराब की बरामद की गई है। नोएडा के सेक्टर-132 स्थित गांव रोहिल्लापुर नोएडा स्थित बुराश रेस्टोरेन्ट में परोसी जा रही अवैध शराब की सूचना मिलने पर आबकारी विभाग और थाना-126 पुलिस ने देर रात संयुक्त रूप से छापा मारकर रेस्टोरेन्ट के मैनेजर आलोक झा, धर्मवीर कुमार सोनू और मणिपुर निवासी थांगलेनहाऊ चोंगलोई को गिरफ्तार किया है।

इनके कब्जे से पुराने लाइसेंस में छेड़छाड़ कर 11 लाइसेंस को असली के रूप में दर्शाकर अधिक मुनाफ ा कमाने हेतु बिना वैध लाइसेंस के रेस्टोरेन्ट में शराब का सेवन कराया जा रहा था। रेस्टोरेंट की तलाशी लेने पर काउंटर के पास नीचे एक प्लास्टिक के कट्टे में 26 बोतल कोरोना एक्स्ट्रा प्रीमियम बीयर 330 एमएल 25 बोतल बीरा व्हाइट बीयर 330 एमएल फ ार सेल इन उत्तर प्रदेश ओनली, जैकब क्रिक व्हाइट वाइन 750 एमएल की एक सीलबंद और आधी भरी हुई बोतल और सुला ब्रांड की रेड वाइन 750 एमएल की एक सीलबंद और आधी भरी हुई बोतल बरामद किया गया। बरामद शराब के बारे में पूछा गया तो काउंटर पर बैठे व्यक्ति द्वारा ये बताया गया कि हम इसको बेच कर मुनाफा कमाते हैं। बरामद 26 बोतल कोरोना एक्स्ट्रा प्रीमियम बीयर में से तीव्रता परीक्षण हेतु रेंडमली आधार पर 2 बोतल बीयर को बतौर नमूना सील किया गया है।

गिरफ्तार अभियुक्तों व लाइसेंस पर अंकित प्रणव जैन रेस्टोरेंट संचालक के खिलाफ भारतीय दण्ड संहिता व आबाकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में थाना सेक्टर 126 में अभियोग पंजीकृत करते हुए जेल भेजा गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। ज्ञात को लोकसभा चुनावों को लेकर पुलिस सख्त अभियान चला रही है। यूपी सीमा पर लगे कई इलाकों में सघन अभियान चलाया जा रहा है।

कई स्थानों पर ट्रैफिक सिग्नल खराब

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के चौराहे पर ट्रैफि क सिग्नल काम नहीं कर रहे हैं। यहां ट्रैफि क पुलिस के कर्मी खुद ही ट्रैफि क का संचालन कर रहे हैं। दरअसल ट्रैफि क लाइट का जिम्मा नगर निगम के पास होता है। जिसके पास ट्रैफि क लाइट संचालन का जिम्मा था उस वेंडर का टेंडर खत्म होने के चलते ट्रैफि क लाइट काम नहीं कर रही है। अब नया टेंडर देने के बाद सुचारू रूप से ट्रैफि क लाइट काम करेंगी। इसी कारण से जिले में जगह.जगह जाम लग गया है। गाजियाबाद में एडीसीपी ट्रैफि क वीरेंद्र कुमार ने बताया की ट्रैफि क लाइट चलाने का जिम्मा नगर निगम के पास है। नगर निगम वेंडर के जरिए सिग्नल व्यवस्था संचालित करता है। जिस वेंडर के पास इसका टेंडर था उसके टेंडर का समय समाप्त हो गया।

बीमा पॉलिसी में रिटर्न देने के नाम पर ठगी

● मामले में नोएडा पुलिस ने चार को किया गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

साइबर ठगी करने के लिए ठग तरह-तरह के तरीके अपनाते हैं। नोएडा पुलिस और साइबर सेल ने एक ठग गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो बीमा पॉलिसी के नाम पर लोगों को अपना शिकार बनाते है।

नोएडा पुलिस और साइबर सेल ने ठगी करने वाले इस गिरोह का भंडाफोड करते हुए 4 ठगों को नोएडा शहर के सेक्टर 49 थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। ये सभी ठग बीमा पालिसी के नाम पर अच्छा रिटर्न समेत अन्य तरह की प्रलोभन देकर लोगों को ठगी का शिकार बनाने का काम करते थे। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल होने वाले 10 मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं।

साइबर सेल के इंस्पेक्टर सतीश चंद्र साहू ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे विभिन्न बीमा पालिसी धारकों की जानकारी किसी तरह से हासिल कर लेते है। ये लोग उन्हीं को टारगेट करते थे जिनकी पॉलिसी पूरी होने वाली होती थी। उसी में ज्यादा मुनाफा देने या अन्य प्रलोभन देकर ठगी करते है। इसमें आरोपी फर्जी बैंक खाता और मोबाइल नंबर प्रयुक्त करते थे।

बीमा के नाम पर ठगी करने वाले आरोपिया की पहचान नई दिल्ली के अलीगांव सरिता बिहार निवासी प्रवीण कुमार झा, गाजीपुर कोडली निवासी मनोज कुमार, प्रतापचौक ग्राम डल्लूपुरा निवासी राहुल कुमार और हरियाणा के फ रीदाबाद के इस्माइलपुर निवासी दीपक कुमार के तौर पर हुई हैं। बता दें कि हाल ही में लखनऊ के वजीरगंज थाने में एडवोकेट पंकज चतुर्वेदी ने मुकदमा दर्ज कराया था। पीड़ित ने बताया कि उनका बैंक में बीमा पालिसी पूर्ण होने वाली थी। एक अज्ञात ने फोन कर कहा कि 60 प्रतिशत कमीशन लग जाएगा।

इससे बचने के लिए बैंक की दूसरी शाखा में बीमा ट्रांसफर करवाने का प्रलोभन देकर 1.32 लाख रुपए की ठगी कर ली थी। इसके बाद से उत्तर प्रदेश पुलिस और साइबर सेल लगातार आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश कर रही थी। ज्ञात हो नोएडा कुछ ऐसे ही मामलों में गैंग का खुलासा पुलिस ने किया था। पुलिस ऐसे मामलों का खुलासा पहले भी कर चुकी है।

नौकरी का झांसा देकर महिला से 3.77 लाख ठगे

नोएडा। कोतवाली सेक्टर-24 क्षेत्र के एक महिला से घर बैठे नौकरी का झांसा देकर 3.77 लाख रुपये ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ति ने अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर.12 की पूजा भारती ने दर्ज कराई एफ आइआर में बताया कि पिछले दिनों वह सोशल मीडिया साइट इंस्टाग्राम पर घर बैठे नौकरी करने के बारे में मैसेज देख रही थीं। इसी दौरान साइबर ठग ने उन्हें एक ग्रुप में जोड़ लिया। इसके बाद प्रीपेड टास्क दिए। आरोपितों ने उन्हें अधिक धन कमाने का झांसा दिया। पीड़िता को ऑनलाइन टास्क मिलते गए और वह उन्हें पूरा करती गईं। पीड़िता का कहना है कि 29 और 30 मार्च 2024 के बीच उन्होंने सात बार में विभिन्न बैंक खातों में 377150 रुपये ट्रांसफ र कर दिए। रुपये निकालने पर पीड़िता से कहा गया कि वह जब तक लेवल पूरा नहीं करेंगी, तब तक धनराशि नहीं निकाल सकती हैं। जब पीड़िता ने और धनराशि देने से इन्कार कर दिया तो उनका खाता फ्रीज कर दिया। पीड़िता का कहना है कि वह पहले से ही ऋण संबंधी मामले से जूझ रही हैं, जबकि साइबर अपराधी उस धनराशि को निकालने के लिए दो लाख रुपये और मांग रहे हैं।

आगामी लोकसभा चुनाव के लिए पुलिस फोर्स के ठहरने आदि व्यवस्था का जायजा लेती पुलिस अधिकारी।

पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश को लगी गोली, दूसरा फरार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र में पल्सर सवार दो बदमाशों के साथ पुलिस की मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में एक बदमाश को गोली लगी। दूसरा बदमाश मौके से फरार हो गया।

इन दोनों बदमाशों ने पिज्जा आउटलेट और मेडिकल स्टोर से लूट की वारदातों को अंजाम दिया था। पुलिस पकड़े गए बदमाश के कब्जे से लूट के पैसे, तमंचा, कारतूस और बाइक बरामद की है। गाजियाबाद में एसीपी अंकुर विहार भास्कर वर्मा ने बताया की थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र में लूट की घटनाओं के बाद सघन तरीके से चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान लालबाग क्षेत्र में एक पल्सर सवार मोटरसाइकिल आती दिखाई दी। टॉर्च के इशारे से उसे रोकने का प्रयास किया गया मोटरसाइकिल सवार दो लोग मोटरसाइकिल को मोड़कर भगाने का प्रयास करने लगे। इसी दौरान मोटरसाइकिल फिसल कर गिर गई और बदमाशों ने पुलिस पर फ ायरिंग कर दी।

पुलिस की जवाबी फ ायरिंग में एक बदमाश को गोली लगी और दूसरा फरार हो गया। घायल बदमाश का नाम विकास तोमर उर्फ विक्की है जो बागपत के थाना रमाला क्षेत्र का रहने वाला है। इन दोनों बदमाशों ने 5 तारीख में अमित मेडिकल स्टोर से कैश लूट था।

संक्षिप्त समाचार

स्वास्थ्य शिविर में मरीजों की जांच करते डॉक्टर।

स्वास्थ्य शिविर का 250 लोगों ने उठाया लाभ

गाजियाबाद। वैशाली के सेक्टर-2बी स्थित श्रीराम वाटिका पार्क में रविवार सुबह प्रत्यक्ष मल्टी स्पेशलिटी क्लिनिक और रीति फाउंडेशन ने निशुल्क स्वास्थ्य शिविर 250 से अधिक लोगों ने लाभ उठाया। स्वास्थ्य शिविर में आए लाभार्थियों ने विशेषज्ञ चिकित्सकों की निर्देशन में ब्लड शुगर, शुगर, संचारी बीमारी, दांत की समस्या, फिजियोथेरेपी, नाड़ी सहित सुविधाओं का लाभ उठाया और बीमारी का पता लगाने के लिए जांच भी कराई। शिविर में मनोरंजन गतिविधियों जैसे श्वसन प्रणाली के लिए मोमबत्ती बुझाना, समन्वय के लिए तय समय में ग्लास से बिल्डिंग ब्लॉक बनवा कर फिटनेस के बारे में जागरूक किया गया। डॉ. ख्याति शर्मा ने बताया कि बदलते मौसम और भागदौड़ में अपने आपको स्वस्थ रखना एक बड़ी चुनौती है। शिविर में फिजिशियन मेजर डॉ. हर्ष विज, डॉ. सुमित त्यागी, डॉ. रितु वर्मा, डॉ. नरेंद्र, डॉ. श्रद्धा प्रकाश, डॉ. प्रिया सिन्हा, पवित्रा, सर्वेश सहित टीम के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

कबाड़ से भरे ट्रक में लगी आग

नोएडा। नोएडा में बीच सड़क पर अचानक एक ट्रक आग का गोला बन गया। कबाड़ से भरे हुए ट्रक में अचानक से आग लग गई। आग लगने की वजह से जाम की स्थिति बन गई। सूचना के बाद दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। नोएडा के थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के अंतर्गत सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से कुछ दूरी पर रविवार दोपहर को एक हादसा हो गया। कबाड़ से भरा हुआ ट्रक कबाड़ को लेकर जा रहा था, लेकिन जैसे ही वह ट्रक सिटी सेंटर के पास पहुंचा तो अचानक से कबाड़ में आग लग गई। कुछ ही देर में उस कबाड़ में लगी आग में विकराल रूप ले लिया। इतनी देर में चालक ने ट्रक को भी सड़क पर ही छोड़ दिया और जैसे-तैसे कूदकर अपनी जान बचाई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की एक गाड़ी और स्थानीय पुलिस मौके में पहुंच गई और आग पर काबू पाया गया। बीच सड़क पर ट्रक में आग लगने की वजह से चारों तरफ अफरा-तफरी का माहौल हो गया और जाम की स्थिति बन गई। इस दौरान मौके पर लोगों की भारी भीड़ भी जमा हो गई। हालांकि समय रहते दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है हालांकि ट्रक में रखा हुआ कबाड़ जलकर राख हो गया।

चुनावी दंगल वोटर संख्या 10 लाख 20 हजार 386 थी, महज 4 लाख 79 हजार 893 ने डाले वोट

सबसे बड़ी विस साहिबाबाद, फिर वोटिंग में सबसे पीछे

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद जिले के तहत आने वाली साहिबाबाद विधानसभा को देश की सबसे बडी विधानसभा में से एक माना जाता है। लेकिन बात करें अगर वोटिंग प्रतिशत की, तो इस विधानसभा के वोटर्स वोटिंग के मामले में सबसे पीछे रह जाते हैं।

बात चाहे लोकसभा चुनावों की हो या फिर विधानसभा चुनावों की, हर वोटिंग में साहिबाबाद क्षेत्र के वोटर्स सबसे पीछे रह जाते हैं। बात करें अगर 2022 के विधानसभा चुनावों की, तो साहिबाबाद विधानसभा में वोटर संख्या 10 लाख 20 हजार 386 थी, लेकिन वोट करने के लिए मतदान केन्द्रों पर पहुंचे थे महज 4 लाख 79 हजार 893 मतदाता। यहां का वोटिंग प्रतिशत अन्य विधानसभा के मुकाबले सबसे कम 47.03 फ ीसदी रहा। जबकि लोनी विधानसभा में 61.49 वोटिंग प्रतिशत था। मुरादनगर में 59.72, गाजियाबाद सीट पर 51.57 और मोदीनगर सीट पर 67.26 फ ीसदी वोटर्स ने अपने मतदान का प्रयोग किया था। ओवर ऑल पांचों विधानसभा का वोटिंग परसेंटेज महज 54.92 फ ीसदी रहा था। अब बात करें लोकसभा चुनाव में साहिबाबाद विधानसभा की तो पिछले लोकसभा चुनाव में इस विधानसभा की स्थिति कुछ अच्छी नहीं रही।

2019 के लोकसभा चुनाव में साहिबाबाद विधानसभा में महज 49.57 फीसदी ही वोटर्स ने वोट किया था। जबकि उसके मुकाबले धौलाना से सबसे अधिक 65.67 फीसदी वोट पडा था। वर्ष 2014 में साहिबाबाद में 52.33 फ ीसदी ही वोट डले थे। उस दौरान साहिबाबाद विधानसभा में वोटर संख्या 10 लाख से अधिक थी। इस बार फिर साहिबाबाद क्षेत्र में वोटिंग प्रतिशत बढाने के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय जुटा हुआ है। हाईराइज सोसायटी के लोग वोट डाल सके इसके लिए 35 अतिरिक्त मतदेय स्थल की उनकी सोसायटी में ही बनाए गए हैं ताकि उन्हें सोसायटी से बाहर न जाना पडे और लाइनों में भी न लगना पडे। साहिबाबाद विधानसभा का यह हाल तब है जहां सबसे अधिक वोटर संख्या होने के साथ.साथ पढी लिखी आबादी है।

नोएडा के चुनावी मैदान में 15 प्रत्याशी बचे

गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट के चुनावी मैदान में मजेदार समीकरण सामने आये हैं। नोएडा सीट के चुनावी मैदान में खेलने उतरे 34 राजनीतिक खिलाडियों में 19 खिलाड़ी खेलने से पहले ही हिट विकेट होकर मैदान से बाहर हो गए हैं। अब नोएडा की सीट पर 15 खिलाड़ी मैदान में बचे हैं। जिला निर्वाचन विभाग द्वारा 19 नामांकन रदद करने के बाद अब 15 प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे। जिसमें राष्ट्रीय व प्रदेशिक पार्टी से समाजवादी पार्टी-कांग्रेस गठबंधन के डा महेन्द्र नागर, भाजपा के डा महेश शर्मा, बहुजन समाज पार्टी के राजेन्द्र सिंह सोलंकी चुनावी मैदान में मजबूती से डटे हैं।

सार्वजनिक सूचना

माननीय उच्च न्यायालय नई दिल्ली दिनांक 1 अप्रैल 2024 के आदेश से स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा दिल्ली स्विमिंग एसोसिएशन डीएसए की गठित तदर्थ कमेटी (एडोक कमेटी) डीएसए के चुनाव कराने जा रही है चुनाव संबंध में कोई जिला स्तरीय स्विमिंग (रजिस्टर्ड) है तो इसमें शामिल होने हेतु सूचना पाने के 2 दिन के भीतर बलराज शर्मा अध्यक्ष एडोक कमेटी पता 7th फ्लोर अंतरिक्ष भवन अंतरिक्ष भवन, 22 के जी मार्ग कनॉट प्लेस नई दिल्ली 110001, फोन नंबर- 9873102437 पर सीधे संपर्क करें।
अनुरोध,बलराज शर्मा, अध्यक्ष, एडोक कमेटी DSA

भाजपा ने केजरीवाल से मांगा इस्तीफा, प्रदर्शन

शराब से मुख्यमंत्री आवास की प्रदर्शनी लगा कर कनॉट प्लेस में चलाया अरविंद केजरीवाल का पोल खोल अभियान

सियासत

मुख्यमंत्री के बंगले की प्रतिकृति को बनाया गया सेल्फी प्वाइंट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, लोस प्रत्याशी बांसुरी स्वराज और कार्यकर्ताओं ने केजरीवाल के इस्तीफे की मांग पर प्रदर्शन किया। फोटो: रंजन डिमरी

नई दिल्ली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)की दिल्ली इकाई के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए गए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर रविवार को मध्य दिल्ली के कनॉट प्लेस में विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली के मुख्यमंत्री के मरम्मत किए गए सरकारी बंगले की एक कथित प्रतिकृति भी रखी थी। उन्होंने इसे शीशमहल करार देते हुए मरम्मत कार्य में अनियमितता का आरोप लगाया।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि यह शीशमहल भ्रष्टाचार का ताजमहल है जो दिल्ली के टैक्स पेयर्स की गाढ़ी कमाई का पैसा है। शराब से शीशमहल तक का सफर अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली वालों को लूटकर तय किया है। उन्होंने कहा कि देश भर के लोग जब दिल्ली दर्शन करने को आते हैं तो वह कुतुब मीनार देखते हैं, इंडिया गेट देखते हैं, अक्षरधाम मंदिर भी जा सकते हैं, प्रधानमंत्री संग्रहालय भी जा सकते हैं लेकिन इस भ्रष्टाचारी के ताजमहल में पास जाने की भी अनुमति नहीं है। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल ने चुनावी चंदा उगाहने के लिए शराब नीति घोटाला किया तो अपना बंगला बनाने के लिए शहरी कला नियमों, निगम अधिनियमों के साथ ही पर्यावरण नियमों को जम कर तोड़ा है। आज दिल्ली की जनता अपने घर में पेड़ की एक टहनी नहीं काट सकती, लेकिन अरविंद केजरीवाल ने अपने शीश महल के लिए सैकड़ों पेड़ काट दिए। दिल्ली के साथ पंजाब पुलिस भी अपनी सुरक्षा में साथ लगा ली जबकि कहते थे कि हम कभी भी सुरक्षा नहीं लेंगे। नई दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी बांसुरी स्वराज ने कहा कि आम आदमी पार्टी बनावटी सहानुभूति का ड्रामा कर रही है लेकिन यह दिल्ली की जनता है सब समझ चुकी है और जिस प्रकार से दिल्ली के युवाओं को नशे में धकेलने और महिलाओं के खिलाफ जाकर शराब के ठेके खोले जिसका जवाब जनता आने वाले चुनाव में देने को तैयार है। सभा को डा. अल्का गुर्जर, संजय मयूख, सुमित भसीन, कमलजीत सहरावत, शाजिया इल्मी आदि मौजूद रहे।

लोगों में लगी सेल्फी लेने की होड़

भाजपा ने प्रदर्शन स्थल पर शराब से शीशमहल तक नाम से एक सेल्फी प्वाइंट भी स्थापित की जहां पर कथित आबकारी घोटाले में आरोपी आप नेताओं की शराब की बोतल के आकार के कटआउट लगाए गए थे। जहां बड़ी संख्या में लोग सेल्फी लेते हुए देखे गए। विरोध प्रदर्शन में दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ नेता, राष्ट्रीय राजधानी से लोकसभा चुनाव के लिए घोषित किए पार्टी उम्मीदवार, विधायक और पार्षद इस विरोध-प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने केजरीवाल के खिलाफ नारे लगाए उनके इस्तीफे की मांग की। ईडी ने कथित आबकारी घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले में 21 मार्च को दिल्ली के मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया था। वह 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में हैं।

दिल्ली सरकार ने अप्रैल से जून तक शुष्क दिवस घोषित किए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने अप्रैल से जून के दौरान लोकसभा चुनाव और धार्मिक त्योहारों के मद्देनजर शुष्क दिवस घोषित कर दिए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। आबकारी विभाग द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है कि दिल्ली में शराब की दुकानें ईद-उल-फितर (11 अप्रैल), रामनवमी (17 अप्रैल), महावीर जयंती (21 अप्रैल), बुद्ध पूर्णिमा (23 मई) और ईद-उल-जुला (17 जून) को बंद रहेंगी। विभाग ने कहा कि सभी लाइसेंसधारी अपने लाइसेंस प्राप्त परिसर के किसी विशिष्ट स्थान पर शुष्क दिवस का आदेश प्रदर्शित करेंगे।

हाल ही में जारी एक अधिसूचना में, विभाग ने कहा कि उत्तर प्रदेश के बागपत, गाजियाबाद और गौतमबुद्धनगर में लोकसभा चुनाव के कारण 24 अप्रैल शाम 6 बजे से 26 अप्रैल शाम 6 बजे तक (मतदान समाप्ति के 48 घंटे पहले) शुष्क दिवस रहेगा।विभाग ने कहा कि यह उन सभी लाइसेंसधारियों पर लागू होगा जिनकी दुकानों/परिसर उत्तर प्रदेश के बागपत, गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर जिलों की सीमा के 100 मीटर के अंदर स्थित हैं।

एक अन्य अधिसूचना में आबकारी विभाग ने कहा कि दिल्ली की सात लोकसभा सीट पर मतदान के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की शराब की दुकानें और अन्य लाइसेंस प्राप्त परिसर 23 मई की शाम 6 बजे से 25 मई की शाम 6 बजे तक (मतदान समाप्ति के 48 घंटे पहले) बंद रहेंगे।

अधिसूचना में कहा गया है कि दिल्ली में शराब की दुकानें चार जून (पूरे दिन) को भी बंद रहेंगी। चार जून को लोकसभा चुनाव की मतगणना होगी।

सिगरेट जलाने के लिए माचिस नहीं देने पर युवक की हत्या

दो किशोरों ने तिमारपुर इलाके में वारदात को दिया अंजाम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तर दिल्ली के तिमारपुर इलाके में सिगरेट जलाने के लिए माचिस नहीं देने पर दो किशोरों ने कथित तौर पर एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी किशोरों को पकड़ लिया गया है।

पुलिस के मुताबिक, शनिवार को तिमारपुर पुलिस थाना में चाकूबाजी की घटना के संबंध में एक पीसीआर कॉल आई थी। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) एमके मीणा ने बताया, मौके पर पहुंचने पर पुलिस टीम ने पाया कि एक ऑटोरिक्शा के अंदर और उसके आसपास खून फैला हुआ है। उन्होंने बताया कि घायल को हिंदू राव अस्पताल ले जाया गया।

डीसीपी ने बताया कि अस्पताल ले जाए जाने पर चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण किया गया और चश्मदीदों के बयान दर्ज किए गए। मीणा ने बताया कि घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई और दो किशोरों की पहचान की गई जिन्हें रविवार को पकड़ लिया गया।

उन्होंने बताया, अपराध में इस्तेमाल चाकू को भी बरामद कर लिया गया है। डीसीपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान एक किशोर ने बताया कि उन्होंने पीड़ित से सिगरेट जलाने के लिए माचिस मांगी थी, लेकिन उसने देने से इनकार कर दिया था, जिसे लेकर बहस हुई थी। उन्होंने बताया कि बहस बढ़ने पर एक किशोर ने पीड़ित पर चाकू से हमला कर दिया और मौके से दोनों फरार हो गए। मीणा ने बताया कि मामले में पकड़े गए दोनों किशोरों में से एक पहले भी एक अन्य जघन्य अपराध में संलिप्त था।

डूटा ने 12 कॉलेजों के स्ववित्त पोषित मॉडल का किया विरोध

12 अप्रैल को महाराजा अग्रसेन कॉलेज में होगा सामुहिक धरना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की सरकार के खिलाफ दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ ने कड़ा रूख अपना लिया है। डूटा ने ऐलान किया है कि उसे कालेजों के लिए दिल्ली सरकार का स्व वित्त पोषित मॉडल स्वीकार नहीं है जिसमें कर्मचारियों व शिक्षकों के वेतन के भुगतान के लिए छात्र निधि के उपयोग की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं।

डूटा अध्यक्ष प्रो. एके भागी ने इस मुद्दे पर कहा कि उपराज्यपाल के हस्तक्षेप के बाद नौकरशाही द्वारा वित्त पोषित कॉलेजों की समस्या का समाधान करने को तैयार है लेकिन राजनीतिक नेतृत्व इसमें बाधक बना हुआ है। डूटा ने अब राज्य सरकार के इस शिक्षक विरोधी रुख के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है जिसके बाद 12 अप्रैल को महाराजा अग्रसेन कॉलेज में कलस्टर धरना आयोजित किया जाएगा। प्रो. एके भागी ने बताया कि डूटा और दिल्ली विश्वविद्यालय प्रिंसिपल एसोसिएशन (डीयूपीए) के ज्ञापन और दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित 12 कॉलेजों से संबंधित मुद्दों पर उपराज्पाल के साथ डूटा पदाधिकारियों की बैठक के बाद, एनसीटी दिल्ली सरकार द्वारा एक हाई पावर कमेटी का गठन किया गया था। गत 3 अप्रैल को इस समिति की बैठक हुई। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के शिक्षा सचिव द्वारा 12 कॉलेजों में पिछली कमी की सारी जानकारी एकत्र की गई। इसे कमेटी की बैठक के मिनट्स में भी दर्ज किया गया है। साथ ही यह आश्वासन दिया गया है कि इस संकट को समाप्त करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और डीयू मानदंडों के अनुसार शिक्षण पदों को जल्द ही मंजूरी दी जाएगी।

डूटा अध्यक्ष ने कहा कि बावजूद इसके अप्रैल में भुगतान किया गया मार्च माह का वेतन और शिक्षकों और कर्मचारियों के अन्य लंबे समय से लंबित बकाया दिल्ली सरकार द्वारा जारी नहीं किए गए हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि उपरा'यपाल के हस्तक्षेप के बाद (जैसा कि पहले भी कई मौकों पर हुआ है), नौकरशाही सकारात्मक है और 12 कॉलेजों की समस्या का समाधान करना चाहती है लेकिन आप सरकार का राजनीतिक नेतृत्व जिद पर अड़ा है और अनावश्यक विवाद और भ्रम का सौहार्दपूर्ण समाधान नहीं चाहता है। दिल्ली सरकार के द्वारा × अप्रैल, 2024 की बैठक के कार्यवृत्त में, एक बार फिर यह दर्ज किया गया है कि वेतन का भुगतान करने के लिए छात्र निधि शुल्क का उपयोग करने की संभावना तलाशी जाएगी।

यह उच्च शिक्षा के स्ववित्तपोषण मॉडल और दिल्ली सरकार की सहायता के प्रस्तावित पैटर्न का प्रमाण है जिसे आम आदमी पार्टी सत्ता में आने के बाद से ही आगे बढ़ा रही है।

डूटा ने एक बार फिर आम आदमी पार्टी की सरकार के शिक्षा के स्ववित्तपोषण मॉडल को खारिज कर दिया। डूटा की मांग है कि दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित 12 कॉलेजों के लिए पिछले वर्षों की कमी सहित पूर्ण अनुदान सहायता तुरंत जारी की जाए।

सख्ती: नशे में गाड़ी चलाने पर तीन माह में 6500 चालान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सड़क सुरक्षा बनी चिंता का विषय

दिल्ली में नशे में गाड़ी चलाने के चालान की संख्या में एक दम से अधिक बढ़ोत्तरी हुई है जो सड़क सुरक्षा के लिए चिंता का सबब है।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, 2024 के पहले तीन माह (1 जनवरी से 31 मार्च) में नशे में गाड़ी चलाने के चालान की संख्या में 2022 में इसी अवधि की तुलना में 15 गुना से ज्यादा चालान हुए हैं। 6,591 उल्लंघनकर्ताओं पर मामला दर्ज किया गया, जो पिछले वर्ष के 5,384 के आंकड़े की तुलना में अधिक है और 2022 में 333 से भारी उछाल दर्शाता है। राजौरी गार्डन में सबसे अधिक 333 चालान, उसके बाद समयपुर बादली 252 और महरौली 240 के साथ दर्ज किए गए। ट्रैफिक पुलिस ने रविवार को एक बयान में कहा कि वर्ष 2024 के दौरान, 1 जनवरी से 31 मार्च तक दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने नशे में गाड़ी चलाने के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया। पुलिस ने बताया कि यह चिंता का विषय है। इस चालानों से सड़कों पर सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता बढ़ाने और यातायात नियमों को सख्ती से लागू करने की जरूरत को दर्शाती है। आंकड़ों से पता चलता है कि 2022 और 2024 के बीच नशे में गाड़ी चलाने के मामलों में 1500 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

अप्रैल में तपिश से बढ़ी परेशानी

मेट्रो को लेकर कोई शिकायत या सुझाव है तो साझा करें

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मेट्रो में यात्रा को लेकर अगर आपके पास कोई सुझाव या शिकायतें हैं तो अब आप मेट्रो प्रशासन तक अपनी बात पहुंचा सकते हैं। दिल्ली मेट्रो रेल निगम एक सर्वे कर रहा है, जिसके तहत यात्री अपने सुझाव और शिकायतों का फीडबैक दे सकते हैं। इस सर्वे की शुआत 8 अप्रैल से हो रही है। यात्री 5 मई तक सर्वे में भाग ले सकते हैं।

इस सर्वे का मुख्य मकसद मेट्रो सेवाओं और सुविधाओं को लेकर यात्रियों से जानकारी और उनकी राय इकट्ठा करना है। जो यात्री इस सर्वे में भाग लेना चाहते हैं वे डीएमआरसी की आधिकारिक वेबसाइट www.delhimetrorail.com पर जा सकते हैं, जहां सर्वेक्षण फार्म अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है। यहां पर यात्री फॉर्म भरकर मेट्रो प्रशासन तक अपनी बात पहुंचा सकते हैं। यात्री मेट्रो की इन सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर अपना फीडबैक भी दे सकेंगे। मेट्रो ट्रेनों की उपलब्धता, मेट्रो में पहुंच, मेट्रो सेवाओं के इस्तेमाल में आसानी या कठिनाई, यात्रा से पहले जानकारी, यात्रा के दौरान जानकारी, यात्री सुविधा या कस्टमर केयर, रिलाइबिलिटी, आराम, भीड़, सुरक्षा, अन्य संतुष्टि के मानक आदि। डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने बताया कि ट्रांसपोर्ट स्ट्रैटेजी सेंटर लंदन, जो कॉमेट बेंचमार्किंग समूह का प्रबंधन करता है, 8 अप्रैल से 5 मई, 2024 तक ऑनलाइन ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण का 11वां संस्करण आयोजित कर रहा है। सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य यह जानना है कि यात्री सेवा की गुणवत्ता में सुधार पर प्रतिक्रिया, सुझाव सहित मेट्रो परिचालन के विभिन्न पहलुओं के बारे में क्या सोचते हैं।

वायु प्रदूषण के प्रति गरीबों में कम जागरूकता: सर्वे

दिल्ली-एनसीआर में 500 लोगों पर हुए सर्वेक्षण में सामने आई जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में शहरी गरीबों के बीच वायु प्रदूषण से संबंधित शब्दों जैसे वायु गुणवत्ता सूचकांक और पार्टिकुलेट मैटर के बारे में जागरूकता काफी कम है। एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है।

दिसंबर 2023 से जनवरी 2024 तक किए गए अध्ययन में दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के शहरों नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद और गुरुग्राम के 500 लोगों को शामिल किया गया। सर्वेक्षण के लिए, उन्हें दो समूहों, अनौपचारिक बस्तियों और मलिन बस्तियों के निवासी और औपचारिक मध्यवर्गीय बस्तियों के निवासी में वर्गीकृत किया गया था।

गैर सरकारी संगठन चिंतन एनवायरमेंटल रिसर्च एंड एक्शन ग्रुप के सर्वेक्षण साफ सांस में कहा गया है, शहरी गरीबों के बीच वायु प्रदूषण से संबंधित शब्दों के बारे में जागरूकता काफी कम थी। केवल 10 प्रतिशत लोगों को एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) और पीएम 2.5 जैसे वायु प्रदूषकों के बारे में पता था, जबकि मध्यमवर्गीय बस्तियों के 71 प्रतिशत व्यक्तियों को इसकी जानकारी थी। पीएम 2.5 सूक्ष्म कण होते हैं जिनका व्यास 2.5 माइक्रोमीटर से कम होता है। ए मानव केश से 100 गुना अधिक पतले होते हैं और लंबे समय तक हवा में रहते हैं। ए सांस लेने के साथ शरीर में घुसकर स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा करते हैं। अध्ययन के निष्कर्षों में यह भी बताया गया है कि 33 प्रतिशत शहरी गरीब उत्तरदाताओं ने वाहनों को, 27 प्रतिशत ने निर्माण गतिविधियों और 20 प्रतिशत ने पराली जलाने को वायु प्रदूषण के लिए मुख्य कारण माना।

विरासत

देश की प्रसिद्ध 100 महिला चित्रकारों की मिथिला पेंटिंग का दुर्लभ संग्रह बना आकर्षण का केंद्र

ललित कला अकादमी में उतरा रामायण का सतयुग काल

अजीत तिवारी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के ललित कला अकादमी में 100 दुर्लभ मिथिला पेंटिंग हर किसी को विशेष रूप से कर रही आकर्षित। देश की जानीमानी महिला चित्रकारों द्वारा निर्मित मधुबनी शैली के ये चित्र सतयुग के रामायण काल से साक्षात्कार करा रहे हैं। ललित कला अकादमी, मधुबनी कला केंद्र के सहयोग से मिथिला रामायण पेंटिंग प्रदर्शनी का उद्घाटन केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव लिली पांडेय की उपस्थिति में किया गया।

ललित कला अकादमी, रवीन्द्र भवन में गैलरी 2 और 3 में आयोजित यह छह दिवसीय प्रदर्शनी मिथिला पेंटिंग में कई पद्मश्री पुरस्कार विजेता महिला कलाकारों की अनुकरणीय प्रतिभा को प्रदर्शित करती है। रामायण के इन 100 दुर्लभ चित्रों का संकलन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कलाकार और मधुबनी कला केंद्र की संस्थापक मनीषा झा की अगुवाई में पद्मश्री जगदंबा देवी, पद्मश्री सीता देवी, पद्मश्री गोदावरी दत्ता, पद्मश्री दुलारी देवी सहित 37 महिला कलाकारों द्वारा दो दशकों की अवधि में बनाए चित्र शामिल हैं। इस चित्र संकलन में पद्मश्री बउआ देवी, चंद्रकला देवी सहित अन्य कई अन्य युवा कलाकार भी शामिल हुए। मनीषा झा ने कहा बताया कि मिथिला पेंटिंग की पौराणिक उत्पत्ति को बाल कांड में पाया जा सकता है। महाकाव्य रामायण, जहां राजा जनक ने राजकुमारी सीता के विवाह के दौरान अपने नागरिकों को सभी दीवारों को चित्रों से सजाने का आदेश दिया था।

मिथिला रामायण चित्रों के इस असाधारण संग्रह को प्रस्तुत करने के लिए सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यहां हमने मिथिला परंपरा के छात्र चित्रकारों के लिए हमारी पहली मिथिला चित्रकार जगदंबा देवी की कलाकृति प्रस्तुत की है। ये पेंटिंग्स की यात्रा हैं महिलाओं द्वारा संरक्षित और महिलाओं द्वारा अभ्यास यह पारंपरिक कला रूपों को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में महिला कलाकारों की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है, साथ ही रचनात्मकता और नवीनता की सीमाओं को आगे बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि 100 कलाकृतियाँ मिथिला की संस्कृति का गहन दस्तावेजीकरण हैं, जिसे देवी सीता के जन्मस्थान के रूप में भी जाना जाता है और इस संस्कृति में रामायण को कैसे आत्मसात किया जाता है। प्रदर्शनी में आने वाले आगंतुकों को कलाकारों के साथ जुड़ने, उनकी रचनात्मक प्रक्रिया में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने और प्रत्येक पेंटिंग में शामिल कौशल और समर्पण की सराहना करने का अवसर मिल सकता है।

मैं स्वयं को सम्मानित महसूस कर रही हूं: लिली

संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव लिली पांडेय ने कहा कि मुझे खुशी है कि मनीषा झा ने मिथिला पेंटिंग पर इस प्रदर्शनी का आयोजन किया है। उन्होंने कहा कि मिथिला परंपरा के ऐसे प्रसिद्ध चित्रकारों से मिलने का अवसर मिलना मैं स्वयं को सम्मानित महसूस कर रही हूं। ये पेंटिंग हमारे दैनिक जीवन की अभिव्यक्तियों को दर्शाती हैं और यही मिथिला कला की सुंदरता है। लिली पांडेय ने कहा, मिथिला की समृद्ध लोक-कला परंपराओं को बढ़ाने और जीवित रखने, जागरूकता पैदा करने के साथ ही आर्थिक आजीविका के लिए बेहतरीन कला कार्यों के लिए प्रस्तुति का आयोजन किया जाएगा।

गोवंश के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लें : नवीन गोयल

सेक्टर-37 गोशाला में दीपक बंसल द्वारा आयोजित भंडारे में की शिरकत

बिस्सर गांव में कामधेनु गोसेवा संस्थान के वार्षिक उत्सव में भी पहुंचे

सेक्टर-37 स्थित गोशाला में आयोजित भंडारे के दौरान गऊओं को चारा खिलाते भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ हरियाणा के प्रदेश संयोजक नवीन गोयल।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ हरियाणा के प्रदेश संयोजक नवीन गोयल ने कहा कि गोसेवा के लिए हरियाणा में सरकार ने गौसेवा आयोग बनाया है। गोशालाओं के रखरखाव के लिए प्रदेश सरकार ने सराहनीय निर्णय लिए हैं। हमें भी गोवंश के संरक्षण व संवर्धन का संकल्प लेना चाहिए। यह बात उन्होंने रविवार को सेक्टर-37 स्थित गोशाला में दीपक बंसल की ओर से आयोजित भंडारा कार्यक्रम में कही। डॉ. डीपी गोयल व नवीन गोयल ने बिस्सर अकबरपुर गांव स्थित कामधेनु गोसेवा संस्थान के वार्षिक उत्सव में भी शिरकत की।

नवीन गोयल ने हरियाणा सरकार द्वारा वर्ष 2023-24 के बजट में गोशालाओं को दिए गए बजट की जानकारी देते हुए कहा कि हरियाणा गोसेवा आयोग के लिए 400 करोड़ रुपये का बजट तय किया गया। यह राज्य में गाय के कल्याण के लिए 2022-23 के बजट से 10 गुना ज्यादा रहा।

गायों की देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ सड़कों पर बेसहारा मवेशियों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को कम करने की दिशा में भी सरकार ने कदम उठाए हैं। नवीन गोयल ने कहा कि हरियाणा में 632 गोशालाएं हैं। ये सभी हरियाणा गौ सेवा आयोग के साथ पंजीकृत हैं। इनमें करीब 4.6 लाख बेसहारा मवेशी रखे गए हैं।

हरियाणा में सत्ता में आने के एक साल के भीतर भाजपा सरकार ने हरियाणा गोवंश संरक्षण और गौसंवर्धन अधिनियम, 2015 को लागू किया। इस अधिनियम में गोहत्या को 10 साल तक के कठोर कारावास और एकलाख रुपये के जुर्माने के साथ दंडनीय बनाया गया। उन्होंने गोशाला में भंडारा कार्यक्रम के लिए गौभक्त दीपक बंसल को शुभकामनाएं दीं। गोशाला में पहुंचे लोगों के बीच बैठकर नवीन गोयल ने भंडारा प्रसाद भी ग्रहण किया। बिस्सर अकबरपुर गांव स्थित कामधेनु गोसेवा संस्थान के वार्षिक उत्सव में रेलवे सलाहकार बोर्ड के सदस्य डॉ. डी.पी. गोयल, व्यापार प्रकोष्ठ भाजपा हरियाणा के प्रदेश संयोजक नवीन गोयल ने शिरकत की।

सीएम फ्लाइंग व ड्रग विभाग ने छापेमारी कर लाखों रुपये की विदेशी सिगरेट पकड़ी

अवैध सिगरेट बेचने के आरोपी को हिरासत लिया

गुरुग्राम। यहां सुशांतलोक स्थित एक मकान में प्रतिबंधित ई-सिरगेट और विदेशी सिगरेट की अवैध रूप से बिक्री की सूचना पर सीएम फ्लाइंग ने ड्रग विभाग के साथ मिलकर छापेमारी की। इस दौरान पाया कि मकान के बेसमेंट में यह धंधा चल रहा था। पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में ले लिया।

सीएम फ्लाइंग को गुप्त सूचना मिली थी कि गुरुग्राम में सुशांत लोक क्षेत्र के एक मकान के बेसमेंट में प्रतिबंधित ई-सिगरेट व विदेशी सिगरेट अवैध रूप से बेची जाती हैं। इस सूचना के आधार पर ही आरोपियों की धरपकड़ के लिए जाल बिछाया गया। सीएम फ्लाइंग ने ड्रग विभाग के साथ मिलकर मकान पर छापेमारी की। छापेमारी में सामने आया कि एक युवक इस गैर कानूनी कार्य को वहां से अंजाम देता है। दिल्ली के खानपुर के रहने वाले राजेश कुमार को टीम ने हिरासत में लिया। उसके पास से बरामद की गई सिगरेट की कीमत लाखों रुपये है। आरोपी राजेश कुमार गुरुग्राम के बिजनेस सेंटर में जैन पान भंडार के नाम से दुकान चलाता है। पहले भी बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित ई-सिगरेट (विदेशी ई-सिगरेट) और विदेशी सिगरेट बरामद की गई थी। उसके खिलाफ केस भी दर्ज किया था। आरोपी राजेश कुमार ने पूछताछ में बताया कि उसने सुशांत लोक के सी-ब्लॉक में गोदाम बना रखा है। यहीं से वह ऑनलाइन, ऑफलाइन ग्राहकों को सामान बेचता है। प्रति ई-सिगरेट की कीमत 1200 से 2200 रुपये के बीच में है। वह प्रतिबंधित विदेशी सिगरेट बेचता है। पुलिस ने आरोपी राजेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। सुशांत लोक थाना में मामला दर्ज कर लिया गया।

संक्षिप्त समाचार

दोस्तों के साथ पार्टी करने पहुंचे युवक को मारी गोली

गुरुग्राम। यहां एमजी रोड पर एक क्लब के बाहर कुछ युवकों ने एक युवक को आपसी विवाद में गोली मार दी। गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटनास्थल की कुछ दूरी पर ही पुलिस चौकी है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। रविवार को एमजी रोड पुलिस चौकी प्रभारी सुरजीत ने बताया कि धारा 307 और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। शुक्रवार की देर शाम मोहित (26) अपने दोस्तों के साथ डीटी सिटी सेंटर मॉल के क्लब में पार्टी करने आया था। इस दौरान वहां पर उसका कुछ युवकों के साथ झगड़ा हो गया। झगड़ा शांत तो हो गया था, लेकिन दूसरे युवक उसका मॉल के बाहर इंतजार करने लगे। जैसे ही वह बाहर आया तो उन्होंने उसे गोली मार दी। गोली लगने के कारण राजस्थान निवासी मोहित गंभीर रूप से घायल हो गया। मॉल के बाहर अफरा-तफरी मच गई। घायल मोहित को दिल्ली के दीन दयाल अस्पताल में ले जाकर भर्ती कराया गया। गोली मोहित की जांघ के आर-पार हो गई। एमजी रोड पुलिस चौकी प्रभारी सुरजीत के अनुसार आरोपियों की तलाश की जा रही है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी देखी जा रही हैं, ताकि आरोपियों का पता लगाया जा सके।

बच्चों के बेहतर भविष्य को लेकर लगाई गई काउंसलिंग क्लास

गुरुग्राम। बच्चों का बेहतर भविष्य बनाने के लिए उन्हें सही मार्गदर्शन की जरूरत होती है। हर उम्र के बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार जागरुक किया जाए, ताकि वे किसी भी तरह से अपने मार्ग से भ्रमित ना हों। इससे समाज का उत्थान होगा। यह बात समाज उत्थान न्यास संस्था के काउंसलर राकेश ने संस्था की ओर से झाड़सा गांव में दसवीं और बारहवीं कक्षा के बच्चों को काउंसलिंग सत्र में कही। अन्य कई एक्सपर्ट ने बच्चों को कैरियर काउंसलिंग दी। यहां समाज उत्थान न्यास संस्था द्वारा दसवीं और 12वीं की के छात्र एवं छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए उनके लिए एक काउंसलिंग क्लास रखी गई। इसमें राकेश (आईटी एक्सपर्ट) एवं सीए संदीप ने उपस्थित बच्चों को काउंसलिंग दी। बच्चों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए गए। काउंसलिंग सत्र के दौरान संस्था के सदस्य कृष्ण ने कहा कि हर एक समाज अपनी भावी पीढ़ी को आगे बढ़ते देखना चाहता है। किलकारी चैरिटेबल सोसाइटी चेयरमैन अशोक ने बेटियों की शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि बेटियों की बेहतर शिक्षा बहुत जरूरी है। संस्था के सलाहकार सूबे सिंह ने कहा कि वर्तमान में निजी क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं। उसी के अनुरूप अगर शिक्षा दी जाएगी तो आगे बच्चों का भविष्य स्वर्णिम हो सकता है। काउंसलिंग में समाज उत्थान न्यास के चेयरमैन नरेश कुमार, सलाहकार बुधराम, हितेश सैनी, गौतम, गगनदीप, कुलवंत, महेंद्र सैनी मौजूद रहे।

दो बच्चों का पिता घर से संदिग्ध हालत में लापता

सोहना। शहर के वार्ड-19 से 18 दिन पहले संदिग्ध हालत में लापता दो बच्चों के पिता का कोई सुराग नहीं लग सका है। लापता युवक के पिता ने स्थानीय पुलिस को शिकायत देकर बेटा के लापता होने का मामला दर्ज कराया है। वार्ड-19 के निवासी बालकिशन ने पुलिस को बताया कि उसका 29 वर्षीय पुत्र गोपाल 21 मार्च से संदिग्ध हालत में घर से लापता हो गया है। उसके बेटा दो बच्चों का पिता है। जिसकी उन्होने अपने स्तर पर तलाश किया। लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका है। पुलिस को बेटा की तलाश में पूरा सहयोग दे रही है।

फेस्टिन-ओ-बीट्स 2024 में अजय के गीतों पर झूमे युवा

गुरुग्राम। हरियाणवी गायक अजय हुड्डा के गीतों पर युवाओं की दीवानगी सिर चढ़कर बोली। गायक कलाकार के गीतों को गुनगुनाते हुए युवा उनके गीतों पर जमकर थिरके। अवसर था फर्रूखनगर स्थित बीएम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के वार्षिक उत्सव का। फेस्टिन-ओ-बिट्स 2024 के नाम से इस कार्यक्रम में गायक अजय हुड्डा को मनोरंजन के लिए आमंत्रित किया गया था। मुख्य अतिथि के रूप में संस्थान के चेयरमैन बी.एल. शर्मा, ड्रग कंट्रोलर अधिकारी गुरुग्राम डॉ. सुरेश कुमार, ओमवीर शर्मा, हितेन्दर शर्मा, मनीष झा ने शिरकत की। संस्थान में आने वाले सभी अतिथिगण, स्टाफ, विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा ली गई परीक्षा में प्रथम स्थान पाने वाले सभी ब्रांच के विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत के बाद हरियाणवी गायक अजय हुड्डा को मंच पर बुलाया गया। उनके आते ही युवाओं ने तालियों से उनका स्वागत किया। अपने हिट गीतों के माध्यम से अजय हुड्डा ने यहां युवाओं का काफी समय तक मनोरंजन किया। विद्यार्थियों ने रैंप वाक और सांस्कृतिक कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

सम्मेलन में 95 युवाओं को मिले भावी जीवन साथी

करनाल। 23 मार्च को होने वाले सिल्वर जुवली वैवाहिक युवक युवती परिचय सम्मेलन की घोषणा के साथ 24 वें वैवाहिक युवक युवती परिचय सम्मेलन का समापन हो गया। अग्रवाल युवा संगठन के प्रधान रमेश जिंदल के प्रयासों की झलक इसमें दिखाई दी। रविवार को हुए परिचय सम्मेलन में 95 युवाओं को जीवन साथी मिले। इस परिचय सम्मेलन के मंच पर 12 युवतियों ने तथा 123 युवकों ने परिचय दिया। जानकारी देते हुए अग्रवाल युवा संगठन के प्रधान रमेश जिंदल बताया कि विवाह में होने वाली फिजूल खर्ची को रोकने तथा अग्रवाल युवक-युवतियों को जीवन साथी चुनने के लिए श्रेष्ठ मंत्र प्रदान करने वाले श्री राम लीला भवन रेलवे रोड में आयोजन किया। जिस के लिए 710 परिचय परिचय पुस्तिका में तथा 1500 युवक युवतियों के परिचय आन लाइन प्राप्त हुए। अब तक लगभग दो हजार लोगों को 24 सालों में जीवन साथी मिले। यह तीसरी पीढ़ी का सम्मेलन था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की पत्नी सुमन सैनी थी। मेयर रेनूवाला गुप्ता, प्रदेश व्यापार मंडल के प्रधान तथा अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष बजरंग दास गर्ग कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश गुप्ता ,तरावड़ी नगरनिगम के प्रधान वरिंदर बंसल, शिवशक्ति राइस मिल तरावड़ी के रमेश गुप्ता,समाजसेवी ब्रज गुप्त ,विजय गोयल, संजय जिंदल, संजय गंसा, वनीत गुप्ता, तरावड़ी के प्रधान शीशपाल गुप्ता, विजय गोयल थे। कार्यक्रम का संचालन नरेश गर्ग गौतम जैन तथा रमेश जिंदल ने किया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण रमेश जिंदल ने किया। अतिथियों को स्मृति चिन्ह दिए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्जवलित कर किया। उसके बाद परिचय पुस्तिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन गौतम जैन तथा अरुण अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य अतिथि सुमन सैनी ने कहा कि परिचय सम्मेलनों के माध्यम से लोगों को अपने बच्चों को जीवन साथी तलाशने में मदद मिलत है।

बरनावा आश्रम में धूमधाम से मनाया डेरा सच्चा सौदा का स्थापना माह का भंडारा

बरनावा आश्रम में डेरा सच्चा सौदा के स्थापना माह के भंडारे में पहुंची साध-संगत।

साध-संगत के अनूठे प्रेम के आगे खचाखच भरा पंडाल

क्लाथ बैंक मुहिम के तहत जरूरतमंदों को बांटे गर्मी कपड़े

पायनियर समाचार सेवा। बरनावा

डेरा सच्चा सौदा के 76वें रूहानी स्थापना माह का शुभ भंडारा रविवार को उत्तर प्रदेश के जिला बागपत के बरनावा स्थित एमएसजी डेरा सच्चा सौदा व मानवता भलाई केंद्र शाह सतनाम जी आश्रम बरनावा में उत्तर प्रदेश की साध-संगत द्वारा बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। फसली सीजन और गर्मी के बावजूद भंडारे के नामचर्चा सत्संग कार्यक्रम में आस्था व भक्ति का विहंगम संगम देखने को मिला। पूज्य गुरु संत डा. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां की पावन प्रेरणा पर चलते हुए डेरा सच्चा सौदा की ओर से 162 मानवता भलाई के कार्य किए जा रहे है। इन्हीं कार्यों में शामिल क्लाथ बैंक मुहिम के तहत नामचर्चा सत्संग के दौरान 76 जरूरतमंद लोगों को गर्मी के कपड़े वितरित किए गए। इससे पूर्व 11 बजे धन-धन सतगुरु तेरा ही आसरा का इलाही नारा व अरदास बोलकर सत्संग भंडारे कार्यक्रम की शुरुआत हुई। तदुपरांत कविराजों ने सुंदर भजन वाणी के माध्यम से प्रभु परमात्मा की महिमा का गुणगान किया। इसके पश्चात सत्संग पंडाल में लगाई गई बड़ी-बड़ी एलईडी स्क्रीनों पर पूज्य गुरु जी के अनमोल वचन चलाए गए, जिसे साध-संगत ने एकाग्रचित होकर श्रवण किया। इस अवसर पर समस्त साध-संगत ने धन-धन सतगुरु तेरा ही आसरा का इलाही नारा बोलकर पूज्य गुरु जी को रूहानी स्थापना माह की बधाई दी।

बता दें कि डेरा सच्चा सौदा के संस्थापक बेपरवाह साईं शाह मस्ताना जी महाराज ने 29 अप्रैल 1948 में डेरा सच्चा सौदा की नींव रखी थी। पूजनीय साईं जी, दूसरे पातशाही पूजनीय परम पिता शाह सतनाम जी महाराज व मौजूदा पूज्य गुरु संत डा. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां के पावन सान्निध्य में रूहानियत के इस सच्चे दर से जुडक़र अब तक करोड़ों लोग नशा व अन्य सामाजिक बुराईयां छोड़कर खुशहाल जीवन जी रहे हैं।

नामचर्चा सत्संग कार्यक्रम के दौरान डेरा सच्चा सौदा की साध-संगत द्वारा पूज्य गुरु जी की शिक्षाओं पर चलते हुए 162 मानवता भलाई के कार्य कर रही है। इन्हीं कार्यों में 89वें कार्य के रूप में शामिल इंसानियत मुहिम, जिसके तहत डेरा अनुयायी सडक़ों, सार्वजनिक स्थानों पर लाखर घूमते मन्दबुद्धि जीवों की संभाल करते है और उन्हें उनके घर तक पहुंचाते है।

लोकसभा चुनाव में पूर्वांचल प्रकोष्ठ की भूमिका अति महत्वपूर्ण : कमल यादव

जिला अध्यक्ष ने पूर्वांचल प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों के साथ की बैठक

गुरुग्राम भाजपा कार्यालय में पूर्वांचल प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों की बैठक के बाद सामूहिक चित्र में जिला अध्यक्ष।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

लोकसभा चुनाव को लेकर रविवार को भाजपा जिला अध्यक्ष कमल यादव ने पूर्वांचल प्रकोष्ठ की बैठक बुलाई। जिला अध्यक्ष ने प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों के साथ लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा की।

कमल यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा की तीसरी बार प्रचंड जीत दर्ज कराने में पूर्वांचल समाज की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने पूर्वांचल के लोगों से आग्रह करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने में सहयोग करें। पूर्वांचल प्रकोष्ठ के जिला संयोजक दीपक वर्मा ने कहा कि पूर्वांचल प्रकोष्ठ लोकसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत में पूरी भूमिका निभाएगा। दीपक वर्मा ने कहा कि वे घर-घर जाकर पूर्वांचल के लोगों को पार्टी से जोड़ेंगे और भाजपा के पक्ष में ज्यादा से ज्यादा मतदान कराएंगे।

जिला अध्यक्ष कमल यादव ने कहा कि पूर्वांचल प्रकोष्ठ के सभी पदाधिकारी एकजुट होकर विकसित भारत बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम लोकसभा में रहने वाले जितने भी पूर्वांचल के भाई-बहन हैं उन सभी से संपर्क करें और उन्हें पार्टी की रीति नीति बताकर भाजपा के पक्ष में मतदान कराएं।

इस मौके पर पूर्वांचल प्रकोष्ठ की बैठक मे रणधीर राय, सौरव सिंह, पी.एन. सिंह, डॉ. नवीनतम शर्मा, उमा शंकर मिश्र, मीना सिंह, संजीव श्रीवास्तव, नरसिंह, पप्पू शाह, संजय सिंह, संतोष गुप्ता, उदय मेहता, अवधेश सिंह, मुकेश कुमार, नीलिमा मिश्रा, सामाजिक संगठनों और छठ पूजा समिति के अध्यक्ष और महामंत्री उपस्थित रहे।

बोधराज सीकरी की अगुआई में अयोध्या धाम रवाना हुए श्रद्धालु

पंजाबी बिरादरी महासंगठन गुरुग्राम ने भेजी बस

अयोध्या के लिए बस को रवाना करते पंजाबी बिरादरी महासंगठन के पदाधिकारी।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी की अगुवाई में वातानुकूलित लक्जरी बस अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। इसमें समाज के वंचित वर्ग से 45 यात्री अयोध्या धाम में राम लला के दर्शन करके निहाल होंगे। बस में समाज के हर वर्ग के गरीब लोग शामिल हैं।

बोधराज सीकरी ने कहा कि जब मर्यादा पुरुषोत्तम राम मां सीता और भाई लक्ष्मण के साथ वन में गये तो सबसे पहले उन्होंने केवट को गले लगाया। फिर निषाद राज को, फिर भीलनी को और फिर वानर, रीछ आदि को गले लगाया। राम चक्रवर्ती महाराज के पुत्र थे और वे चाहते तो रावण से युद्ध के लिए किसी भी पड़ोसी राज के राजा की सहायता ले सकते थे। उन्होंने वंचित समाज को ऊंचा दिखाने के लिए उन्हीं की सहायता ली। बोध राज सीकरी के अनुसार मंदिर के महत्व के मूल में यह विश्वास है कि इसी स्थान पर विष्णु के सातवें अवतार राम जी ने यही जन्म लिया था। अयोध्या राम भूमि मात्र एक संरचना नहीं, बल्कि एक पवित्र रमणीक तीर्थ स्थान है। जो भक्तों द्वारा पूजनीय है। जो इसे अपने इष्टदेव के साथ एक जीवित संबंध के रूप में देखते हैं। इसी निमित्त समाज के वंचित लोगों को भेजा गया है। जहां उनके रहने की व्यवस्था, खाने-पीने की व्यवस्था, आने-जाने की व्यवस्था पंजाबी बिरादरी महा संगठन द्वारा की गई है। बता दें कि इस बस की अगुवाई योगाचार्य राजपाल आहूजा कर रहे हैं। इस बस में बिरादरी के वरिष्ठ पदाधिकारी प्रमोद सलूजा, राम लाल ग्रोवर, धर्मेन्द्र बजाज, अनिल कुमार, किशोरी डुडेजा, रमेश कुमार, ओ.पी. कालरा ने ओम का ध्वज दिखाकर रवाना किया।

मतदाताओं को लुभाने से संबंधित शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1950 जारी

नूंह। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाताओं को किसी भी प्रकार के प्रलोभन दिए जाने से संबंधित शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1950 जारी किया है। आमजन इस नंबर पर अपनी शिकायत दे सकते हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त धीरेंद्र खडग़टा ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि चुनाव लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व है। चुनाव में अपने विवेक से बिना किसी प्रलोभन के अपने मत का प्रयोग करना चाहिए।

मतदाताओं को लुभाने के लिए नकदी, शराब या अन्य पारितोषिक वस्तु वितरण, मुफ्त भोजन परोसना प्रलोभन की श्रेणी में आता है। मतदाताओं को किसी भी प्रकार का प्रलोभन देना या स्वीकार करना दण्डनीय अपराध है, जिसमें एक वर्ष तक का कारावास व जुर्माना हो सकता है।

अग्निशन विभाग 14 से 20 अप्रैल तक मनाएगा फायर वीक

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना में स्थित अग्निशमन विभाग का खंड कार्यालय के बेड़े में खड़ी गाड़ियां।

अग्निशमन विभाग 14 से 20 अप्रैल तक फायर वीक मनाएगा। इस फायर वीक के दौरान अग्निशमन विभाग के फायर मैन और अधिकारी स्कूल, कॉलेज, सरकारी अस्पताल और सार्वजनिक स्थानों पर स्कूली बच्चों से लेकर आम लोगों को आगजनी की घटनाओं में आत्म सुरक्षा से लेकर आग पर काबू पाने के तरीके और हौसला न हारने की जानकारी देंगे।

अग्निशमन विभाग के कर्मचारी और अधिकारी आने वाली 14 से 20 मार्च तक सप्ताह को फायर वीक के रूप में मनाएगा। इस दौरान विभाग के कर्मचारी घर, दुकान, कारोबार, गोदाम, सरकारी भवन, स्कूल व कॉलेज में होने वाली आगजनी की घटनाओं में पढ़ने वाले बच्चों से लेकर कारोबारी, व्यापारी, दुकानदार, सरकारी कर्मचारी और आम लोगों को अपना हौसला न हारने का पाठ पढ़ाएंगें। जिसमें घर की रसोई में काम करने वाली महिलाओं को भी आग की घटना पर तुरन्त प्रभाव से काबू करने और आगजनी की घटना से होने वाले नुकसान को बचाने की जानकारी दी जाएगी।

डैमो के माध्यम से दी जाएगी जानकारी : अग्निमशन विभाग के कर्मचारी फायर वीक में लोगों के बीच में जाकर आग पर काबू पाने के तरीके और आग में फंसे लोगों की जान बचाने के सुझाव तथा तरीके बताने का काम करेंगे।

ताकि अपनी जान सुरक्षित करके दूसरों की जान कैसे बचाई जाती है। आग को अधिक क्षेत्र में फैलने से कैसे रोकना होता है। आग को अपने आसपास रखी वस्तुओं से लेकर अन्य तरीके से आग को काबू करने के सुझाव दिए जाएंगे।

> **उनका** विभाग हर वर्ष अप्रैल माह में फायर वीक मनाता है। जिसका डैमों के दौरान मौजूद जनसमूह में से 15 से 20 फीसदी लोग आग पर काबू पाने का ज्ञान लेकर जाते है। जिससे उनका हौसला बढ़ता है। विशेष रूप से स्कूल व कॉलेज में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का हौसला कभी कम नहीं होना चाहिए।
>
> **(देवेन्द्र सिंह-फायर स्टेशन प्रभारी)**

अभय अग्रवाल- हेल्थ एटीएम से करोड़ों को स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त कराने वाले उद्यमी

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

देहरादून रूड़की में जन्मे और पले-बढ़े एक स्थानीय लड़के की उद्यमशीलता की भावना ने पूरे देश में स्वास्थ्य सेवा क्रांति को जन्म दिया है। पूरे भारत में हेल्थ एटीएम की अवधारणा को आगे बढ़ाने वाली करोड़ों डॉलर की कंपनी क्लिनिक्स ऑन क्लाउड के दूरदर्शी सीईओ अभय अग्रवाल से मिलें।

हेल्थटेक क्षेत्र के युवा वह अनुभवी उद्यमी, अभय ने हमेशा जटिल स्वास्थ्य समस्याओं के लिए नवीन समाधान तैयार करने में विश्वास किया है। उन्होंने टिप्पणी की, इनोवेशन केवल प्रौद्योगिकी के बारे में नहीं है; यह वास्तविक दुनिया की चुनौतियों को हल करने के बारे में है। अभय की सफलता की यात्रा रातोरात नहीं थी। चिकित्सा पर्यटन और टेलीमेडिसिन में उद्यम के साथ, वह स्वास्थ्य सेवा उद्योग की जटिलताओं से अनजान नहीं हैं। स्वास्थ्य सेवा पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने के जुनून से प्रेरित, अभय के दिमाग की उपज, क्लिनिक्स ऑन क्लाउड ने स्वास्थ्य सेवा तकनीक में तूफान ला दिया है। उनके हेल्थ एटीएम, बॉक्स क्लिनिक और पोर्टेबल हेल्थ कियोस्क स्वास्थ्य देखभाल के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध वन-स्टॉप समाधान प्रदान करते हैं। अभय बताते हैं, किसी अपॉइंटमेंट की जरूरत नहीं, किसी इंतजार की जरूरत नहीं।हमारा ऑन-डिमांड मॉडल लोगों को अपने स्वास्थ्य पर नियंत्रण रखने का अधिकार देता है। इस तकनीक की खासियत है कि यह लोगों को आसानी से स्वास्थ्य सेवायें प्रदान करती है। हेल्थ कियोस्क 60 से अधिक स्वास्थ्य पैरामीटर से लैस हैं और केवल 10 मिनट में व्यापक जाँच प्रदान करते हैं। अभय गर्व से कहते हैं, हम मरीज़ों और डॉक्टरों के बीच की दूरी को ख़त्म कर रहे हैं। यह कियोस्क जटिल से जटिल टेस्ट बहुत ही कम समय में करता है और निजी स्वास्थ्य सलाह के साथ यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी व्यक्ति पीछे न छूटे। लेकिन अभय का संकल्प यहीं नहीं रुकता। वह अपने पोर्टेबल हेल्थ कियोस्क का जिक्र करते हुए कहते हैं, हम उन लोगों तक पहुंच रहे हैं, जिनकी पहुंच नहीं है।

उनका कहना है, बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल एक अधिकार होना चाहिए, विशेषाधिकार नहीं। क्लिनिक्स ऑन क्लाउड (सीओसी) स्वास्थ्य सेवा क्रांति में काफी आगे बढ़ चुकी है। अभय ने कहा, हमारा मिशन सरल है- सभी के लिए उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा को सुलभ बनाना। लेकिन शायद सबसे महत्वपूर्ण विशेषता उनकी आर्टिफिशियल इनोवेशन-आधारित पोषण योजनाएं हैं, जो प्रत्येक रोगी की जरूरतों के अनुरूप हैं। उन्होंने आगे कहा, हम सिर्फ बीमारियों का इलाज नहीं कर रहे हैं; हम समाज कल्याण को बढ़ावा दे रहे हैं। हमारी योजना हर 2 किलोमीटर पर स्वास्थ्य एटीएम स्थापित करने की है ताकि प्रिवेंटिव हैल्थकेयर को लोकतांत्रिक बनाया जा सके।

ओवर लोडिंग से लाइन में फॉल्ट, दो दर्जन इलाकों में बिजली ठप

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शहर में गर्मी बढ़ते ही बिजली फॉल्ट और ब्रेक डाउन की समस्या काफी बढ़ गई है। मथुरा रोड और पाली सबस्टेशन में दो दिनों से फॉल्ट और ब्रेक डाउन की घटनाएं हो रही हैं। शनिवार को भी दोनों सबस्टेशन से जुड़े दो दर्जन इलाकों में सात से आठ घंटे बिजली आपूर्ति ठप रही। इससे लोग काफी परेशान रहे।

मथुरा रोड और पाली सब स्टेशन में गांव पाली, धौज, सरूरपुर, नंगला, गौंछी, जीवन नगर, राजीव नगर, प्रतापगढ़, सेक्टर-16, सेक्टर-29, 30 आदि इलाके शामिल हैं।

शनिवार को तापमान 35 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। तापमान बढ़ने के साथ ही घरों में एसी, फ्रिज, कूलर, पंखे आदि चलने लगे हैं। इससे बिजली की मांग बढ़नी शुरू हो गई है।

शहर में बिजली व्यवस्था पर काम किया जा रहा है। सेक्टर-23 में नया सबस्टेशन बनकर तैयार हो गया है। इसी तरह दो अन्य सबस्टेशन भी जल्द शुरू हो जाएंगे। इसके बाद बिजली की समस्या खत्म हो जाएगी।

-नरेश कक्कड़, अधीक्षण अभियंता, बिजली निगम

शहर में बिजली की मांग करीब 200 लाख यूनिट तक पहुंच गई है, लेकिन आपूर्ति करीब 170 लाख यूनिट ही हुई है। मांग और सप्लाई में अंतर आने और ओवरलोडिंग के कारण फाल्ट और ब्रेक डाउन की समस्या बढ़ने लगी है। शनिवार को नंगला, सरूरपुर, गाजीपुर आदि इलाकों में सुबह 9 बजे बिजली गई। इसके बाद दोपहर करीब एक बजे आई। इसके बाद दोपहर 3 बजे गई बिजली शाम सात बजे आई। ऐसे में जिन घरों में इनवर्टर लगे हैं उन्हें तो ज्यादा परेशानी नहीं झेलनी पड़ी, लेकिन अन्य लोगों को काफी दिक्कत हुई।

कंट्रोल रूम में पहुंच रहीं 1500 शिकायतें

बिजली कटौती को लेकर सेक्टर-23 स्थित बिजली कंट्रोल रूम में एक माह में शिकायतों की संख्या तीन गुना हो गई है। अधिकारियों के अनुसार एक महीने पहले रोजाना करीब 500 शिकायतें आती थीं। अब रोजाना करीब 1500 पहुंच रही हैं।

गेहूं एवं सरसों की फसल का उठान नहीं होने से किसान परेशान

पलवल। हथीन अनाज मंडी में सरकारी एजेंसियों द्वारा खरीदी गई सरसों एवं गेहूं की फसलों का उठान न होने से किसान एवं आढ़ती परेशान हैं। खरीदी गई फसल खुले आसमान के नीचे पड़ी हुई है। इस कारण बारिश आने पर फसल भीग सकती है। आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान सुखवीर सिंह, उपप्रधान प्रवीण गर्ग, श्याम सुंदर, सतीश शर्मा आदि औरंगाबाद पहुंचकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिले व समस्याओं के बारे में मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

आम आदमी पार्टी कार्यकर्ता ब्रह्मसरोवर कुरुक्षेत्र में उपवास पर बैठे

दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल की रिहाई की मांग की

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पलवल। आम आदमी पार्टी के हरियाणा के कार्यकर्ता दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जेल भेजने के विरोध में एक दिन का उपवास पर बैठे। जिला पलवल से भी अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने कुरुक्षेत्र के ब्रह्मसरोवर में उपवास में बढ़ चढ़कर भाग लिया।

जिला अध्यक्ष पलवल अधिवक्ता चंद्रशेखर रावत ने बताया कि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं में भारी रोष है। मौजूदा सरकार चाहे कितना अन्याय करले, हम केजरीवाल के सच्चे सिपाही हैं। एक केजरीवाल को जेल में डाला है, लेकिन सरकार को यह नहीं पता कि अब हर घर में केजरीवाल निकलेगा। जब तक अरविंद केजरीवाल को जेल से नहीं निकाल जाएगा, तब तक हमारा संघर्ष चलता रहेगा। अध्यक्ष ने बताया कि मौजूदा सरकार ने अपनी मनमानी करते हुए सरकारी एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कर आम आदमी पार्टी के सीनियर नेताओं को बिना किसी सबूतों के झूठे केस बनाकर फंसाया जा रहा है। जबकि आज तक किसी के पास एक भी पैसा नहीं मिला। जिला अध्यक्ष बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ गौतम ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी सरकार पूरी तानाशाही पर उतर आई है और विपक्ष को खत्म करना चाहती है, जो सरासर लोकतंत्र की हत्या कर रही है।

देश की जनता 2024 के चुनावों में इसका जबाब देगी। भारतीय जनता पार्टी की सरकार बुरी तरह से डरी हुई है और यह विपक्ष को खत्म करना चाहती है। जिस कारण आप पार्टी के नेताओं को एक एक करके झूठा आरोप लगाकर जेल में बंद कर लोकतंत्र की हत्या कर रही है। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष गजराज चौहान, ब्लॉक अध्यक्ष राजेश, ब्लॉक अध्यक्ष कुलदीप हरसाना, टेकचंद चौहान, राजदीप, महेश क्रांतिकारी व अन्य पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद थे।

पिकअप गाड़ी से 105 पेटी की खेप सहित शराब तस्कर गिरफ्तार

शहर थाना पुलिस की अवैध शराब तस्करी पर बड़ी कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

शहर थाना पुलिस ने जांच के दौरान 105 पेटी शराब सहित तस्कर को दबोचा है। पुलिस प्रवक्ता कार्यालय पुलिस अधीक्षक पलवल से प्राप्त जानकारी के अनुसार डॉ अंशु सिंगला, आईपीएस पुलिस अधीक्षक पलवल के मार्गदर्शन में जिला पुलिस का अवैध शराब तस्करों की धरपकड़ का विशेष अभियान चला हुआ है। इसी कड़ी में शहर थाना अंतर्गत चौकी भवनकुंड प्रभारी सहायक उप निरीक्षक रविंद्र कुमार की टीम ने शराब तस्करी पर कड़ा प्रहार करते हुए लाखों रुपसे की कीमत की 105 पेटी की खेप सहित आरोपी तस्कर को गिरफ्तार किया है।

थाना शहर पलवल प्रभारी उप निरीक्षक राजेश कुमार के मुताबिक थाना अंतर्गत चौकी भवनकुंड में तैनात हेड कांस्टेबल रोहताश अपनी टीम के साथ दयानंद स्कूल पातली गेट पर मौजूद थे। जहां उन्हें विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि जैंदीपुरा मोहल्ला पलवल में मौजूद शराब के ठेका पर गाड़ी पिकअप में देशी शराब भरी हुई है। जोकि पलवल बस स्टैंड पर मौजूद शराब के ठेके पर उतरनी थी। अब जैंदीपुरा मोहल्ला के ठेके पर अवैध रूप से उतर रही है। टीम ने सूचना के आधार पर बिना किसी देरी के मौका पर दबिश देकर गाड़ी चालक को गाड़ी सहित काबू किया। चालक, गाड़ी से बरामद 105 पेटी देशी शराब मस्ताना को जैंदीपुरा मोहल्ला ठेके पर शराब उतारने के संदर्भ मे वैध कागजात पेश न कर सका। पूछताछ में गिरफ्तार चालक के मालिक व इंचार्ज की भी मामले में संलिप्ता पाई गई है। पुलिस टीम द्वारा इस संबंध में आबकारी एवं कराधान विभाग को भी अलग से सूचित किया गया है। बरामद शराब व गाड़ी को कब्जे में लेकर आरोपियों के खिलाफ आईपीसी एवं आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की गई। तस्करी से जुड़े किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। वहीं दूसरे मामले में चांदहट थाना पुलिस ने चांदहट निवासी एक युवक की अपनी दुकान के सामने अवैध शराब रखकर बेचने की सूचना पर दबीश देकर मौका से 12 बोतल देशी शराब मार्का मस्ताना बरामद की जबकि आरोपी पुलिस की भनक पाकर मौके से फरार हो गया।

अमित अग्रवाल ने मंडी का निरीक्षण कर समस्याओं को सुना

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा विकास एवं पंचायत विभाग के सचिव अमित अग्रवाल और जिला उपायुक्त विक्रम सिंह ने मोहना अनाज मंडी का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान मंडी से जुड़ी समस्याओं को सुना और उन पर चर्चा की।

विकास एवं पंचायत विभाग के सचिव अमित अग्रवाल ने कहा कि मौसम ने इस बार फसल का साथ दिया है। बंपर क्रॉपिंग के चलते मंडी अधिकारियों को अपनी कमर कस लेनी चाहिए और मंडी से इस बार लगभग 50 मीट्रिक टन अनाज ट्रांसपोर्ट किया जाएगा ऐसा एक अनुमान है।

बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मंडी से धर्म कांटों की ओर आने वाले वाहनों में माल को लोड करना, अनलोड करना प्रभावी और कुशल तरीके से किया जाना चाहिए, जिससे वाहनों को ज्यादा देर रुकना न पड़े और वाहनों का ज्यादा किराया न हो और धर्म कांटो पर वाहनों की आवाजाही को शेड्यूल करके कार्य को कुशलता व सहजता के साथ जारी रखने के एफसीआई अधिकारियों को निर्देश दिए और कहा कि इसमें फरीदाबाद प्रशासन आपका पूर्ण रूप से सहायता करेगा। विकास एवं पंचायत विभाग के सचिव अमित अग्रवाल और जिला उपायुक्त विक्रम सिंह ने अन्य कामकाज की भी बारीकी से जांच की तथा अधिकारियों को निर्देश दिए।

सड़क पार कर रहे मजदूर की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत

पलवल। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर डबचिक पर्यटक स्थल के निकट सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के बड़े भाई की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। होडल थाना प्रभारी मोहम्मद इलियास के मुताबिक गांव भुलवाना निवासी गोविंद सिंह ने शिकायत में कहा है कि उसका छोटा भाई 45 वर्षीय बिजेंद्र है, जो मेहनत मजदूरी करता था और उसके कोई संतान नहीं है। शिकायत में भाई ने कहा है कि बिजेंद्र मजदूरी के लिए होडल गया था, लेकिन जब वह अपने गांव लौट रहा था तो वह पलवल की ओर अपने गांव आने के लिए डबचिक पर्यटन स्थल के पास हाईवे पार कर रहा था। शहर की ओर से आ रहे अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। जिससे गंभीर रूप से घायल हो गया तो उसे उपचार के लिए होडल के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल पलवल रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पलवल में बदमाशों ने सूबेदार की पत्नी से धोखाधड़ी की

एटीएम कार्ड बदल कर 48 हजार रुपये की लगाई चपत

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

देश की सेवा कर रहे फौजी सूबेदार की पत्नी से दो युवकों ने चालाकी से एटीएम कार्ड बदलकर 48 हजार रुपये निकाल लिए। सूबेदार की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात ठगों के खिलाफ मामला दर्ज कर एटीएम बूथ में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज मिलने के बाद ठगों की पहचान कर जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

होडल थाना प्रभारी मोहम्मद इलियास के अनुसार सेवली गांव निवासी सूबेदार गंगाराम ने शिकायत में कहा है कि उसकी पत्नी होडल के जगजीवन राम चौक स्थित एटीएम बूथ पर दस हजार रुपये निकालने गई थी। उसी समय दो अज्ञात युवक एटीएम बूथ में आये और उसकी पत्नी से धोखाधड़ी कर उसका एटीएम कार्ड बदल दिया।

दरअसल, जब उसकी पत्नी एटीएम मशीन से पैसे निकाल रही थी उसी दौरान उक्त आरोपी ने उसका एटीएम पिन नंबर देख लिया। इसके बाद आरोपी ने उनके खाते से चार बार में फरीदाबाद बस स्टैंड स्थित एक्सिस बैंक की एटीएम मशीन से 10-10 हजार रुपये निकाल लिए। बाकी आठ हजार रुपये कहीं और से निकाले गए। ठगों ने पीड़ित सूबेदार के खाते से कुल 48 हजार रुपये निकाल लिये।

सूबेदार ने बताया कि जैसे ही उसे पैसे कटने की जानकारी हुई तो उसने एटीएम कार्ड बंद कर दिया। इसके बाद बैंक अधिकारियों से भी शिकायत की गई, जो कार्रवाई कर रहे हैं। पीड़ित ने होडल थाने में लिखित शिकायत देकर ठगी गई रकम वापस दिलाने की गुहार लगाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर एटीएम बूथ में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकार्डिंग के आधार पर ठगों की पहचान शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही ठगों को गिरफ्तार कर पीड़ित के पैसे वापस दिलाए जाएंगे।

जिला फरीदाबाद के आठ लाख लोग लेंगे मतदाता शपथ : विक्रम सिंह

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

लोक सभा निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि मतदाता शपथ का उद्देश्य लोगों को उनकी नागरिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक करना है और उन्हें मतदान की महत्वपूर्णता को समझाना है। उन्होंने बताया कि आगामी सोमवार को जिला प्रशासन की ओर से स्वीप अभियान के तहत जिला फरीदाबाद के आठ लाख से अधिक लोग मतदाता शपथ लेंगे। जिला के सभी राजकीय व प्राइवेट स्कूल और कॉलेज, शिक्षण संस्थान, सभी आरडब्ल्यूओ सोसाइटी, इंडस्ट्रीज, मार्किट कमेटी, सामाजिक और धार्मिक संस्थाएं और सभी प्राइवेट और सरकारी कार्यालय में अधिकारी और कर्मचारी मतदाता शपथ लेंगे। स्वीप अभियान के तहत शिक्षण संस्थाओं में नुक्कड़-नाटक, प्रतियोगिता, सेमीनार और मतदान जागरूकता रैली के अलावा सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है और मतदाता शपथ भी लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने की अनूठी पहल है।

हमें मतदान करके अपनी जिम्मेवारी को बखूबी निभाना चाहिए। मतदान करना हमारा सभी का मौलिक अधिकार है। जागरूक मतदाता अपने मत का प्रयोग करके मजबूत लोकतंत्र का गठन करता है। हमें मतदान करते समय जाति, धर्म, लोभ, भाषा वर्ग से प्रभावित हुए बगैर अपने मत का प्रयोग करना चाहिए।

तबादले के बाद रिलीव करने की मांग पर जेबीटी शिक्षकों ने दिया धरना

पलवल। तबादले के बाद रिलीव किए जाने की मांग पर नियमित जेबीटी अध्यापकों ने लघु सचिवालय पर प्रदर्शन किया। अध्यापक घंटों तक जिला उपायुक्त से मिलने की मांग को लेकर सचिवालय पर बैठे रहे। सचिवालय में उपायुक्त न मिलने पर अध्यापक उपायुक्त निवास पर पहुंच गए और धरना दिया। शनिवार रात के करीब नौ बजे तक अध्यापक उपायुक्त निवास पर बैठे रहे। उपायुक्त के आश्वासन के बाद अध्यापक लौट गए।

जेबीटी अध्यापक अजय सिंह ने बताया कि साल 2017 में हुई भर्ती के दौरान उनकी नियुक्ति पलवल में हुई थी। अब सरकार द्वारा 734 शिक्षकों का उनके गृह जिले में तबादला कर दिया गया, जबकि 602 शिक्षकों के दूसरे जिलों से पलवल में तबादले हुए हैं। जिला उपायुक्त नेहा सिंह द्वारा पलवल जिले से शिक्षकों को रिलीव नहीं किया जा रहा है, जबकि दूसरे जिलों से 80 के करीब शिक्षक पलवल में नियुक्त हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने कई बार जिला उपायुक्त नेहा सिंह और शिक्षा अधिकारियों से अपनी समस्याओं को लेकर गुहार लगाई।

पिछले छह सालों से दूसरे बाहरी जिलों से वे सेवाएं दे रहे हैं। अपने घर को छोड़कर रहने में उन्हें काफी परेशानी होती है। अब उनका तबादला गृह जिलों में हुआ, परंतु अधिकारियों के मनमानी के चलते उन्हें रिलीव नहीं किया जा रहा है। जिला उपायुक्त लोकसभा चुनाव के चलते रिलीव न करने की बात कह रही हैं, जबकि अन्य सभी 21 जिलों से शिक्षकों को नियमित तौर पर रिलीव किया जा रहा है।

हरियाणा में अब गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं: मुख्यमंत्री सैनी

होडल की विजय संकल्प रैली में सीएम सैनी ने कहा- लोगों का काम करें अफसर

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

होडल के औरंगाबाद की विजय संकल्प रैली में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मोदी सरकार को न्याय करने वाली सरकार बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के हर वर्ग के साथ न्याय किया है और अपनी कल्याणकारी नीतियों से देश को विकास की पटरी पर चढ़ाया है, जबकि कांग्रेस ने कभी भी देश के साथ न्याय नहीं किया। मुख्यमंत्री ने मंच से अधिकारियों को भी कहा कि अफसर जनता का काम करने में कोई कोताही ना बरतें। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री नायब सैनी ने गुंडागर्दी करने वाले तत्वों को भी स्पष्ट संदेश दिया कि हरियाणा में अब गुंडागर्दी करने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है।

सीएम एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी ने सबसे पहले भाजपा के कार्यकर्ताओं को पार्टी के स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमें गर्व हैं कि हम दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के सदस्य हैं, जिसके 18 करोड़ से ज्यादा मेंबर है। नायब सैनी ने कहा कि भाजपा की स्थापना हुई थी, तब भाजपा के मात्र दो सांसद थे। 2019 में देश ने 303 सांसद भाजपा को दिए हैं। श्री सैनी ने कहा कि अब तो देश के साथ-साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिलकार्जुन खड़गें भी बोल रहे हैं अबकी बार 400 पार। उन्होंने कहा कि 6 जून को देश नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बना रहा है।

कांग्रेस को घेरते हुए नायब सैनी ने कहा कांग्रेस ने 55 साल देश में शासन किया और अब कांग्रेस को वोट लेने के लिए गारंटी देनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अगर काम करती तो उसे गारंटियां देने की जरूरत नहीं पड़ती। देश और प्रदेश की जनता कांग्रेस को समझ चुकी है। देशवासियों को अब एक ही गारंटी पर भरोसा है और वह गारंटी मोदी की गारंटी है। पीएम मोदी ने रेवाड़ी से पूर्व सैनिकों के लिए वन रैंक, वन पेंशन की गारंटी दी और उसे पूरा किया।

नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने अपने मैनीफेस्टों पर न्याय की बात कही है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा कांग्रेस ने ना कभी न्याय किया है और ना कभी न्याय कर सकती। कांग्रेस ने सिर्फ लोगों के साथ अन्याय ही अन्याय किया है। कांग्रेस ने गरीब महिलाओं को गैस सिलेंडर से वंचित रखा। देश जानता है कि कांग्रेस ने वोट लेने के बाद लोगों को तीन-तीन दिनों तक गैस के लिए लाइनों में खड़ा करके अन्याय किया है। नायब सैनी ने मोदी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने गैस सिलेंडर के लिए लगने वाली लाइन को खत्म किया और आज सिलेंडर घर-घर पहुंच रहे हैं। नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस के समय जवानों के साथ भी अन्याय होता था।

संक्षिप्त समाचार

कोलंबियंस को डीजीपी शत्रुजीत कपूर ने किया सम्मानित

फरीदाबाद। सेंट कोलंबस स्कूल दयालबाग फरीदाबाद के विद्यार्थियों को बैच-1990 के जाने-माने आईपीएस अधिकारी व वर्तमान में हरियाणा के पुलिस महा निदेशक शत्रुजीत सिंह कपूर से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। प्रथम राज्य स्तरीय पुलिस महा निरीक्षक अधीक्षक सम्मेलन सूरजकुंड, फरीदाबाद में आयोजित किया गया। इस अवसर पर महा निदेशक शत्रुजीत सिंह कपूर इस सम्मेलन में उपस्थित रहे। इसी दौरान अपने व्यस्त समय में से कुछ समय उन्होंने विद्यार्थियों के साथ व्यतीत किया। इस अवसर पर विद्यालय की मुख्य छात्रा अक्षरा राणा कक्षा बारहवीं, मान्या राणा कक्षा बारहवीं, काव्या कक्षा पांचवी व मेदांश कक्षा पांचवी अत्याधिक उत्साहित एवं आह्लादित हृदय से कर्मठ अधिकारी के रूप में प्रसिद्ध शत्रुजीत सिंह कपूर से मिले। इस दौरान उन्होंने अत्यंत सरलता व मृदुलता से विद्यार्थियों के सिर पर हाथ रखकर उन्हें शुभकामनाएं एवं उन्नत भविष्य का आशीर्वाद प्रदान किया। विद्यालय की ओर से संगीता भाटी जी अगुवाई में विद्यार्थियों ने शत्रुजीत सिंह कपूर को उपहार स्वरूप विद्यालय का स्मृति चिन्ह, पुष्प गुच्छ, विद्यालय पत्रिका, विद्यालय कैलेंडर और पौधे से प्रेम प्रदान किए गए। इस प्रेम और सम्मान के लिए शत्रुजीत सिंह कपूर ने संगीता भाटी को साधुवाद किया।

नाका टीम ने गाड़ी से ढाई लाख रुपये किए बरामद

पलवल। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त नेहा सिंह के निर्देशानुसार गठित की गई नाका टीमें जिले भर में वाहनों की गहनता से जांच कर रही है। इसी के चलते पलवल के सहायक रिटर्निंग अधिकारी (एआरओ) एवं एसडीम नरेंद्र कुमार के मार्गदर्शन में गठित की गई नाका टीम ने शुक्रवार को एक गाड़ी से ढाई लाख रुपये की नकदी बरामद की है। लोकसभा चुनाव 2024 के चलते जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त नेहा सिंह ने जिलाभर में अलग-अलग नाका टीमें गठित की है जो कि जिले से गुजरने वाले वाहनों की गहनता से जांच कर रही है द्य इसी के चलते पलवल के एआरओ एवं एसडीएम नरेंद्र कुमार के मार्गदर्शन में गठित की गई नाका टीम पलवल में वाहनों की जांच कर रही थी। इस नाका टीम के इंचार्ज सिंचाई विभाग के एसडीओ सुभाष अपनी टीम के सदस्यों पुलिस थाना कैंप के सब इंस्पेक्टर अमित, सिपाही जोगिंदर और नरेश कुमार के साथ वाहनों की जांच कर रहे थे। इस दौरान उन्हें एक गाड़ी की जांच के दौरान ढाई लाख की नकदी मिली। इस नकदी के बारे में गाड़ी में सवार कोई संतोषजनक जवाब नहीं देख सके। इसके चलते ढाई लाख की नकदी जब्त करके आगामी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

देवीलाल की पुण्यतिथि पर इनेलो नेताओं ने पुष्प अर्पित किए

पलवल। भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री व किसानों के मसीहा चौधरी देवीलाल की 23वीं पुण्यतिथि पर इनेलो नेताओं द्वारा पलवल के ताऊ देवीलाल पार्क पहुंच चौधरी देवीलाल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर सुबह सात बजे ही इनेलो नेताओं का ताऊ देवीलाल पार्क पलवल पहुंचना शुरू हो गया था। सबसे पहले इनेलो नेताओं द्वारा ताऊ देवीलाल की प्रतिमा को पानी व गंगाजल से नहलाया गया। इस अवसर पर ताऊ देवीलाल अमर रहे के नारे भी लगाए गए। उसके बाद उनकी प्रतिमा पर पुष्प माला अर्पित किए। इस दौरान इनेलो नेता सतपाल देशवाल, इनेलो नेत्री ललिता चौधरी, बलदेव देशवाल, एसके आर्य, घासीराम आदि नेता मौजूद रहे। इस अवसर पर इनेलो नेताओं ने कहा कि ताऊ देवीलाल किसानों व गरीब तबके के सच्चे मसीहा थे। उन्होने किसानों व गरीबों के लिए कई लाभदायक योजनाएं शुरू कीं। जिससे किसान और कमेरे वर्ग के लोगों को बड़ी राहत मिली। ताऊ देवीलाल को पुष्प अर्पित कर सभी नेता दिल्ली के ताऊ देवीलाल संघर्ष स्थल दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

योग, व्यायाम और संतुलित आहार स्वास्थ्य के लिए अमूल्य

फरीदाबाद। गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सराय ख्वाजा फरीदाबाद में प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में जूनियर रेडक्रॉस और सेंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार है जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 1948 में स्वास्थ्य अर्थात आरोग्य की परिभाषा देते हुए कहा कि दैहिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्णत: स्वस्थ होना ही स्वास्थ्य है। किसी भी व्यक्ति की मानसिक, शारीरिक और सामाजिक रुप से अच्छे होने की स्थिति को स्वास्थ्य कहते हैं। जेआरसी एवं एसजेएबी अधिकारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने प्रार्थना सभा में संबोधित करते हुए कहा कि विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाने का उद्देश्य वैश्विक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं पर विचार करना और उन विचारों पर कार्य करना है। इस दिन स्वास्थ्य सेवाओं, सुविधाओं और देखभाल संबंधी विषयों पर जागरूकता अभियान चलाया जाता है। प्राचार्य मनचंदा ने विश्व स्वास्थ्य दिवस पर स्वास्थ्य, योग, व्यायाम और संतुलित आहार के विषय में सभी विद्यार्थियों और अध्यापकों को जागरूक किया। वर्तमान में हम सभी का झुकाव स्वस्थ जीवन की ओर अधिक हुआ है। विशेषकर कोरोना वायरस महामारी ने हमारा फोकस स्वास्थ्य की तरफ कर दिया है। अब हम सभी इस बात पर अधिक ध्यान देते हैं कि निरंतर आ रहे नए नए वायरस तथा बीमारियों से बचे रहें। प्राचार्य ने कहा कि इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम माय हेल्थ माय राइट रखा गया है। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर योग अमृत महोत्सव भी मनाया जा रहा है, जिसे आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है। प्राध्यापक जितेंद्र गोगिया ने बताया कि बदलती जीवन शैली के कारण हम तनाव भरे जीवन में उलझते ही जा रहे हैं, जिससे हम बहुत सी मानसिक समस्या जैसे डिमेंशिया, हिस्टीरिया, एग्जाइटी, आत्महीनता जैसी बीमारियों से घिरते ही जा रहे हैं। इस दिन के माध्यम से लोगों के बीच मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझाने का प्रयास किया जाता है। प्राचार्य रविंद्र कुमार ने प्रार्थना सभा में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने के लिए सभी का अभिनंदन और आभार भी व्यक्त किया।

टेलीग्राम के जरिए टास्क देकर युवक से लाखों की ठगी

फरीदाबाद। टेलीग्राम के जरिए टास्क देकर एक युवक से 11 लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। साइबर थाना बल्लभगढ़ में सीही गांव में रहने वाले कपिल ने दी गई शिकायत में बताया कि उनके पास टेलीग्राम पर रानी नाम की महिला का मैसेज आया। जिसने उनको बताया कि वह घर बैठे अच्छे पैसे कमा सकते हैं। बस उनको कंपनी द्वारा बताए गए टास्क को पूरा करना होगा। उसके बाद रानी ने टेलीग्राम पर ही कपिल का फोन नंबर मांगा। रानी ने कपिल को एक ग्रुप से जोड़ दिया। फिर कपिल को एक आइडी दी गई। जिस ग्रुप से कपिल को जोड़ा गया था। उसमें 50 लोग पहले से ही जुड़े हुए थे। रानी के बताए अनुसार कपिल ने आइडी के जरिए टास्क पर पैसा लगाना शुरू कर दिया। शुरुआत में तो कपिल को अच्छा रिर्टन मिला। जिससे उसको रानी पर पूरी तरह से भरोसा हो गया। इसके बाद कपिल ने यश बैंक के अलग-अलग खाते में रुपये निवेश कर दिए, लेकिन जब कपिल अपने पैसे निकालने लगा तो रानी ने कहा कि उनको और पैसे डिपोजिट करने पड़ेंगे।तभी वह अपने पैसे निकाल सकते हैं।

कांग्रेस की स्थिति

पलायन जारी

कांग्रेस ने अपना चुनाव घोषणापत्र जारी किया है, लेकिन उससे पलायन भी जारी है। हाल में जारी कांग्रेस घोषणापत्र में प्रशासन के नए युग की कल्पना करते हुए वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में व्यापक परिवर्तनों का वादा किया है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा पूर्व अध्यक्षों-सोनिया गांधी और राहुल गांधी की उपस्थिति में जारी घोषणापत्र में खासकर भाजपा के एक दशक के शासन को देखते हुए प्रशासन में व्यापक परिवर्तन पर जोर दिया गया है। लेकिन कांग्रेस के लिए इससे ज्यादा चिंतनीय विषय यह है कि उसकी कतारों ने धुर-विरोधी भाजपा में शामिल होने के लिए लाइन लगा रखी है। लेकिन इन पलायनों को अनदेखा कर कांग्रेस ने घोषणापत्र जारी करने को महत्व दिया है। इसमें राष्ट्रव्यापी सामाजिक-आर्थिक व जाति गणना के लिए प्रतिबद्धता शामिल है। भारत की विविधतापूर्ण जनसंख्या की समग्र समझदारी के प्रति लक्षित इस कदम का उद्देश्य समाज के हर तबके की आवश्यकताओं को संबोधित करने वाली नीतियां बनाना है। इसके साथ ही घोषणापत्र में सामाजिक न्याय व समावेशन के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए एससी, एसटी व ओबीसी की आरक्षण सीमा 50 प्रतिशत से आगे बढ़ाने के लिए संविधान संशोधन का वादा किया गया है। यह संभवत: कांग्रेस की सर्वोत्तम रणनीति है क्योंकि उसके सहयोगी दल जाति गणना के आधार पर पिछड़े वोटों को जोड़ कर भाजपा को किनारे कर सकते हैं। घोषणापत्र में 'कैशलेस इंश्योरेंस' के राजस्थान माडल की पैरवी की गई है जो सबको स्वास्थ्यरक्षा के लिए 25 लाख तक बीमा देता है। इसमें केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकृत 30 लाख खाली पदों

को भरने का वादा कर बेरोजगारी के मुद्दे को संबोधित करने का प्रयास किया गया है। पार्टी ने किसान कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कृषि उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य-एमएसपी की विधिक गारंटी देने का वादा किया है जिसकी संस्तुति स्वामीनाथन आयोग ने की थी।

देश की 'सबसे पुरानी पार्टी' के लिए फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती अपने कार्यकर्ताओं को एकजुट करना तथा आंतरिक विरोध पर नियंत्रण रखना है। पार्टी से लगातार जारी पलायन की लहरों से इसकी एकता और चुनावी संभावनाओं को नुकसान हो सकता है। जैसे यह प्रवृत्ति रोकने के लिए अमेठी संसदीय क्षेत्र से राबर्ट वाड्रा के नाम पर विचार चर्चा में है। कांग्रेस ने दलबदल को समाप्त करने हेतु विधानसभा या संसद सदस्यता से स्वत: अयोग्य ठहराने के लिए संविधान की दसवीं अनुसूची में संशोधनों का प्रस्ताव किया है। इन प्रयासों के बावजूद पार्टी अपने सदस्यों को साथ रखने के लिए संघर्ष कर रही है। हालिया सप्ताहों में उसके अनेक प्रमुख नेता प्रतिद्वंद्वी पार्टियों में शामिल हो गए हैं। पलायन का यह समय कांग्रेस में आंतरिक अशांति और चुनौतियों को रेखांकित करता है। भाजपा पर हमला बोलते हुए कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में व्यक्तिगत स्वतंत्रता सुरक्षित रखने के प्रति प्रतिबद्धता प्रकट करते हुए भोजन, वेशभूषा, प्रेम, विवाह, यात्रा व भारत के भीतर आवास के मामले में व्यक्तिगत पसंदों में हस्तक्षेप न करने का वादा किया है। घोषणापत्र में व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं पर जोर मतदाताओं के विविधतापूर्ण चरित्र के अनुकूल तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता प्रकट करने वाला है। मतदाताओं के लिए घोषणापत्र तैयार करते समय कांग्रेस को अपने कतारों के भीतर एकजुटता के लिए आंतरिक संघर्ष करना पड़ रहा है। उसके आगे बढ़ने का रास्ता बाधाओं से भरा है, लेकिन इसके बावजूद पार्टी नए रास्ते के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के मामले में दृढ़ दिखती है।

अफगानिस्तान में तालिबान शासन

अफगानिस्तान में तालिबान शासन के अंतर्गत महिला अधिकारों का लगातार दमन हो रहा है। इसके साथ ही तालिबान दुनिया के दूसरे देशों में आतंकवाद फैलाने का काम भी कर रहे हैं।

हिरण्यमय कार्लेकर
(लेखक, द पायनियर के सलाहकार संपादक हैं)

अफगानिस्तान में तालिबान शासन के अंतर्गत महिला अधिकारों का लगातार दमन हो रहा है। इसके साथ ही तालिबान दुनिया के दूसरे देशों में आतंकवाद फैलाने का काम भी कर रहे हैं। तालिबान ने अफगान महिलाओं के सभी अधिकार छीन लिए हैं, लेकिन वे केवल इतने से ही संतुष्ट नहीं हैं। वे लगातार महिलाओं को उत्पीड़ित और अपमानित करने के लिए अन्य कदम उठा रहे हैं। इसका नवीनतम संकेत तालिबान प्रमुख मुल्ला हिबातुल्ला अखुंदजादा का आक्रामक बयान है। उसने मार्च, 2024 में एक आक्रामक बयान दिया है जिसे 'वायस मैसेज' के रूप में अफगानिस्तान के राज्य टेलीवीजन ने प्रसारित किया है। इसके अनुसार, 'आप कहते हैं कि यह महिलाओं के मानवाधिकारों का उल्लंघन है, लेकिन हम जल्द ही आवारगर्दी के लिए उनको कठोर दंड का क्रियान्वयन करने वाले हैं। हम महिलाओं को सार्वजनिक रूप से कोड़े लगाएंगे और उनको पत्थर बरसा कर मार डालेंगे।' 26 मार्च, 2024 को ब्रिटेन के 'द टेलीग्राफ' में प्रकाशित अख्तर मकोई की रिपोर्ट में इस बयान का संदर्भ दिया गया है। इसमें अखुंदजादा को पश्चिमी देशों के अधिकारियों को संबोधित करते हुए यह कहते हुए भी बताया गया है कि 'ये सब आपके लोकतंत्र के खिलाफ हैं, लेकिन हम इनको लगातार जारी रखे हैं। हम दोनों कहते हैं कि हम मानवाधिकारों की रक्षा कर रहे हैं। हम इसे ईश्वर के प्रतिनिधि के रूप में कर रहे हैं, जबकि आप यह काम शैतान के प्रतिनिधि के रूप में कर रहे हैं।' इस प्रकार तालिबान अपने और पश्चिमी देशों द्वारा परिभाषित मानवाधिकारों में अंतर बताने का प्रयास कर रहे हैं।

अखुंदजादा के कथन पर दो कारणों से ध्यान देना जरूरी है। इससे स्पष्ट होता है कि अफगान महिलाओं के खिलाफ और बर्बर कदम उठाए जाने वाले हैं। दूसरा उसके बयान में व्यक्त 'शैतान के प्रतिनिधि' शब्दों के आशय की व्यापक रूप से निन्दा करनी जरूरी है। इसका अर्थ है कि तालिबान व उसके प्रतिनिधि पश्चिमी लोकतंत्रों के प्रति क्या दृष्टिकोण रखते हैं। इससे यह संकेत भी मिलता है कि तालिबान पश्चिमी देशों के खिलाफ तब तक संघर्ष करेंगे जब तक वहां भी शरीया कानून लागू नहीं हो जाते हैं। यह उसके बयान में अंतर्निहित तथ्य है। 'द टेलीग्राफ' की इसी रिपोर्ट में अखुंदजादा को यह कहते हुए भी संदर्भित किया गया है कि 'मैंने मुजाहिदीनों से कहा है कि हम पश्चिमी देशों में रहने वालों को यह भी बताएंगे कि हम तुम्हारे खिलाफ 20 साल लड़े हैं, हम तुम्हारे खिलाफ 20 साल और या इससे भी ज्यादा उस समय तक लड़ेंगे जब तक इस जमीन में शरीया लागू नहीं करवा देंगे।'

तालिबान पूरे अफगानिस्तान में शरीया लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में यह सवाल भी स्वाभाविक रूप से उठता है कि इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए वे 20 साल 'तथा और अधिक समय' की बात क्यों कर रहे हैं? तालिबानों के कठोरतम शासन को देखते हुए इसमें कुछ साल से ज्यादा का समय नहीं लगेगा। ऐसे में मुल्ला अखुंदजादा द्वारा की गई समय की बात समझने के लिए हमें अफगानिस्तान के बाहर भी शरीया लागू करने के उसके इरादों पर गौर करना होगा। इसका परिणाम भयानक युद्धों के रूप में सामने आ सकता है। इन परिस्थितियों के उलट अफगानिस्तान की राजधानी पर कब्जा करने के दो दिन बाद 17 अगस्त, 2021 को तालिबान की काबुल में आयोजित पहली आधिकारिक न्यूज़ कान्फ्रेंस पर गौर करना होगा। इसमें उनके प्रवक्ता जबीउल्ला मुजाहिद ने कहा था कि वे अन्य देशों के साथ शांतिपूर्ण संबंध चाहते हैं। इसके साथ ही उसने जोर देकर कहा था कि किसी भी समूह को अफगान क्षेत्र का प्रयोग कर अन्य देशों पर हमले की अनुमति नहीं दी जाएगी।

लेकिन तालिबान ने हमेशा अपनी घोषणाओं के अनुरूप व्यवहार नहीं किया है। मुजाहिदों ने इसी प्रेस कान्फ्रेंस में कहा था, 'इस्लामी अमीरात महिलाओं को पीड़ित नहीं देखना चाहता है। उनको शरीया कानूनों के अनुसार सरकारी ढांचे में स्थान मिलेगा।' लेकिन सभी जानते हैं कि तालिबान की इस घोषणा के बावजूद व्यवहार में अफगानिस्तान में क्या हुआ। अगस्त, 2021 में अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद महिलाओं को पूरी तरह सरकारी कार्यालयों, न्यायपालिका तथा एनजीओ रोजगार से बाहर कर दिया गया। इसके साथ ही महिलाओं और लड़कियों को कठोर ड्रेस कोड का पालन करने को मजबूर किया गया। इसके अंतर्गत उनको स्वयं को सिर से लेकर पैर तक ढकना होता है तथा उनको 'महरम' श्रेणी में आने वाले नजदीकी पुरुष रिश्तेदार के बिना 75 किलोमीटर से ज्यादा यात्रा की अनुमति नहीं दी गई है। 'महरम' का अर्थ ऐसे व्यक्ति से है जिसके सामने महिलाओं को हिजाब पहनना जरूरी न हो। तालिबान ने अपना कठोर महिला-विरोधी दृष्टिकोण लागू करते हुए बाद में लड़कियों को सेकेंड्री स्कूलों तथा महिलाओं को तृतीयक शिक्षा में प्रवेश से प्रतिबंधित कर दिया। तालिबान शासन के अंतर्गत अफगानिस्तान में महिलाओं के एम्यूज़मेंट पार्क, सार्वजनिक स्नानघारों, जिमनेजियमों व खेल क्लबों में प्रवेश पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। कुछ लोगों को विश्वास था कि तालिबान अब टकरावों से बचने की इच्छा प्रकट कर रहे हैं। उनको इस तथ्य पर गौर करना चाहिए कि वर्तमान समय में तालिबान पश्चिम के खिलाफ परंपरागत युद्ध नहीं जीत सकते हैं। लेकिन यह एक ऐसा यथार्थ है जिसे केवल तार्किक लोग ही स्वीकार करेंगे। इसके उलट तालिबान पागल या मानसिक विकृत लोग हैं। इस तथ्य को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए कि वे इस्लाम के कट्टरपंथी, पुरातनपंथी व विकृत स्वरूप के मानने वाले हैं। इसके चलते वे तार्किक निर्णयों से उलट अतार्किक और दु:साहसी कदम उठा सकते हैं। इसके साथ ही उनका विश्वास है कि वे पश्चिम पर अंतत: विजय प्राप्त करेंगे। संयुक्त राज्य अमेरिका तथा उसके सहयोगियों के खिलाफ अफगानिस्तान में 20 साल लड़ाई के बाद सत्ता में वापस आने के कारण उनकी यह धारणा और मजबूत हुई है।

पश्चिम के खिलाफ तालिबान का टकराव निसंदेह एक परंपरागत युद्ध के बजाय एक असमान युद्ध का रूप लेगा। इस असमान व गैर-परंपरागत युद्ध में अमेरिका और उसके सहयोगियों के क्षेत्र पर आतंकी हमलों के साथ ही अफगानिस्तान व दूसरे देशों की धरती पर पश्चिम व उसके सहयोगियों के आर्थिक ठिकानों पर आतंकी हमले हो सकते हैं। इस प्रकार एक बार फिर तालिबान के शासन वाला अफगानिस्तान आतंकवाद का वैश्विक निर्यातक बन सकता है। ऐसा इसमें तालिबानों के प्रत्यक्ष रूप से शामिल न होने के बावजूद हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को 25 मई, 2022 को पेश 'एनालिटिकल सपोर्ट एंड सेंक्शन्स मानीटरिंग टीम'-एसमिट की 13वीं रिपोर्ट में आश्चर्यजनक खुलासे हुए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अलकायदा और तालिबान के बीच नजदीकी रिश्ते बने हुए हैं। इसमें अफगानिस्तान के साथ ही इस पूरे क्षेत्र में अलकायदा तथा उससे संबंधित संगठनों के प्रमुख नेतृत्व की उपस्थिति को रेखांकित किया गया है। ऐसे संगठनों में अलकायदा इन इंडियन सबकांटीनेंट-एक्यूआईएस शामिल है।

काबुल में अलकायदा सुप्रीमो अयमान अल जवाहिरी की अमेरिका द्वारा किए एक ड्रोन हमले में 32 जुलाई, 2022 को की गई हत्या से भी इस रिपोर्ट की सत्यता की पुष्टि होती है। तहरीके तालिबान पाकिस्तान-टीटीपी और इस्लामिक स्टेट आफ खुरासान प्राविंस-आईएसकेपी की अफगानिस्तान में सक्रियता से भी रिपोर्ट की पुष्टि होती है। टीटीपी ने जहां पाकिस्तान पर निशाने लगाए हैं, वहीं आईएसकेपी ने हाल में 22 मार्च, 2024 को मास्को के बाहर क्रोकस सिटी हाल कंसर्ट पर हमले की जिम्मेदारी ली है जिसमें 140 लोग मारे गए थे। इस प्रकार जबीउल्ला मुजाहिद के उपरोक्त आश्वासन के बावजूद अफगानिस्तान विदेशों में आतंकी हमलों का लांचिंग पैड बन रहा है। ऐसे में दुनिया को अफगान महिलाओं की पीड़ा के साथ ही इस तथ्य पर भी ध्यान देना चाहिए।

जीवन का परम सत्य

वेदान्त दर्शन का मूल सार 'अहं ब्रह्मास्मि' है जिसमें जीवन का परम सत्य समाहित है।

स्वामी चरणाश्रित
(लेखक, आध्यात्मिक गुरु हैं)

वेदान्त दर्शन का मूल सार 'अहं ब्रह्मास्मि' है जिसमें जीवन का परम सत्य समाहित है। हिंदू दर्शन के विशाल महासागर में 'अहं ब्रह्मास्मि' की घोषणा समस्त जीवन का परम सत्य प्रकट करती है। इस प्राचीन संस्कृत वाक्यांश का अर्थ 'मैं ब्रह्म हूं' है। इसके वेदान्त के संदर्भ में बहुत गहन अर्थ हैं।

वेदान्त हिंदू दर्शन की छ: प्राचीन शाखाओं में से एक है। यह व्यक्ति के स्व या आत्मा का परम सत्य या ब्रह्म से अदृश्य संबंध और उसकी पहचान की घोषणा करता है। हमें इसके बारे में गहराई से विचार कर उसके अर्थ और महत्व की मीमांसा करनी चाहिए। वेदान्त दर्शन मूल रूप से यथार्थ की प्रकृति तथा उसके साथ व्यक्ति के संबंधों को परिभाषित करता है। इसके अनुसार यह ब्रह्मांड परस्पर संबद्ध अस्तित्वों का संजाल है। परस्पर संबंधों की यह समझ हमें अपनी सच्ची प्रकृति समझने के लिए जरूरी है। वेदान्त के केन्द्र में ब्रह्म या परम सत्य की अवधारणा निहित है। यह ब्रह्म अरूप, अनंत तथा सभी आयामों से परे है। ब्रह्म पूरे ब्रह्मांड का आधार है। यह वह स्रोत है जिससे सभी अवधारणायें प्रकट होती हैं और अंतत: उसी में समाहित हो जाती हैं। इस प्रकार विपरीत दिशा से देखें तो स्पष्ट होता है कि प्रत्येक व्यक्ति के भीतर एक अंतश्चेतना या आत्मा होती है जिसे अक्सर 'स्व' या 'आत्मा' कहते हैं। आत्मा शरीर या मन की सीमाओं से बाधित नहीं होती है, बल्कि यह शाश्वत, अपरिवर्तनशील तथा मूलत: ब्रह्म से जुड़ी होती है। लेकिन अपने अज्ञान या अविद्या के कारण लोग अक्सर अपनी पहचान अपने शरीरों, मस्तिष्कों और इच्छाओं से करते हैं। इस प्रकार वे ईश्वरीय सत्य से अलग हो जाते हैं।

इसी बिंदु पर अहं ब्रह्मास्मि का महत्व स्पष्ट हो जाता है। जब कोई व्यक्ति घोषणा करता है कि 'अहं ब्रह्मास्मि' तो वह एक परम सत्य पर जोर दे रहा होता है। यह सत्य उनके जीवन का मूलाधार है। इसका अर्थ है कि प्रकृति ईश्वरीय है व परम सत्य से अविभाज्य रूप से जुड़ी है।

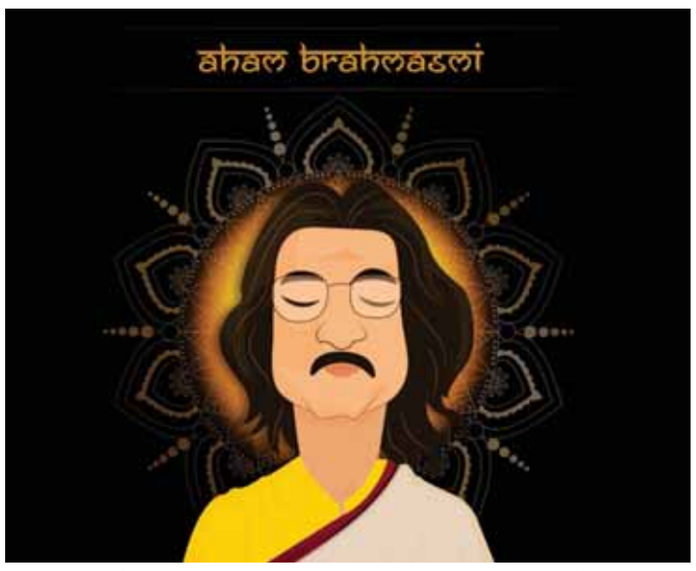

यह उस अविभाज्य एकता की स्वीकृति एवं घोषणा है जो पूरे ब्रह्मांड को एकसाथ बांधे रखती है और यह असंख्य व्यक्तियों के व्यक्तिवाद और इच्छाओं की सीमाओं से बाहर है। 'अहं ब्रह्मास्मि' की स्वीकृति और उसकी ओर यात्रा वेदान्त दर्शन में एक केन्द्रीय अवधारणा है। इसमें अनेक प्रक्रियायें शामिल हैं जिनमें 'आत्म-विचार' या अपनी खोज तथा 'साधना' या आध्यात्मिक व्यवहार शामिल हैं। इनका उद्देश्य अपने अहंकार की सीमाओं को पार करना तथा अपने भीतर छिपी ईश्वरीयता की पहचान करना है।

ध्यान, आत्मावलोकन, विपश्यना तथा उपनिषदों जैसे पवित्र ग्रंथों के अध्ययन से कोई भी साधक सीधे आत्मा और ब्रह्म की एकता का अनुभव प्राप्त करता है। इसके साथ ही 'अहं ब्रह्मास्मि' की स्वीकृति एवं प्राप्ति चेतना में असाधारण परिवर्तन पैदा करती है। इससे 'द्वैत' की भावना समाप्त होकर 'अद्वैत' का अस्तित्व सामने आता है जो सभी में समान है। यह स्वीकारोक्ति केवल बौद्धिक न होकर अनुभव आधारित है। यह अनुभव पुरानी कहावत 'गूंगे के गुड़' की तरह है जो गुड़ के स्वाद का अनुभव तो करता है, पर उस अनुभव को दूसरों को बता नहीं पाता है। अहं ब्रह्मास्मि की स्वीकारोक्ति दर्शन के क्षेत्र से भी बाहर जाती है और दैनिक जीवन पर इसके व्यावहारिक प्रभाव दिखते हैं। जब कोई साधक अपने भीतर दैवी प्रकृति की खोज कर लेता है तो वह स्वाभाविक रूप से इसका विस्तार सभी प्राणियों तक करता है। इससे दया, सद्भावना तथा परस्पर जुड़ाव की भावना पैदा होती है। यह स्वीकारोक्ति जीवन के मूलाधार की तरह काम करती है तथा पूरे ब्रह्मांड में सामंजस्य के साथ जीवन को प्रेरित करती है।

इसमें प्रेम, सत्य और औचित्य के सिद्धान्तों से निर्देशन शामिल है। संक्षेप में कहा जाए तो 'अहं ब्रह्मास्मि' वेदान्त दर्शन का सत्य प्रकट करता है। इसका अर्थ है कि व्यक्ति का स्व परम सत्य से अलग नहीं है, बल्कि तथ्यात्मक रूप से उसके समान है। इस प्रकार एकता और एकता की घोषणा ईश्वरीय पहचान से एकजुटता में बदल जाती है। आत्मावलोकन तथा साधना के माध्यम से कोई भी साधक यह सत्य प्राप्त कर सकता है। इससे वेदान्त के अंतर्निहित सिद्धान्तों के आधार पर जीवन संभव बनता है। प्राचीन ऋषियों ने इसकी घोषणा 'तत् त्वम असि' के रूप में की है।

आप की बात

कांग्रेसी गारंटियां

मोदी की गारंटी के बाद अब कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र या न्यायपत्र में अनेक गारंटियां दी हैं। मोदी सत्ता में रहते हुए जो गारंटियां दी हैं उन पर काम करके भी दिखाया है। उन्होंने भविष्य में भी आत्मविश्वास के साथ गारंटी पूरी करने का वादा किया है तथा दस साल का अपना रिपोर्ट कार्ड भी जनता के सामने रखा है। दूसरी ओर कांग्रेस के पास अभी न तो सत्ता है और आगे भी सत्ता मिलने की गारंटी में संदेह है। कांग्रेस से नेताओं और कार्यकर्ताओं की दूसरी पार्टियों की ओर भगदड़ मची है। फिर भी उसने घोषणापत्र में अनेक खैरातें देने का वादा जरूर किया है। इन गारंटियों में से अनेक का संबंध संविधान संशोधनों और ऐसे संशोधनों को सर्वोच्च न्यायालय की स्वीकृति से है। आरक्षण की सीमा बढ़ाने की बात ऐसी ही एक गारंटी है। सर्वोच्च न्यायालय पहले ही आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 प्रतिशत निर्धारित कर अनेक मामलों में राज्य सरकारों के इसका उल्लंधन करने वाले फैसलों को खारिज किया है। कांग्रेसी गारंटियों का अर्थ केवल सत्ता तक पहुंचने के लिए जनता के लिए आसमान से तारे तोड़ कर लाने जैसी बातें हैं। सवाल यह भी है कि आजादी के बाद अधिकांश समय तक देश की सत्ता में रहने वाली कांग्रेस ने जनता को पहले न्याय क्यों नहीं दिया जिसके अब वादे हो रहे हैं।

– **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

शेयर बाजार का यथार्थ

शेयर बाजार इस समय बहुत तेजी से ऊपर चढ़ रहा है। इससे कई लोगों के रातोंरात मालामाल हो जाने के किस्से सोशल मीडिया पर पोस्ट किये जा रहे हैं। इसके साथ ही शेयर बाजार से रातोंरात लखपति बन जाने के नुस्खे बताने वाले विशेषज्ञों की बाढ़ आ गई है। इनमें से अनेक मुफ्त में आपको सटीक सलाह देने के लिए हर समय तत्पर हैं। शेयर बाजार में निवेश कराने वालों को भी अच्छा मुनाफा मिलता है। बुद्धिमान व्यक्ति तो ऐसे सलाहकारों की सलाह पर सतर्कता बरतते हैं, मगर नए खिलाड़ी इनमें से कुछ के चक्कर में पड़ कर नुकसान उठा सकते हैं। शुरू में अच्छा मुनाफा और बाद में लाखों रुपए का इन्वेस्टमेंट करवा कर कुछ सलाहकार कंपनियां अचानक गायब हो जाती हैं। शेयर के बिजनेस में अब सट्टेबाजी हावी हो गई है। हालांकि, सरकार ने शेयर बाजार के कामकाज को पारदर्शी बनाने के अनेक प्रयास किए हैं, लेकिन इसके बावजूद कुछ धोखाधड़ी करने वाले सलाहकार या इन्वेस्टमेंट कंपनियां जनता को भ्रमित करती हैं। आम जनता के लिए शेयर बाजार का यथार्थ और उसकी अर्थव्यवस्था समझना आसान नहीं है। ऐसे में शेयर बाजार में निवेश करते समय अत्यधिक सावधानी बरतने की जरूरत है।

– **सुभाष बुडावन वाला,** रतलाम

बेतुका बयान

योगी सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ओमप्रकाश राजभर संभवत: ऐसे नेता हैं जो लगातार नए विकल्पों की तलाश में रहते हैं। माफिया मुख्तार अंसारी की मौत पर उनकी प्रतिक्रिया ने बहुत लोगों को असहज कर दिया है। हालांकि, बाद में उन्होंने अपने बयान पर स्पष्टीकरण भी दिया, लेकिन इससे नुकसान की भरपाई नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा था कि कुछ लोगों की नजर में मुख्तार अंसारी की मौत गरीबों के मसीहा का मरना है। जिसे न्यायालय अनेक जघन्य अपराधों में दोषी ठहरा चुका हो, जिसकी गुंडागर्दी व माफियागीरी देश का काला अध्याय हो तथा जिसकी मौत पर हजारों पीड़ितों को खुशी हुई हो उसे गरीबों का मसीहा बताना किसी प्रकार उचित नहीं है। पूर्व पुलिस अधिकारियों ने मुख्तार और तत्कालीन सरकार के बीच साठगांठ उजागर की है जो देश के लोकतंत्र व संविधान के लिए भयानक खतरा है। विडंबना है कि खास समुदाय के वोट पाने के लिए माफिया को मसीहा बताया जा रहा है। ऐसे बेतुके बयान देने वाले अनेक नेताओं को देश-प्रदेश की जनता इतिहास के कूड़ेदान में फेंक चुकी है, लेकिन कुछ लोग इससे सबक नहीं लेना चाहते हैं। ऐसे लोगों को राजनीति में बने रहने और मंत्री जैसे पद पाने का कोई अधिकार नहीं है।

– **नरेन्द्र टोंक,** मेरठ

कश्मीर की स्थिति

जेल में बंद अलगाववादी शब्बीर शाह की बेटी समा शब्बीर और पाकिस्तान समर्थक दिवंगत सैयद अली शाह गिलानी की नातिन रुबा शाह ने खुद को अलगाववादी विचारधारा से अलग कर लिया है। उनका कहना है कि अब हुर्रियत कॉन्फ्रेंस की विचारधारा के प्रति उनका कोई झुकाव एवं सहानुभूति नहीं है। समाचार पत्र में नोटिस प्रकाशित कर उन्होंने कहा है कि मैं भारत की एक वफादार नागरिक हूं, देश की संप्रभुता के प्रति पूरी निष्ठा व्यक्त करती हूं तथा ऐसे किसी भी संगठन या संघ से मेरा संबंध नहीं है जिसका एजेंडा भारत के खिलाफ हो। दोनों का कहना है कि कश्मीर से धारा 370 एवं 35 ए हटाने के बाद से यहां काफी खुशहाली है एवं युवा आज बदलते कश्मीर का स्वागत कर रहा है। शब्बीर और रुबा शाह के कथन से स्पष्ट है कि कश्मीर घाटी की स्थिति अब पूरी तरह बदल गई है। उनके इस बयान का स्वागत करने के साथ सतर्कता जरूरी है। हो सकता है कि कश्मीर की बदलती स्थितियों को देखते हुए भारत-विरोधी तत्व अपनी रणनीति बदल कर कुछ समय खामोश रहना चाहते हों। वैसे बदलाव से अतीत के कैदी बदल भी सकते हैं।

– **एमएम राजावत,** शाजापुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

कांग्रेस के पास न नीति और न साफ नीयतः योगी

● मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राजस्थान में किया चुनाव प्रचार

लखनऊ/भरतपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को राजस्थान की चुनावी सभा में पहुंचे। उनकी पहली जनसभा भरतपुर लोकसभा क्षेत्र में हुई। यहां से पूर्व सांसद व भाजपा उम्मीदवार रामस्वरूप कोली के लिए वोट की अपील करते हुए कहा कि %अबकी बार 400 पार के लिए रामस्वरूप कोली को भी विजयी बनाना होगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने केंद्र की मोदी व राज्य की भजनलाल सरकार के कार्यों के बलबूते भाजपा के पक्ष में मतदान का आग्रह किया तो वहीं कांग्रेस को निशाने पर रखा। साथ ही राजस्थान विधानसभा चुनाव में कमल खिलाने के लिए राजस्थान वासियों के प्रति आभार जताया। कांग्रेस मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निशाने पर रही। उन्होंने कहा कि एक तरफ द गार्डियन की रिपोर्ट कहती है कि पाकिस्तान के अंदर चुन-चुन कर आतंकवादी मारे जा रहे हैं। दुनिया आतंकवाद को बोझ मान रही है। समाज के बोझ यह आतंकवादी मारे ही जाने चाहिए। यह सबकी सुरक्षा के लिए खतरा हैं, लेकिन कांग्रेस अपनी सरकार के समय गरीबों को भूखों मारती थी और आतंकवादियों को बिरयानी खिलाती थी। वहीं मोदी जी चार साल से 80 करोड़ गरीबों को फ्री राशन की सुविधा दे रहे हैं। केंद्र सरकार किसानों, गरीबों, महिलाओं, युवाओं को ध्यान में रखकर अपनी योजनाओं को बनाते हुए कार्य कर रही है।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में नया भारत दुनिया की ताकत बन रहा है। दो-तीन दिन पहले इंग्लैंड के प्रतिष्ठित समाचार %द गार्डियन% की रिपोर्ट ने बताया कि पाकिस्तान के अंदर 20 दुर्दांत अपराधी मारे गए हैं। हो सकता है कि यह भारत ने मारे हो, लेकिन कल तक आतंकवादियों को प्रश्रय देने वालों में से किसी की भी हिम्मत नहीं कि वे भारत के खिलाफ बोलने की ताकत कर सकें। नया भारत अपने नागरिकों व सीमाओं की सुरक्षा करना जानता है। राजस्थान के लोग सिर्फ राम-राम सा ही नहीं करते, बल्कि सीमा की सुरक्षा में सेंध लगाने आतंकियों का राम नाम सत्य भी कर देते हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत के नागरिकों का दुनिया में सम्मान बढ़ा है। नक्सलवाद, उग्रवाद व आतंकवाद समाप्त हुआ है। 1952 में देश को धारा-370 का दंश देने वाली कांग्रेस के इस फैसले को पीएम मोदी व गृह मंत्री अमित शाह ने सदैव के लिए समाप्त कर दिया।

सीएम ने कहा कि कांग्रेस की नीयत साफ नहीं थी। इनके समय नीति, नेता और निर्णय नहीं हो पाते थे पर मोदी सरकार में बनी योजनाओं का कोई सानी नहीं है। सीएम ने केंद्र सरकार के विकास कार्यों को भी गिनाते हुए कहा कि भाजपा शासन में सुरक्षा, समृद्धि और विकास हो रहा है। कांग्रेस के लोग अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण नहीं करा पाते। वे कहते थे कि राम हुए ही नहीं। भरतपुर के बगल में मथुरा, वृंदावन, गोकुल, बरसाना, नंदगांव, गोवर्धन है, फिर भी कांग्रेस के लोग कहते हैं कि कृष्ण हुए ही नहीं। कांग्रेसी हमारे इतिहास व विरासत पर प्रश्न खड़ा करते हैं। सीएम ने आह्वान किया कि विकसित भारत के लिए विकसित राजस्थान चाहिए। विकसित राजस्थान के लिए विकसित भरतपुर और विकसित भरतपुर के लिए रामस्वरूप कोली चाहिए। राजस्थान की ओर से 25 मनकों की जो माला जानी है, उसमें भरतपुर की भी एक माला होनी चाहिए।

पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनने वाली हैः मुख्यमंत्री

लखनऊ/दौसा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी देश की सबसे बड़ी समस्या है और कर्फ्यू लगाना इसके डीएनए का हिस्सा है। यहां लालसोट स्थित अशोक शर्मा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बीजेपी के स्टार प्रचारक और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को विशाल जनसभा को संबोधित किया। सीएम योगी ने दौसा लोकसभा सीट से कन्हैया लाल मीणा के पक्ष में जनता से वोट की अपील की। उन्होंने कहा कि राममंदिर बनवाना तो दूर, कांग्रेस के लोग श्रीराम और श्रीकृष्ण को काल्पनिक बताया करते थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज में केवल गरीबों के हक पर डाका डालने का कार्य हुआ है।

योगी आदित्यनाथ ने दौसा की जनता का आभार जताते हुए कहा कि राजस्थान विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने दौसा में प्रचार किया था, जिसके फलस्वरूप जनता ने पार्टी प्रत्याशियों को आशीर्वाद दिया और यहां की आठ में से पांच विधासभा सीटों पर कमल खिला। उन्होंने कहा कि इस बार 18वीं लोकसभा के लिए चुनाव प्रचार अभियान में वह दौसा आए हैं और ऐसा पहली बार देखने को मिल रहा है कि पूरा देश पहले से ही परिणामों को लेकर आश्वस्त है। लोग मान चुके हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनने वाली है। पूरे देश में एक ही आवाज है, फिर एक बार मोदी सरकार। ये जो मोदी सरकार की चर्चा हो रही है वो अचानक नहीं है। ये भारतीय समाज की वह अभिव्यक्ति है जो मोदी जी ने 10 वर्ष के अंदर देश को दिया है। उसके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए देश की जनता जनार्दन तीसरी बार भी मोदी जी को सत्ता सौंपने के लिए कृत संकल्पित है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 10 साल में दुनिया में भारतीयों का सम्मान बढ़ा है। देश की सीमाएं सुरक्षित हुई हैं। पहले देश में आतंकी गतिविधियां होती थी। तीन दिन पहले ब्रिटेन के अखबार में समाचार निकला कि पाकिस्तान में 20 आतंकियों को चुन चुनकर मारा गया है। ये नया भारत है जहां आतंकियों का राम नाम सत्य हो रहा है। पूरी दुनिया के लोग ये मान रहे हैं कि भारत का कदम विश्व मानवता के हित में है। कोई देश आज आतंकवाद को प्रश्रय देने की हिम्मत नहीं कर पा रहा है। उसे पता है कि आतंक को प्रश्रय दिया तो एयर स्ट्राइक से लेने के देने पड़ जाएंगे। बीते 10 साल में देश के अंदर से नक्सलवाद, आतंकवाद, कश्मीर की पत्थरबाजी समाप्त हो चुकी है। अब कश्मीर विकास की मुख्यधारा के साथ जुड़कर लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ रहा है। लाखों पर्यटक जम्मू कश्मीर जा रहे हैं। अमरनाथ यात्रा और मां वैष्णो देवी के दर्शन को लोग सुरक्षित वातावरण में जा रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज देश में आईआईटी, आईआईएम, एम्स, मेडिकल कॉलेज जैसे बड़े कार्य हो रहे हैं। साथ ही हर घर नल योजना, पीएम कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत हर खेत और घर तक पानी पहुंचाने का संकल्प भारत में पूरा हो रहा है। एक समय था जब कांग्रेस के लोग गरीबों के हक पर डकैती डालते थे। मगर, मोदी सरकार में 80 करोड़ गरीबों को फ्री में राशन का लाभ मिल रहा है। 60 करोड़ गरीबों को 5 लाख रुपए के स्वास्थ्य बीमा का कवर मिल रहा है। इतना ही नहीं चार करोड़ गरीबों के मकान, 12 करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि, माताओं को उज्ज्वला योजना का लाभ भी मिल रहा है।

योगी ने कहा कि आज देश के नौजवानों के लिए आजीविका की व्यवस्था है, तो हर भारतीय के आस्था का सम्मान भी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग कहते थे कि राम और कृष्ण कभी हुए ही नहीं। ये लोग क्या राममंदिर बनवा पाते। ये भारत है, जहां राम के बगैर कोई काम नहीं, कृष्ण के बगैर कोई लीला नहीं होती। राजस्थान की मीरा बाई ने श्रीकृष्ण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया था। हम भारतीयों में कोई ऐसा नहीं जो राम और कृष्ण के बगैर अपना जीवन व्यतीत करता हो। मगर, कांग्रेस नहीं चाहती थी कि अयोध्या में राममंदिर के निर्माण की बाधाएं समाप्त हो, क्योंकि कांग्रेस अपने आप में समस्या है। कांग्रेस देश की समस्या है, इसलिए देश को समस्याएं देती रही। मोदी जी ने समाधान दिया है। अयोध्या में भव्य राममंदिर का निर्माण पूरा हो चुका है। अब किसी को अयोध्या पर कोई संदेह नही होगा। मुख्यमंत्री ने दौसा की जनता को अयोध्या आने का आमंत्रण भी दिया।

भाजपा की मजबूती का आधार मजबूत बूथ संरचनाः भूपेन्द्र चौधरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने दादरी, गौतमबुद्धनगर में आयोजित बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में कहा कि हमारा संकल्प राष्ट्र हित है, जिस संकल्प से जम्मू-कश्मीर में धारा 370 समाप्त हुई, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण संभव हुआ, तीन तलाक जैसी कुप्रथा का अंत हुआ, देश आर्थिक सम्पन्न हुआ और विश्व में भारत का मान बढ़ा। उन्होंने कहा कि यह सब जनता के वोट की ताक़त से सम्भव हो पाया है। उन्होनें बूथ अध्यक्षों से कहा कि अपने-अपने बूथ को अभेद्य दुर्ग बनाना है, जिसमें कोई भी फर्जी मतदान न कर सके। सबके मतदान तथा भाजपा के लिए मतदान की अपील के साथ हर घर तक दस्तक देना है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि हम सभी जिस ध्येय के लिए भाजपा के सदस्य बने थे, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उस ध्येय को पूर्ण करते हुए वैभवशाली राष्ट्र निर्माण के कार्य में लगे हुए है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की मजबूती का आधार मजबूत बूथ संरचना है और मजबूत बूथ संरचना का आधार मजबूत बूथ समिति है। उन्होंने कहा कि टोली बनाकर घर-घर सम्पर्क, मोदी सरकार-योगी सरकार की योजनाओं के साथ जन संवाद तथा मतदान पूर्ण होने तक मुस्तैदी से बूथ पर डटे रहना है। बूथ विजय अभियान के साथ बडे अन्तर से बूथ को जीतने की रणनीति पर काम करना है।

भूपेन्द्र चौधरी ने कहा कि मोदी सरकार में गरीब को घर, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, राशन, मुफ्त उपचार, शिक्षा एवं सुरक्षा सुनिश्चित की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्व पटल पर भारत की धाक बढी है। भारत की शक्ति का लोहा पूरे विश्व ने माना है। यह चुनाव भारत को विकसित भारत बनाने के लिए है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने के लिए तैयार है।

भूपेन्द्र चौधरी ने कहा कि गुंडे, अपराधी, माफिया, बिचौलिए, अब न तो गरीब का हक खा सकते है और न ही किसी की जमींन, मकान, प्लाट पर कब्जा कर सकते है। कमल निशान खुशहाली, तरक्की, सुरक्षा, विकास का प्रतीक बन चुका है। आप सब जुट कर अपना-अपना बूथ जिताइए और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लक्ष्य अबकी बार 400 पार को पूर्ण करने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करिए।

हर बूथ पर 370 वोट प्लस करने हैं: पाठक

लखनऊ। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने रविवार को अलीगढ़, लोनी और मोदीनगर में बूथ सम्मेलनों को संबोधित किया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा इस बार उत्तर प्रदेश में 80 में से 80 सीट जीतेगी। गाजियाबाद भारतीय जनता पार्टी का गढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो में जिस तरीके से भीड़ आई उसने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। बृजेश पाठक ने अन्य पार्टियों पर हमला भी किया।

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने बूथ अध्यक्षों से कहा कि हमें हर बूथ पर 370 वोट प्लस करने हैं। इसके लिए हर पन्ने को बूथ समिति के पदाधिकारी और पन्ना प्रमुख पूरी तरह रट लें। हर एक व्यक्ति से इतनी बार मिल लें कि वह भाजपा को वोट देने के लिए औरों को भी प्रेरित करे। इसके लिए उसे मोदी जी की योजनाओं के बारे में ही बताना है। श्री पाठक ने कहा कि हमें 370 वोट इस वजह से प्लस करने हैं क्योंकि कश्मीर में 370 धारा हटाई है। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर श्री पाठक ने कांग्रेस को घेरा। कॉमनवेल्थ गेम हुए तो कांग्रेस खेल मंत्री जेल चले गए। आज भारत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकसित देश बन रहा है। सपा और उनके इंडी पार्टनर्स के प्रत्याशी मैदान छोड़ कर भाग खड़े हुए हैं। इंडी उम्मीदवारों ने हथियार डाल दिये हैं। किसी में भाजपा उम्मीदवार का सामना करने का साहस नहीं बचा है। भाजपा सभी 80 की 80 सीटें प्रदेश में जीतने जा रही है।

पंचर हो चुकी है सपा की साइकिलः केशव

लखनऊ। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य रविवार को आज़मगढ़ और मऊ में लोकसभा वालंटियर्स सम्मेलन में विपक्ष पर खूब बरसे। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव गाजीपुर जाएं या गाजियाबाद पंचर हो चुकी है सपा की साइकिल, प्रदेश की सभी 80 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार जीतेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा आजमगढ़, लालगंज और गाजीपुर से चुनाव जीत रही है। चारों तरफ कमल ही कमल खिल रहा है।पूरे देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर विश्वास करती है, इसलिए भाजपा उम्मीदवारों की जीत तय है। विपक्ष हताश है और अपनी निश्चित हार को देखते हुए चुनाव का मैदान छोड चुका है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में देश और प्रदेश में डबल इंजन की सरकार चल रही है। गुंडे, माफियाओं का माकूल इलाज हो रहा है। यह पहला ऐसा चुनाव है जहां विपक्ष जीतने के लिए नहीं भाजपा 400 के पार न पहुँचे इसके लिए उनके नेता परेशान हैं। वे जीतने के लिए चुनाव नहीं लड रहे हैं। हम उप्र की सभी 80 में 80 सीटें जीत रहे हैं। इस मौके पर क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, जिलाध्यक्ष आजमगढ़ श्रीकृष्ण पाल, जिलाध्यक्ष लालगंज सूरज प्रकाश श्रीवास्तव, पूर्व प्रमुख मनीष मिश्रा, सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ, पूर्व सांसद नीलम सोनकर, पूर्व जिलाध्यक्ष आजमगढ़ ध्रुव सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष लालगंज ऋषिकांत राय, ऋत्विक जायसवाल आदि उपस्थित थे।

निरोधात्मक कार्यवाही में 12,35,924 लोग पाबंद

लखनऊ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में पुलिस, आयकर, आबकारी, नार्कोटिक्स एवं अन्य विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है। सघन जॉच के लिए 513 अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट तथा 1825 चेक पोस्ट राज्य के भीतर संचालित हैं। 16 मार्च से 06 अप्रैल, 2024 तक पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 478 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किये गये। 3916 लाइसेंसी शस्त्र निरस्त कर जमा कराये गये। इसी प्रकार सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 19,54,003 लोगों को पाबन्द किये जाने हेतु नोटिस प्रेषित किये गये है, जिसमें से 12,35,924 लोगों को पाबन्द किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग द्वारा 4429 बिना लाइसेंस के अवैध शस्त्र, 4684 कारतूस, 2066.5 किलोग्राम विस्फोटक व 242 बम बरामद कर सीज किये गये। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 1392 केन्द्रों पर रेड डाली गयी और 77 केन्द्रों को सीज किया गया। आदर्श आचार संहिता के अनुपालन में 06 अप्रैल को पुलिस विभाग द्वारा 06 लाइसेंसी शस्त्र निरस्त कर जमा कराये गये। सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 76,564 लोगों को पाबन्द किया जा चुका है। साथ ही 223 बिना लाइसेंस के अवैध शस्त्र, 217 कारतूस व 15 बम बरामद कर सीज किये गये। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 149 केन्द्रों पर रेड डाली गयी और 04 केन्द्रों को सीज किया गया।

सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में हो मुख्तार अंसारी मामले की न्यायिक जांचः अखिलेश यादव

● अखिलेश ने सांसद अफजाल अंसारी, उमर व मुख्तार के भतीजे शोएब से गाजीपुर में की मुलाकात

लखनऊ/गाजीपुर। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव आज पूर्व विधायक, दिवंगत मुख्तार अंसारी के गाजीपुर जिले के मोहम्मदाबाद स्थित उनके आवास 'फाटक' पहुंचे। अखिलेश यादव ने मुख्तार अंसारी के भाई गाजीपुर के सांसद अफजाल अंसारी, बेटे उमर अंसारी, उनके भतीजे शोएब अंसारी तथा अन्य परिजनों से मुलाकात की और शोक संवेदना प्रकट की। अखिलेश यादव ने मुख्तार अंसारी को श्रद्धांजलि अर्पित की। पूरे मामले की सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में न्यायिक जांच कराने की मांग की। भाजपा सरकार पर किसी को भरोसा नहीं है। सरकार न्याय नहीं दिलाएगी।

सपा के बड़ी संख्या में नेता कार्यकर्ता और गाजीपुर जिले के तमाम लोग भी मौजूद रहे। मीडिया से बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि जब से भाजपा की सरकार आई है संवैधानिक संस्थानों पर भरोसा कम हुआ है। मुख्तार अंसारी ने खुद कहा था कि उन्हें जहर दिया जा रहा है। हमें उम्मीद है की सरकार सच्चाई सामने लाएगी और मुख्तार अंसारी के परिवार वालों को न्याय मिलेगा। अखिलेश ने कहा कि जो व्यक्ति इतने वर्षों तक जेल में रहा हो, उसके बाद भी जनता उसे जिता रही हो तो इसका मतलब है कि उस व्यक्ति और उसके परिवार ने जनता के बीच रहकर उनके दुख दर्द में साथ दिया है। मीडिया और सोशल मीडिया में तमाम कहानियां है कि किस तरह से इस परिवार ने लोगों के बीच काम किया है और उनके दुख दर्द को बांटता रहा है। यह परिवार जनता के बीच रहता है। यादव ने कहा कि हमने हमेशा कहा है कि भाजपा सरकार में लोगों के साथ भेदभाव हो रहा है। सबसे ज्यादा पुलिस हिरासत में मौतें उप्र में हो रही है। जेल में मौतें होना, थाने में मौतें होना, मुख्यमंत्री आवास के सामने न्याय न मिलने से आत्मदाह की कोशिश जैसी तमाम घटनाएं हो रही है। उत्तर प्रदेश में न्याय न मिलने से तमाम लोगों की जाने गई है, इस सरकार को कोई परवाह नहीं है। अखिलेश ने कहा कि क्या कोई स्वीकार करेगा कि मुख्तार अंसारी की यह नेचुरल डेथ थी।

अन्याय काल के समाप्त होने का वक्त आ गयाः आराधना मिश्रा

लखनऊ। कांग्रेस मुख्यालय पर शहर कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी, एवं डॉ. शहजाद आलम की संयुक्त अध्यक्षता में लखनऊ कांग्रेसजनों की एक महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश में हो रहे लोकसभा चुनाव की तैयारियों एवं सांगठनिक ढांचा तैयार करने को लेकर सम्पन्न हुई। बैठक का मुख्य एजेंडा बूथ लेवल एजेंट बनाने का, पोलिंग स्टेशन इकाई का गठन, वार्ड एवं नगर की कमेटियों का गठन, चुनाव संचालन एवं समन्वय समितियों का गठन था।

बैठक को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि 10 साल अन्याय काल के समाप्त होने का वक्त आ गया है। हमें जमीन पर उतरकर कांग्रेस पार्टी के न्याय पत्र के 5 न्याय और 25 गारंटियों को प्रदेश भर में घर-घर तक पहुंचाना है। बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद प्रदेश कांग्रेस कोषाध्यक्ष श्री शिव पाण्डेय जी दोनों नवनियुक्त शहर अध्यक्षों का स्वागत करते हुए कहा कि

हमें पूर्ण विश्वास है कि आप दोनों के कुशल नेतृत्व में लखनऊ में कांग्रेस पार्टी को एक नई दिशा मिलेगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं प्रभारी प्रशासन श्री दिनेश कुमार सिंह जी ने कहा कि संगठन का निर्माण जमीन पर मेहनत करके ही हो सकता है। भाजपा के इस कुशासन का अंत करने के लिए हम सबको सम्पूर्ण ताकत एवं सम्पर्ण से कार्य करना होगा।

विशिष्ट अतिथि प्रदेश सचिव अतुल सिंह ने कहा कि हमे जननायक राहुल गांधी के पगचिन्हों पर चलते हुए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के बारे में सोचना है और उसकी बेहतरी के कार्य करना है। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी एवं डॉ. शहजाद आलम जी ने अपने संयुक्त बयान में कहा कि अगले 15 दिनों में हम समस्त कमेटियों का गठन कर पूरी ताकत के साथ लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की जीत सुनिश्चित करेंगे।

बैठक में पूर्व मंत्री राजबहादुर सिंह, रमेश मिश्रा, बृजेश सिंह, डॉ. जियाराम वर्मा, पुष्पेंद्र श्रीवास्तव, राजेश मिश्रा राजन, सुशीला शर्मा, शीला मिश्रा, रूद्र दमन सिंह, शिवबालक, प्रवीन सिन्हा, विभा त्रिपाठी, एड. प्रदीप सिंह, संजय सिंह, जितेन्द्र कुमार वर्मा, सुनीता रावत, किश्वर जहां, हसन अब्बास, आलोक सिंह रैकवार, मनोज तिवारी, सोम विकल, एड0 सरोज शुक्ला, अनामिका यादव, अजय वर्मा, अमन यादव, हसीन सिद्दीकी, रईस अहमद, फखरुल इस्लाम, पंडित नितिन शर्मा, मुनीष चौधरी, अंजनि शुक्ला पिंटू, राजेन्द्र पाण्डेय, अखिलेश श्रीवास्तव, शिव नारायण पाल, हाशिम अली, पंकज सिंह, हामिद अली, गिरिजाशंकर अवस्थी, सहित भारी संख्या में लखनऊ कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

राजनीतिक दलों के लिए दूरदर्शन व आकाशवाणी के केन्द्रों पर प्रसारण का समय आवंटित

लखनऊ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 तथा प्रदेश की विधानसभा उप निर्वाचन में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय तथा राज्यस्तरीय राजनैतिक दलों को दूरदर्शन तथा आकाशवाणी के केन्द्रों पर प्रसारण समय आवंटित किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में 06 राष्ट्रीय दलों तथा उत्तर प्रदेश के 02 राज्यीय दलों को दूरदर्शन और आकाशवाणी पर प्रचार-प्रसार के लिए समय की न्यायसंगत हिस्सेदारी का आवंटन किया गया है। यह सुविधा पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों या किसी स्वतंत्र अभ्यर्थी को उपलब्ध नहीं होगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश की लोकसभा निर्वाचन तथा विधानसभा उप चुनाव के लिए राष्ट्रीय दलों एवं राज्यीय दलों को दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के माध्यम से प्रचार-प्रसार के लिए समय निर्धारित कर दिया गया है। राष्ट्रीय दलों को दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के राष्ट्रीय चैनल पर प्रचार-प्रसार हेतु लगभग 10 घंटे का समय आवंटित किया गया है। जिसमें भाजपा को 241 मिनट, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 148 मिनट, कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया (मार्क्सवादी) को 54 मिनट, आप को 47 मिनट, नेशनल पीपुल पार्टी को 45 मिनट, बसपा को 64 मिनट का समय आवंटित किया गया है।

राष्ट्रीय दलों को दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के क्षेत्रीय केन्द्रों पर प्रचार-प्रसार हेतु कुल 15 घंटे का समय आवंटित किया गया है, जिसमें भाजपा को 362 मिनट, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 222 मिनट, कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया (मार्क्सवादी) को 81 मिनट, आप को 71 मिनट, नेशनल पीपुल पार्टी को 68 मिनट, बहुजन समाज पार्टी को 96 मिनट समय आवंटित किया गया है। दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के क्षेत्रीय केन्द्रों और राज्य राजधानी केन्द्र पर प्रचार-प्रसार के लिए राज्य स्तरीय पार्टियों में सपा को 53 मिनट तथा अपना दल (सोनेलाल) को 27 मिनट आवंटित किये गये हैं। साथ ही इन दोनों राज्यीय दलों को पूरे देश में दर्शकों के लिए उपलब्ध दूरदर्शन के क्षेत्रीय सेटलाइट सेवा चैनल और आकाशवाणी के राष्ट्रीय हुकअप पर 10-10 मिनट का समय आवंटित किया गया है। दूरदर्शन व आकाशवाणी पर किसी भी राजनैतिक दल के ऐसे बयानों को प्रसारण की अनुमति नहीं होगी, अन्य देशों की निन्दा की गयी हो, धर्मों या समुदायों पर हमला किया गया हो, कुछ भी अश्लील या अपमानजनक बात, हिंसा भड़काने संबंधी बयान, ऐसा बयान न्यायपालिका की अवमानना हो, राष्ट्रपति और न्यायपालिका की सत्यनिष्ठा के प्रति निन्दा संबंधी बयान, ऐसा बयान जो देश की एकता, सम्प्रभुता और अखण्डता को प्रभावित करता हो या किसी व्यक्ति का नाम लेकर कोई आलोचना की गयी हो।

राजनीतिक दलों व उम्मीदवारों को समान अवसर प्रदान कर रहा सुविधा पोर्टल व एपः नवदीप रिणवा

● सुविधा पोर्टल पर उत्तर प्रदेश में चुनाव संबंधी अनुमति के लिए अब तक मिले 3273 अनुरोध

लखनऊ। उप्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 की घोषणा और आदर्श आचार संहिता के लागू होने के बाद से सुविधा पोर्टल पर राजनैतिक पार्टियों और प्रत्याशियों की ओर से बड़ी संख्या में रैलियों, अस्थायी पार्टी कार्यालय खोलने, डोर टू डोर प्रचार, वीडियो वैन, हेलीकॉप्टर, वाहन परमिट प्राप्त करने और पम्फलेट वितरण के लिए अनुमति के अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश में सुविधा पोर्टल पर 3273 अनुरोध प्राप्त हुए हैं। अनुरोधों का अध्ययन करने के बाद पारदर्शी तरीके से अनुरोधों को स्वीकृत किया जा रहा है। सुविधा पोर्टल के माध्यम से अब तक 2453 अनुरोधों को स्वीकृति प्रदान की गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को समान अवसर प्रदान किए जाने हेतु सुविधा पोर्टल विकसित किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से राजनैतिक पार्टियों और प्रत्याशियों के द्वारा अधिक से अधिक अनुरोध किया जा रहा है। अनुमतियों और सुविधाओं के लिए प्राप्त होने वाले अनुरोधों को समयबद्ध रूप से कार्रवाई कर प्रक्रिया को सुगम बनाया जा रहा है।

प्रवर्तन एजेन्सियां व उड़नदस्ते हैं सक्रिय

लखनऊ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में प्रवर्तन एजेन्सियों व उड़नदस्तों द्वारा सक्रियता से कार्य किया जा रहा है। इसके तहत अवैध शराब, नकदी आदि की जब्ती संबंधी आयोग के निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आबकारी, आयकर, पुलिस एवं नार्कोटिक्स विभाग एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा 01 मार्च से 06 अप्रैल, 2024 तक कुल 128.42 करोड़ रुपये कीमत की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातुएं, मुफ्त उपहार व नगदी आदि जब्त किये गये, इसमें 2139.13 लाख रुपये नकद धनराशि, 3059.97 लाख रुपये कीमत की 955663.64 लीटर शराब, 4722.77 लाख रुपये कीमत की 7625774.11 ग्राम ड्रग, 1783.28 लाख रुपये कीमत की 52398.86 ग्राम बहुमूल्य धातुएं एवं 1137.23 लाख रुपये कीमत की अन्य सामग्री जब्त की गयी। आबकारी, आयकर, पुलिस एवं नार्कोटिक्स विभाग एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा 06 अप्रैल, 2024 को कुल 1481.16 लाख रुपये कीमत की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातु व नगदी आदि जब्त किया गया। इसमें 17.20 लाख रुपये नकद धनराशि, 167.92 लाख रुपये कीमत की 103881.68 लीटर शराब, 290.94 लाख रुपये कीमत की 349405.81 ग्राम ड्रग, 5.09 लाख रुपये कीमत की 13235 ग्राम बहुमूल्य धातुएं एवं 10 करोड़ रुपये कीमत की अन्य सामग्री जब्त की गयी। 06 अप्रैल को प्रमुख जब्ती में जनपद अमरोहा की अमरोहा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 10 करोड़ रुपये अनुमानित कीमत का 80000 लीटर मिथाइल एल्कोहल तथा जनपद गाजीपुर की जमनिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 2.34 करोड़ रुपये अनुमानित कीमत की 269 किलोग्राम ड्रग पकड़ी गयी।

भाजपा के स्थापना दिवस पर विविध आयोजन

लखीमपुर खीरी।केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय कुमार मिश्रा ने विधानसभा लखीमपुर के ग्राम महम्मदाबादए सरैंय्याए पन्यौराए ओयलए बनिका एवं उधन्ना में जनसम्पर्क किया गया एवं केन्द्रीय चुनाव कार्यालय 28 खीरी लोकसभा एवं भारतीय जनता पार्टी कार्यालय लखीमपुर में हर्षोल्लास एवं बाइक रैली निकालकर भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस मनाया गया।

केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय कुमार मिश्रा ने भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर केन्द्रीय चुनाव कार्यालय 28 खीरी लोकसभा एवं भाजपा कार्यालय लखीमपुर में कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर मेरे कर्मठ और परिश्रमी कार्यकर्ताओं को बहुत.बहुत बधाई और शुभकामनाएं। आज उन सभी महान विभूतियों को नमन करने का दिन हैए जिन्होंने वर्षों की अपनी कड़ी मेहनतए संघर्ष और त्याग से पार्टी को सींचकर इस ऊंचाई तक पहुंचाया है। मैं आज पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि भाजपा देश की सबसे पसंदीदा पार्टी हैए जो ष्राष्ट्र प्रथमष् के मंत्र के साथ जन.जन की सेवा में जुटी है।

केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय कुमार मिश्रा ने जनसम्पर्क के दौरान कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि भौगोलिक दृष्टि से देखे तो और जनसंख्या की दृष्टि से देखे तो हमने दुनिया के सबसे बड़े राजनैतिक दल के रूप में अपने दल को इस सफलता तक पहुंचाया है। 13 मई को लोकसभा का चुनाव है लोकसभा हमारे देश की सबसे बड़ी पंचायत है और जब लोकसभा चुनाव के लिए आप वोट डालते हो तो क्षेत्र के विकास के साथ.साथ आपका वोट देश के लिए बहुमूल्य होता है जहां इस वोट से आपको अपनी सुविधाएं मिलती है अपनी जरूरतें पूरी होती है क्षेत्र को समय से बिजलीए पानी मिलता है वही देश की भी कुछ समस्याएं होती है उनका समाधान आप अपने वोट से ऐसी सरकार चुनकर करते हो जिस पर आपका भरोसा व विश्वास हो। यही कारण है कि पिछले 10 सालों में आज से 10 साल पहले 2014 में आप लोगों ने कमल के फोटो पर वोट दे करके नरेन्द्र मोदी जी को इस देश का प्रधानमंत्री बनाया मुझे सांसद बनाया भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाईए 2017 में उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ जी को मुख्यमंत्री बनाया यह सब आपके वोट के कारण हुआ आपको क्या लगता है कि इस दौरान आपके जीवन में कुछ बदलाव आए अब जब हम आपके बीच में वोट मांगने आए है प्रमुख जी ने कहा कि सभी लोगों को मतदान करना है नातेदारए रिश्तेदारों से कहना है ज्यादा से ज्यादा वोट डलवाए। केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय कुमार मिश्रा जी ने कहा कि 10 साल पहले गांवों में घर बनाने के लिए कोई पैसा देता था पानी की टंकी बनवाता था गांव को पक्की सड़क से जोड़ने का काम करता था बिजली आज आपके यहां जैसे आ रही है पहले आती थी पहले तो बिजली एक हफ्ता दिन तथा एक हफ्ता रात में आती थी। अब घरों में लालटेन कहा है किसी को पता है नहीं पता है क्योंकि अब लालटेन की जरूरत खत्म हो गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने अब हर गांव में स्वच्छ पेयजल के लिए पानी की टंकीए ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में जिनके सिर पर छत नहीं थी उन लोगों को आवास दिया गयाए प्रत्येक गांव में शौचालय का निर्माण करायाए हर गांव में पक्की सड़कों का निर्माण जैसी बहुत सी योजनाओं से लाभांवित किया है। कार्यक्रम में विधायक सदर योगेश वर्माए विनीत मनार अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक लखीमपुरए नरेन्द्र सिंह प्रतिनधि अध्यक्ष जिला पंचायतए ब्लाक प्रमुख लखीमपुर दिव्या सिंहए रविन्द्र पाल सिंहए ब्लाक प्रमुख नकहा पवन गुप्ताए ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि बेहजम रामू राजए पुष्पा सिंह पूर्व अध्यक्ष अर्बन को.आपरेटिव बैंकए सांसद प्रतिनिधि अरविन्द सिंह ष्संजयष्ए सांसद प्रतिनिधि जितेन्द्र त्रिपाठी ष्जीतूष्ए सांसद प्रवक्ता अम्बरीष सिंहए मण्डल अध्यक्ष ओयल नीरज मिश्राए अंकुर शुक्लाए अजय अवस्थीए शान्तनु तिवारीए कपिल वर्माए रामनरेश सिंहए शर्मा प्रजापतिए प्रमोद सिंह ष्पम्मूष् सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

12 अप्रैल से नर्मदेश्वर व दुर्गा जी की प्राण प्रतिष्ठा का होगा शुभारम्भ

16 अप्रैल को पूर्णाहूति व प्रसाद वितरण के साथ होगा विश्राम

रूरा, कानपुर देहात। बीते करीब 10 वर्षों से कस्बे के दक्षिणी भाग व क्षेत्रीय आस्था के प्रमुख केन्द्र के रूप में उभरे बस स्टाप चौराहा से केबिन जाने वाले मार्ग पर स्थित संकटमोचन मॅदिर में बहुप्रतीक्षित देवाधिदेव महादेव के लिंग के रूप में नर्मदेश्वर व दुर्गा जी की प्रतिमा का भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह के आयोजन का शुभारम्भ 12 अप्रैल से किया किया जायेगा। आयोजकों ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिये युद्धस्तर पर तैयारियॉ प्रारम्भ कर दी है। मामा के नाम से विख्यात रवि शर्मा के नेतृत्व में आयोजक मण्डल के अनुराग भट्ट, राहुल विश्वकर्मा, कल्लू मिश्रा, मिथिलेश शर्मा, बबलू सक्सेना, श्याम गुप्ता गुरूरू, शिवा विश्वकर्मा, शेर सिंह आदि ने बताया कि रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण के चलते पश्चिमी केबिन की बन्दी के चलते नवदुर्गा सहित अन्य अवसरों पर लोगों को कस्बे के उत्तरी दिशा में स्थित भगवान मॅगलेश्वर मॉ दुर्गा मॅदिर, पाथामाई मॅदिर, परहुल देवी मॅदिर सहित अन्य मॅदिरों में दर्शन पूजन के आवागमन में घोर परेशानियों का सामना करना पडता था। आवागमन के लिये एकमात्र मिनी अण्डरपास में लगता भीषण जाम व जलभराव की समस्या के चलते भक्तों को अपने अराध्य के दर्शन पूजन के लिये मन मसोस कर रह जाना पडता था। कस्बे के दक्षिणी भाग में स्थित रूरा के चार वार्डों, भटौली, मल्लाहनपुरवा सहित अन्य गॉवों के हजारों भक्तों की समस्या को देखते हुये देवाधिदेव महादेव के नर्मदेश्वर के रूप में विशाल शिवलिंग व आदिशक्ति मॉ दुर्गा की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा का निर्णय लिया गया, स्थानीय लोगों के सहयोग से 12 अप्रैल से भव्य प्राणप्रतिष्ठा समारोह के आयोजन का शुभारम्भ गणेश पूजन एवॅ पॅचाग पूजन के साथ किया जायेगा, 13 अप्रैल को पूजन व अधिवास, 14 अप्रैल को मूर्ति महास्नान, नगर भ्रमण व देव मिलाप बारात, 15 अप्रैल को प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया जायेगा, 16 अप्रैल को पूर्णाहुति व प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का विश्राम किया जायेगा।

प्रोजेक्ट नई किरण में 20 मामलों मे 2 में समझौता

कानपुर देहात। पुलिस लाइन स्थित सभागार कक्ष में प्रोजेक्ट नई किरण की शुरूआत पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति की अध्यक्षता में की गई । नई किरण में 20 मामले आये जिनमें नई किरण के सभी सदस्यों द्वारा समझानें के बाद 02 परिवारों में आपसी सुलह समझौते के आधार पर समझौता कराया गया । पति.पत्नी खुशी.खुशी साथ रहने को तैयार हो गयेए शेष प्रार्थना पत्रों में आगे की तिथि दी गयी । प्रोजेक्ट नई किरण के तहत बिखरे परिवारों को एक सूत्र में बांधने का प्रयास है इस कार्यक्रम में थानाध्यक्ष महिला थाना श्रीमती सुमन दीक्षित ए म0का0 रामा देवी ए म0का0 इन्दूए म0का0 रामरोशनीए म0का0 मीनाक्षी व म0का0 रागिनी मुतैना ;महिला सहायता प्रकोष्ठद्ध तथा नई किरण प्रोजेक्ट के सदस्यगण डॉ0 श्रीमती पूनम गुप्ताए श्री रामप्रकाश सिंहए श्री जिआउल हक व श्रीमती कंचन मिश्रा आदि मौजूद रहे । मंगलपुर पुलिस द्वारा 1 अभियुक्त को 1 अवैध तमंचा 1 अदद जिन्दा कारतूस साथ किया गया गिरफ्तार

महिला सम्बन्धी अपराध में वांछित को किया गिरफ्तार

कनपुर देहात। महिला सम्बन्धी अपराधों की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में वादिनी मुकदमा द्वारा पंजीकृत कराया गया था। दौराने विवेचना पीडिता की बरामदगी व धारा 161 व 164 सीआरपीसी के बयानों एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 376 भादवि0 व 3ध्4 पाक्सो एक्ट की बढोतरी की गयी। मुकदमा उपरोक्त में वांछित अभियुक्त दिलीप यादव पुत्र रतन सिंह निवासी ग्राम गढिया भदोल चन्दीकरा थाना बरनाहल जनपद मैनपुरी को थाना मंगलपुर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर संदलपुर चौराहा कस्बा संदलपुर थाना क्षेत्र मंगलपुर से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष नियमानुसार प्रस्तुत किया जा रहा है ।

500 ग्राम गांजा के साथ किया गया गिरफ्तार

कनपुर देहात।पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति के निर्देशन में जनपद कानपुर देहात में अपराधों व अवैध मादक पदार्थों की तस्करीध्बिक्री की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में थाना गजनेर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त मुन्ना उर्फ रफीक पुत्र रसीद निवासी सैंथा थाना गजनेर 01 किलो 500 ग्राम गांजा नाजायज के साथ सैंथा रोड की बायी तरफ बने ट्यूबबेल के पास थाना क्षेत्र गजनेर से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त की गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियुक्त के विरूद्ध थाना गजनेर पर मु0अ0सं0 73ध्24 धारा 8ध्20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को नियमानुसार माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

लोकसभा चुनावके दृष्टिगत अभियुक्त को तमंचा 315 बोर व कारतूस के साथ किया गया गिरफ्तार

कनपुर देहात। क्षेत्राधिकारी अकबरपुर के कुशल पर्यवेक्षण में जनपद कानपुर देहात में आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत अपराधों की रोकथाम व अवैध शस्त्र बरामदगी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना गजनेर पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए मुखबिर खास की सूचना पर अभियुक्त विजय पुत्र पुतानी निवासी सडवा थाना गजनेर को 01 अदद अवैध तमंचा 315 बोर व 01 अदद जिन्दा कारतूस के साथ हिम्मापुरवा तिलौंची मोड से करीब 100 कदम पहले तिलौंची क्रासिंग की ओर ग्राम हिम्मापुरवा थाना क्षेत्र गजनेर से गिरफ्तार किया गय

भीषण अग्निकांड में नौ झोपड़ियां राख गौवंशीय पशु की जलकर दर्दनाक मौत

निघासन . खीरी । बीती रात करीब ढाई बजे स्थानीय फायर स्टेशन अंतर्गत ग्राम अदलाबाद में अज्ञात कारणों से लगी आग में नौ झोपड़ियां जलकर राख हो गईं ए इस अग्निकांड में ग्रामीणों की हजारों की संपत्ति नष्ट हो गई और साथ में एक छोटी बछिया की ; गौवंशीय पशु द्ध जलकर मौत हो गई । जानकारी के अनुसार बीती रात करीब ढाई बजे ग्राम अदलाबाद में अज्ञात कारणों से आग लग गई ए जिसकी चपेट में आकर प्रताप सिंह पुत्र रामेश्वर ए आशीष ए अश्विनी तथा सचिन पुत्र प्रताप सिंह ए चंद्रपाल ए अमृतपाल ए प्रेमपाल पुत्र रामरतन तथा बृजेन्द्र एवं धर्मेन्द्र पुत्र कैलाश सभी निवासी ग्राम अदलाबाद के जानवरों के रहने के लिए बनाई गई घास फूस की झोपड़ियां तथा उसमें रखी हजारों की संपत्ति राख के ढेर में तब्दील हो गई ए इस अग्निकांड में गाय की एक छोटी बछिया भी जलकर मर गई ए अग्नि कांड की सूचना पाकर फायर स्टेशन निघासन द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए दो यूनिटों के माध्यम से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका । छप्पर में रखे भूसा कंडा तथा अन्य घरेलू सामान सहित हजारों की संपत्ति नष्ट होने का अनुमान व्यक्त किया गया है लेकिन गनीमत यह रही कि कोई जनहानि नहीं हुई ।

मेधा अलंकरण समारोह में दस विद्यार्थियों को मिला सम्मान

फतेहपुर। सरस्वती बाल मंदिर इंटर कॉलेज रघुवंशपुरम में रविवार को मेधा अलंकरण एवं अभिभावक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश सरकार के पूर्व न्याय मंत्री राधेश्याम गुप्त ने की। मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष प्रभुदत्त दीक्षित, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष आशीष मिश्रा, बहुआ ब्लॉक के पूर्व प्रमुख महेंद्र सिंह यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की आराधना से हुआ। तत्पश्चात विद्यालय के प्रबंधक राकेश कुमार त्रिवेदी व प्रधानाचार्य ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इसके बाद अपनी-अपनी कक्षा में सर्वश्रेष्ठ दस विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र व शील्ड देकर सम्मानित किया। पूरे विद्यालय में 7 बी की प्रतिभा सिंह ने 99.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करके पहला स्थान प्राप्त किया। 8 ए के राजवीर सिंह ने 98.5 प्रतिशत अंक प्राप्त करके दूसरा स्थान, 11 सी के अभिषेक सिंह ने 98.5 प्रतिशत अंक प्राप्त करके ऑल ओवर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा शत-शत उपस्थिति देने वाले 280 विद्यार्थियों के अभिभावकों को भी माल्यार्पण करके प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बाल मंदिर खागा के प्रधानाचार्य राज कपूर सिंह सहित पूरे विद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

नेत्र शिविर में 167 मरीजों का परीक्षण

पुखरायां। कानपुर देहात श्री ओमर वैश्य सेवा समिति पुखराया द्वारा आयोजित निरूशुल्क 107 वॉ नेत्र शिविर शंकरा आई हॉस्पिटल चौबेपुर कानपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ। इसमें 167 मरीजों का परीक्षण किया। 88 मरीजों को रेफर किया गया।डाण्की टीम मे शंकरा आई हास्पिटल चौबेपुर कानपुर से डाण् मेघा शर्माए शिवानीए निशाए पूजाए जीतेन्द्रए शरद पांडे द्वारा सम्पादित हुआ। टीम के सदस्यों ने 167 मरीजों का परीक्षण किया। सभी मरीजों का शुगरए ब्लड प्रेशर की जांच के बाद 88 मरीजो को मोतियाबिंद आप्रेशन के लिए चौबेपुर कानपुर रेफर किया गया। चिन्हित सभी मरीजों को निजी बस द्वारा शंकरा आई हास्पिटल चौबेपुर कानपुर ले जाया गया। समिति की ओर से मरीजों के लिए स्वलपाहार की व्यवस्था करायी गई। समाज सेवी श्री मती शारदा ओमरए गौरी शंकर ओमरए ए हरी कृष्ण ओमर ए दिनेश ओमर ए सत्य नारायण ओमर ए राम जी ओमर उपस्थिति रहे। अगला नेत्र शिविर 5 मई 2024को प्रात: 9बजे से दोपहर 1 बजे तक सुआ बाबा मन्दिर परिसर पुखरायॉ कानपुर देहात में होगा।

40 लीटर अवैध शराब के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

पुखरायां। कानपुर देहात। ोगनीपुर पुलिस ने अमरौधा मोड़ पर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसके पास 40 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई है। मादक पदार्थों की अवैध बिक्री के जुर्म में उसे जेल भेज दिया है।शोभित कटियार पुलिस चौकी प्रभारी अमरौधा ने बताया कि मय हमराह वह गश्त कर रहे थे। गस्त करते अमरौधा मोड़ पर पहुंचे कि तभी एक व्यक्ति अमरौधा मोड़ पर संदिग्ध हालात में मिला। वह अमरौधा की ओर जा रहा था। दिखा। उसके हाथ में प्लास्टिक की बोरी में कुछ सामान था। शक होने पर हम पुलिस वालों ने अमरौधा की ओर जा रहे इस व्यक्ति को रोका व टोका तो यह व्यक्ति अचानक हडबडाकर भागने लगा। जिसे दबिश देकर मौके से घेरकर पकडं लिया। पकडे गये व्यक्ति से नाम पता पूछते हुये जामा तलाशी ली गयीए तो इसने अपना नाम रहीश पुत्र करीम बक्स निवासी बाजार वार्ड कस्बा अमरौधा थाना भोगनीपुर कानपुर देहात उम्र लगभग 59 वर्ष बताया। पकडे गये इस व्यक्ति के कब्जे से बरामद एक प्लास्टिक की बोरी में सफेद तरल पदार्थ की दो 20.20 लीटर की पिपिया मिलीं। बरामद माल को कब्जा में लेकर पिपियों के ढक्कन को खोलकर सूंघकर देखा व हमराही कर्मचारीगणों को सूंघाकर दिखाया तो पाया कि उसमें कच्ची शराब की बू आ रही है। पकडे गये व्यक्ति ने पूछताछ में बताया कि वह कस्बा अमरौधा में अपनी परचून की दुकान किये है जब सरकारी ठेका बन्द हो जाते है तो वह कच्ची शराब को वह फुटकर फुटकर बेचता है।

किसान की फरसे से कूचकर बेरहमी से हत्या

फतेहपुर। जमीनी विवाद को लेकर हुए विवाद में एक पक्ष से महिला-पुरुषों ने लाठी-डंडे और फरसे से हमला बोलकर एक युवक की सिर कूचकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गांव में तनाव की स्थिति बन गई है।

जानकारी के अनुसार गाजीपुर थाना क्षेत्र के हसनपुर लोदियानी गांव में रविवार सुबह करीब नौ बजे के करीब पुराने जमीनी विवाद को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। कस्बे के रहने वाले रामू हाड़ा (40) पुत्र इंद्रजीत पर दूसरे पक्ष के महिला पुरुषों ने लाठी-डंडे और फरसे से हमला कर दिया। बेरहमी से पिटाई करने के बाद युवक का सिर और मुंह कूचकर हत्या कर दी। सुबह-सुबह यह हत्या उस समय हुई जब खेत में मजदूर चना की फसल काट रहे थे। मजदूरी कर रहे लोग डर की वजह से मौके से भाग गए। हत्या की सूचना पर सीओ फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंच गए हैं। हत्या के बाद से सभी हमलावर फरार चल रहे हैं।

बताया जा रहा है कि हमलावर में एक व्यक्ति असोथर का है, जो कि अपनी बेटी-दामाद के घर पर रहता था। सुबह खेत में जमीनी विवाद और चना काटने को लेकर झगड़ा हुआ। हत्या के बाद सभी आरोपी मौक से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक विजय शंकर मिश्रा, पुलिस उपाधीक्षक जाफरगंज के अलावा थाना प्रभारी विनोद मिश्रा भी मौके पर पहुंचे और अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। एसपी श्री सिंह ने बताया कि जमीनी विवाद में एक व्यक्ति की लाठी-डंडे से पीट पीटकर हत्या की गई है। मृतक के भाई पप्पू हाड़ा की तहरीर पर दो अज्ञात महिलाओं समेत सात लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

एनजीओ के उत्कृष्ट कार्यों की क्षेत्र में हो रही सराहना-संतोष

गुरसहायगंज (कन्नौज)। सावरकर हेल्प फाउन्डेसन के पदाधिकारियों द्वारा कडी मेहनत कर एनजीओ को आगे बढानें का कार्य किया है। एनजीओ द्वारा गरीब एवं मेधाबी बच्चों के हित में चलाये जा रहे निशुल्क शिक्षा एवं कम्प्यूटर शिक्षा सहित समाज सेवा के कार्य को नगर सहित क्षेत्रीय लोगों द्वारा सराहना भी की जा रही है। कहा कि मैं ऐसे ऊर्जावान पदाधिकारियों सहित एनजीओं के उत्कृष्ट कार्यों से प्रभावित हूं।

यह बात बीती शाम क्षेत्र के ग्राम ज्ञानपुर मे सावरकर हेल्प फाउंडेशन के दो वर्ष पूर्ण होने पर शुभ कन्यादान योजना का प्रारंभ करनें के उपरान्त क्रय बिक्रय समिति अध्यक्ष संतोष चतुर्वेदी ने कही। इससे पूर्व कार्यक्रम के आयोजकों ने क्रय विक्रय समिति अध्यक्ष का फूल मालायें पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस दौरान एनजीओ संचालक संदीप चतुर्वेदी, अध्यक्ष सचिन द्विवेदी, उपाध्यक्ष आनंद मिश्रा, संयोजक मंजुल द्विवेदी, सचिव अमर पांडेय, कोषाध्यक्ष अमन कुशवाहा, उपसचिव सुनील पाल, महासचिव अनुराग पटेल, सुशील कुमार सक्सेना व एनजीओ के सदस्य सहित एनजीओ के बच्चे और सभी ग्रामवासी मौजूद रहे।

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या:फतेहपुर। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के खोजे का पुरवा गांव निवासी सलमान की 26 वर्षीय पत्नी सोनी ने घर के अंदर संदिग्ध अवस्था में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। पुलिस मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज घटना की जांच पड़ताल कर रही है। मृतका के परिजनों ने बताया कि उसका मयका ललौली थाना क्षेत्र के जजरहा गांव में था, उसकी शादी 6 वर्ष पूर्व हुई थी।

सामाजिक समरसता व भाईचारे का प्रतीक है होली का पर्वः दुबे

फतेहपुर। होली का पर्व सामाजिक समरसता व भाईचारे का प्रतीक है। यह पर्व खुशियां बांटने का भी पर्व है। जिला उद्योग व्यापार मंडल व्यापारियों की समस्याओं को लेकर वचनबद्ध है। इसी उद्देश्य के तहत होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया है। यह बात शहर के आईटीआई रोड स्थित एक लाज में व्यापार मंडल के आयोजित होली मिलन समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष रवि प्रकाश दुबे ने कही। होली मिलन समारोह में रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए। साथ ही फूलों की होली खेली गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते प्रदेश अध्यक्ष रवि प्रकाश दुबे ने व्यापारियों, अधिवक्ताओं एवं पत्रकार बंधुओ का आभार प्रकट किया। भाजपा जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल ने कार्यक्रम में सहभागिता निभाते हुए समारोह की तारीफ करते हुए भजन को सराहा। भविष्य में ऐसे कार्यक्रम के होने की आशा जताई। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष राजकुमार मौर्य, जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश वर्मा के अलावा अन्य गणमान्य व्यापारी व वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने शिरकत की। कार्यक्रम के पश्चात स्वादिष्ट भोज का सभी ने आनंद उठाया। समारोह में वरिष्ठ व्यापारी हरिओम रस्तोगी, आनंद स्वरूप रस्तोगी ने कार्यक्रम का हिस्सा बनकर सभी पदाधिकारो एवं आयोजकों का उत्साहवर्धन किया। वरिष्ठ एडवोकेट मणि प्रकाश दुबे, हितेंद्र बहादुर सिंह, राजीव अग्रवाल सहित कई वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। सभी वरिष्ठ व्यापारियों, अधिवक्ताओं व पत्रकारों के साथ ही पदाधिकारियों को माला शाल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर आशुतोष रस्तोगी, धीरेंद्र सिंह, प्रकाश सिंह, बद्री गुप्ता, राजकुमार मिश्रा, रामबाबू गुप्ता, वरिंदर सिंह, सत्य भगवान, संजय मोदनवाल, रजोल शुक्ला, मुन्ना सिंह, बिंदकी अध्यक्ष सुशील लोहिया, धाता अध्यक्ष भानु प्रताप केसरवानी, खखरेरू अध्यक्ष अनिल केसरवानी, ज्ञान केसरवानी, मो अकरम, अरविंद आर्या आदि उपस्थित रहे।

बारदाना न होने से गेहूं खरीद बंद

कुरारा(हमीरपुर) विकास खंड क्षेत्र के साधन सहकारी समिति शेखूपुर में सरकारी गेंहू खरीद केंद्र में बारदाना न होने के कारण खरीद ठप हो गई है। जिससे किसान गेंहू की तौल कराने के लिए परेशान घूम रहे हैं। उच्चाधिकारी कोई ध्यान नही दे रहे है।भोली गांव के किसान बबलू सिंह ,मुन्ना पांडे,सोबरन सिंह, बचरौली गांव निवासी हेम सिंह, आदि किसानो ने बताया कि केंद्र में बोरे उपलब्ध न होने के कारण गेंहू की तौल बंद हो गई है। ऐसे में किसान अपना गेंहू लेकर केंद्र में डेरा डाले हैं। केंद्र प्रभारी जगपाल सिंह से जानकारी की तो उन्होंने बताया कि बारदाना खत्म होने की जानकारी अधिकारियों को दी गई है। जल्द व्यवस्था कराए जाने के लिए मांग की है। बोरे उपलब्ध होते ही खरीद शुरू की जाएगी। किसानों का कहना है कि इस मामले में क्षेत्रीय किसान कई मर्तवा प्रशासन से शिकायत कर चुके है मगर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है।

पीड़िता ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग:फतेहपुर। विद्युत चेकिंग टीम में निलंबित विद्युत कर्मी समेत दल ने अकेली महिला के घर में घुसकर वीडियो बनाने का आरोप लगाते हुए पीड़िता ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर करवाई की मांग किया है। सदर कोतवाली के मोहल्ला मसवानी निवासी एक महिला ने पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि शनिवार को वह घर में अकेली थी व नहा रही थी। तभी उसके घर में विद्युत चेकिंग के नाम पर शांतीनगर उपकेंद्र में तैनात कर्मी टीजी-टू विजय चौहान, मीटर रीडर उमेश कुमार, अनिल कुमार व सौरभ यादव आदि लोग घुस आए और उसका वीडियो बनाने लगे। विरोध करने पर चेकिंग दल ने दस हज़ार रुपए मांगने व इनकार करने की दशा में विद्युत चोरी के मुकदमे मे फंसा देने की धमकी देने का आरोप लगाया। पीड़िता ने बताया कि चेकिंग दल में विद्युत विभाग द्वारा बर्ख़ास्त कर्मी अभिनव मौर्या भी था। विभाग द्वारा पूर्व में शिकायतों के चलते सेवाएं समाप्त की गई थी। वहीं मामले पर उपखण्ड अधिकारी आशीष मिश्रा ने बताया कि उन्हें इस संबंध में अभी तक कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

शिक्षा मित्र की पत्नी के मकान पर कब्जा कर पीटा, दंपत्ति सहित पांच के खिलाफआफआई आर

फर्रुखाबाद। सूने पड़े मकान पर कब्जा कर शिक्षामित्र की पत्नी को घसीट-घसीट कर पीट दिया। जिससे उसके काफी चोट आयी। मामले में महिला की तहरीर पर पुलिस नें दम्पत्ति सहित पांच के खिलाफमुकदमा दर्ज कर जाँच शुरू कर दी।थाना कादरी गेट के श्याम नगर भोपतपट्टी निवासी सुरेन्द्र कुमार विकास खंड शमसाबाद के रमापुर जसू में शिक्षामित्र के पद पर तैनात हैं। उनकी पत्नी उपासना ने मुकदमा दर्ज कराया, जिसमे कहा कि साल 2011 में उसने मोहल्ले के ही चन्द्रपाल पुत्र रामलाल से उसके मकान में से डेढ़ डिसमिल भूमि खरीदी थी । जिस पर मकान बनाकर रह रही है। बीते 23 मार्च को वह होली के चलते अपने पैत्रक गाँव रमापुर जसू घर में ताला डालकर गयी थी । बीते 28 मार्च को जब घर पास लौटी तो उसके मकान के सभी कमरों में चन्द्रपाल व उनके परिजनों नें जबरन ताले तोड़कर अपने ताले डाल लिये। जब इसका विरोध किया तो चद्रपाल मलावर हो गया।उसकी पत्नी चन्द्रावती, पुत्र अवनेश व अग्निवेश के साथ ही प्रीति आदि नें उसके साथ जमकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों नें उपासना को बाल पकड़कर गिरा लिया और ल%जाभंग की । आरोपी अवनेश नें डंडे से मारापीटा। उपासना नें घटना का वीडियो भी मोबाइल से बनाया।पुलिस नें पांचों आरोपियों के खिलाफ147, 323, 504, 506, 448, 354 के तहत मुकदमा दर्ज किया। जाँच अवर निरीक्षक सुरजीत कुमार को दी गयी है।

पुलिस ने धोखाधड़ी व साइबर ठगी में तीन ठगों को 87000 की नगदी के साथ गिरफ्तार कर भेजा जेल

फर्रुखाबाद। पुलिस ने धोखाधड़ी व साइबर ठगी के मामले में तीन ठगो को सत्तासी हजार की नगदी के साथ गिरफ्तार कर आज शनिवार को जेल भेजने की कार्रवाई की।पुलिस प्रवक्ता ने आज शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि जिले के राजेपुर थाना क्षेत्र में भोले भाले लोगों को झूठ बोलकर फर्जी प्रपत्रों से जस्ट डायल एप के माध्यम से ट्रेडिंग हेतु फर्जी खातों में धन ट्रांसफर करवा कर साइबर ठगी का धंधा करने की सूचना कल शुक्रवार को मुखबिर के जरिए मिलते ही राजेपुर अपराध शाखा प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद कामिल व एस ओ जी टीम प्रभारी जितेंद्र पटेल तथा सर्विलांस टीम प्रभारी विशेष कुमार ने अपने दल बल के साथ थाना क्षेत्र के तुषौर तिराहा पर छापा मारकर साइबर गिरोह के तीन कुख्यात ठगो को गिरफ्तार किया।प्रवक्ता ने बताया कि साइबर ठगी करने वाले अभियुक्तों में गजेंद्र सिंह व जैनेंद्र सिंह निवासीगण नेकपुर चौरासी कोतवाली फतेहगढ़ व अमृतपुर थाना के ग्राम मियां पट्टी निवासी संजीव कुमार उर्फ सनी को गिरफ्तार किया गया जवकि इनका साथी राजेपुर थाना क्षेत्रके ग्राम भुढिया भेडा निवासी विशाल द्विवेदी मौके से फरार हो गया। प्रवक्ता ने बताया कि पकड़े गए तीनों कुख्यात ठगो के पास से 87000 की नगदी, चार मोबाइल फोन, दो एटीएम कार्ड, तीन फर्जी कूटरचित बिल वाउचर, पैन कार्ड की छाया प्रति तथा विभिन्न प्रकार के क्यूआर कोड, खाता संख्या, एटीएम कार्ड, यूपीआई, आईडी आदि की छाया प्रतिया बरामदकरपुलिसनेधारा3ध्420ध्406ध्467ध्468ध्471ध्,व66डीआईटी एक्ट मेआज शनिवार को जेल भेजने की कार्रवाई की गई।

हादसे में बाइक सवार मिठाई कारीगर की मौत

फर्रुखाबाद। बीती रात बाइक से घर जा रहे मिठाई कारीगर की सड़क हादसे में मौत हो गयी। जानकारी होनें पर परिजनों में चित्कार मच गयी। पुलिस मौके पर पंहुची। जनपद एटा के थाना सकीट नूरपुर निवासी 31 वर्षीय संजू कुमार पाल फर्रुखाबाद के आवास विकास स्थित नीलकंठ मिष्ठान भंडार पर कारीगर था। बीती रात लगभग 7.30 बजे अपने छोटे भाई योगेश से गाँव जानें की कहकर बाइक से गाँव के लिए निकला था। बीती रात किसी समय थाना नवाबगंज के ग्राम बगौना के निकट पेड़ की टक्कर लगनें से संजू कुमार पेड़ से टकरा गया । जिससे वह घायल होकर गिर गया।काफी देर तक घर न आनें पर उसकी पत्नी पूजा देवी उसको फोन करती रही लेकिन फोन रिसीब होनें के बाद भी बात नही हुई। जिसके बाद पूजा देवी नें परिजनों को जानकारी दी । सुबह 6 बजे ग्रामीणों ने संजू को गड्ढे में पड़ा देखा तो थाना पुलिस को सूचना दी। जिस पर उपनिरीक्षक गिरीश कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और उसे नवाबगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मोबाइल से उसके परिजनों को सूचना दी गयी । मृतक की माँ व पत्नी पूजा देवी का रो-रो बुरा हाल हो गया । मृतक अपने 6 भाईयों में चौथे नम्बर का था ।

पुलिस व असम बटालियन ने समधन में किया रूट मार्च

गुरसहायगंज (कन्नौज)। आगामी त्योहारों एवं लोक सभा चुनाव को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष कराने के लिए कोतवाली पुलिस ने असम बटालियन जबानों के साथ मार्च कर लोगों को सुरक्षा का एहसास कराया। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक ने लोगों से आपसी भाईचारे एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से त्योहारों को मनानें की अपील की। शनिवार को प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश शर्मा ने भारी पुलिस बल एवं असम बटालियन के जबानों के साथ क्षेत्र के कस्बा समधन के मुख्य मार्ग सहित संकरी गलियों में पैदल मार्च कर निरीक्षण किया और आगामी त्योहारों एवं 2024 लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा का एहसास कराया। इस दौरान उन्होनें नागरिकों से वार्ता कर गैरकानूनी कार्य करनें बाले लोगों की सूचना देनें की अपील की है। इस दौरान उपनिरीक्षक रोबिन सिंह, राजेश प्रताप सिंह, विनय शर्मा, राहुल पाल सिंह, ओम सिंह चौहान, चन्द्रभान सिंह सहित कांस्टेवलगंगवार सहित तमाम पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

नदी में मछली पकड़ने गये युवक की डूबने से मृत्यु

हमीरपुर। मुस्करा क्षेत्र में रविवार को विरमा नदी में मछली पकडने गये युवक की नदी में डूबने से मृत्यु हो गयी। पुलिस के मुताबिक क्षेत्र के शिवनीडेरी गांव निवासी ओम निषाद(28) पुत्र सुमेरा नदी के किनारे सब्जी उगाने काम करते थे। विरमा नदी में गहरे गहरे गड्ढों में ओम मछली पकड़ने लगा तभी वह गहराई में चला गया और डूबने से उसकी मृत्यु हो गयी। काफी देर तक जब ओम नही लौटा तो उसके छोटे भाई पवन ने इधर उधर खोजना शुरु किया तो उसकी लाश गड्ढे में उतरा रही थी। जानकारी होने पर पुलिस मौके पर पहुची लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है।

चाय में अमूल दूध डालते ही फटा,सैम्पल जांच के लिये भेजा

मौदहा, हमीरपुर। अमूल दूध चाय में डालते ही चाय खराब हो गयी खराब दूध होने की शिकायत पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने नमूना लेकर जांच के लिये भेजा है। नगर के बैंक ऑफ़बड़ौदा में तैनात बैंक मैनेजर उपेंद्र मिश्रा ने शनिवार की दोपहर गांधी विद्यालय मार्ग स्थित एक किराने की दुकान से आधा लीटर अमूल दूध का पैकेट लिया और चाय बनाते समय जब उक्त दूध भगोने में डाला गया तो वह थक्कों में बदल गया। यह देख उनकी पत्नी हतप्रभ रह गई उन्होंने अपने पति से सारी बात बताते हुए भगोना दिखाया जिस पर बैंक मैनेजर उपेंद्र मिश्रा ने उप जिला अधिकारी राजेश चंद्रा से इस मामले की शिकायत की।

हम जनता को जनार्दन मानते हैं जबकि कांग्रेस के लोग एक परिवार को : राजनाथ

भाषा। जयपुर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को दावा किया कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार का ट्रैक रिकॉर्ड शानदार रहा है क्योंकि वह जनता को जनार्दन मानती है जबकि कांग्रेस के लोग एक परिवार को। राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा जनता से किए गए सभी वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। बीकानेर के कोलायत में सिंह ने भाजपा उम्मीदवार अर्जुनराम मेघवाल के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, प्रधानमंत्री की राजनीति का ट्रैक रिकार्ड बेहद शानदार है और यह इसलिए शानदार है, क्योंकि हम जनता को जनार्दन मानते हैं और कांग्रेस के लोग एक परिवार को। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाती है तो उन्हें दुख होता है। सिंह ने कहा, कांग्रेस सेना के जवानों पर सवाल उठाती है। वे सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगते हैं। पूरी दुनिया को सबूत मिल गया है, सिर्फ कांग्रेस को नहीं मिला। उन्होंने एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा का समर्थन करते हुए कहा कि इससे देश का पैसा, समय और संसाधन बचेंगे। उन्होंने कहा, एक देश, एक चुनाव को लोगों का समर्थन मिलेगा लेकिन कांग्रेस आदतन इसका विरोध कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत 2027 की शुरुआत तक अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। इसके बाद झुंझुनूं में लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा सारी दुनिया ने यह मानलिया है कि 2024 में भारत में दो तिहाई बहुमत से यदि किसी की सरकार बनने जा रही है तो भाजपा के नेतृत्व में राजग की सरकार बनने जा रही है और मोदी भारत के प्रधानमंत्री तीसरी बार बनने जा रहे है। उन्होंने कहा यही कारण है कि दूसरे देशो के बहुत सारे राष्ट्राध्यक्ष हमारे प्रधानमंत्री को आमंत्रित कर रहे है। उन्होंने कहा अंतर्राष्ट्रीय जगत में भारत की प्रतिष्ठा बढी है। 2014 में अर्थव्यवस्था के आकार में भारत दुनिया के देशो में 11 वें स्थान पर था आज भारत पांचवे स्थान पर पहुंच गया है।

सेना ने लद्दाख में बर्फबारी के बीच फंसे 80 लोगों को बचाया

भाषा। लेह

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में लेह और श्योक नदी घाटी के बीच 17,688 फुट ऊंचे चांग ला दर्रे में बर्फबारी के बीच फंसे कम से कम 80 लोगों को बचा लिया गया है, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। सेना ने रविवार को यह जानकारी दी। भारतीय सेना की लेह स्थित फायर एंड फ्यूरी (14वीं) कोर ने कहा कि आधी रात को चलाए गए इस बचाव अभियान को त्रिशूल प्रभाग के सैनिकों ने अंजाम दिया। सेना की फायर एंड फ्यूरी (14वीं) कोर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, त्रिशूल प्रभाग के सैनिकों ने चांग ला के ऊंचे बर्फीले स्थानों पर यातायात अवरोध को दूर करने के लिए आपातकालीन स्थिति में तुरंत कार्वाई की और रात में दो घंटे तक लगातार काम किया तथा बर्फबारी के बीच फंसी महिलाओं और बच्चों सहित लगभग 80 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने महाबोधि मंदिर में पूजा-अर्चना की

भाषा। गया

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को बोधगया का दौरा किया और बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र मंदिर महाबोधि मंदिर में पूजा-अर्चना की। गया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने के तुरंत बाद, उपराष्ट्रपति सीधे 1500 साल पुराने महाबोधि मंदिर गए। हवाई अड्डे पर बिहार के राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर ने उपराष्ट्रपति का स्वागत किया। महाबोधि मंदिर के दर्शन से जुडी अपनी कुछ तस्वीरें एक्स पर साझा करते हुए उपराष्ट्रपति ने पोस्ट में कहा, इतिहास से भरे इस पवित्र स्थल का दर्शन उनके लिए सौभाग्य की बात है, जो भगवान गौतम बुद्ध की कालजई शिक्षाओं के साथ प्रतिध्वनित होता है। उन्होंने कहा, बोधगया, आध्यात्मिक महत्व का स्थल है, जहां भगवान बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था। यह मानवता की सामूहिक चेतना में एक विशेष स्थान रखता है। आइए हम भगवान बुद्ध की शिक्षाओं से प्रेरणा लें और उनके प्रेम और करुणा के संदेश को अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करें। यह संदेश अब पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। उपराष्ट्रपति ने बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर के साथ बोधगया में महाबोधि मंदिर में पूजा की। बाद में दिन में धनखड़ भारतीय प्रबंधन संस्थान बोधगया के छठे वार्षिक दीक्षांत समारोह में भाग लेंगे। उपराष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए गया में पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान संयुक्तता एवं एकीकरण पर त्रि-सेवा सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय सेना के तीनों अंगों के बीच संयुक्तता और एकीकरण प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए, पहल और सुधार लाने के उद्देश्य से पहला त्रि-सेवा सम्मेलन सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने रविवार को बताया कि परिवर्तन चिंतन नाम से आयोजित होने वाले इस एक दिवसीय सम्मेलन की अध्यक्षता प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान करेंगे। रक्षा मंत्रालय ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा कि आठ अप्रैल 2024 को आयोजित होने वाला परिवर्तन चिंतन एक अग्रणी त्रि-सेवा सम्मेलन है, जिसका उद्देश्य संयुक्तता एवं एकीकरण के प्रयासों को आगे बढ़ाने के वास्ते नवीन एवं अद्यतन विचार, पहल व सुधार को सृजित करना है। बयान में कहा गया, भारतीय सशस्त्र बलों ने भविष्य के युद्धों के लिए तैयार रहने के अपने प्रयासों के क्रम में एक बड़े परिवर्तनकारी बदलाव की शुरुआत की है। संयुक्तता एवं एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए पहल की जा रही है और त्रि-सेवा बहुआयामी (मल्टी डोमेन) संचालन को संभव बनाने के लिए संरचनाओं को संशोधित किया जा रहा है। बयान में कहा गया, यह चिंतन सभी त्रि-सेवा संस्थानों, सैन्य कार्य विभाग, मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ और तीनों सेवाओं के प्रमुखों का पहला सम्मेलन होगा, जिसमें विभिन्न सेवा वर्ग के अधिकारी अपनी विविधतापूर्ण समझ तथा अनुभव के आधार पर वांछित संयुक्तता एवं एकीकरण के अंतिम लक्ष्य को तेजी से हासिल करने के उपायों के बारे में सुझाव देंगे।

भाजपा के हथियार के रूप में काम कर रहीं जांच एजेंसियां: ममता

भाषा। पुरुलिया (पश्चिम बंगाल)

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि केंद्रीय जांच एजेंसियां तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेताओं से या तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने या कार्रवाई का सामना करने के लिए कह रही हैं। पुरुलिया जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और आयकर विभाग जैसी एजेंसियां भाजपा के हथियार के रूप में काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, टीएमसी नेताओं को परेशान करने के लिए एनआईए, ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। वे बिना किसी पूर्व सूचना के छापेमारी कर रहे हैं और घरों में घुस रहे हैं। जब रात में सभी लोग सो रहे हों और कोई उनके घर में घुस जाए तो महिलाएं क्या करेंगी। बनर्जी भूपतिनगर में शनिवार की घटना का जिक्र कर रही थीं जहां एक विस्फोट मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार करने गई एनआईए की एक टीम पर भीड़ ने हमला कर दिया था। उन्होंने आरोप लगाया, एजेंसियां हमारे नेताओं और कार्यकर्ताओं को या तो भाजपा में शामिल होने अन्यथा कार्वाई का सामना करने के लिए कह रही हैं। लोगों से किसी भी उकसावे में न आने की अपील करते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा 17 अप्रैल को रामनवमी पर सांप्रदायिक भावनाएं भड़काएगी। उन्होंने आरोप लगाया, आपसे (भाजपा) एक बात कहूंगी- रैलियां आयोजित करें लेकिन दंगे नहीं कराएं। 19 अप्रैल को मतदान होगा और वे 17 अप्रैल को दंगे करेंगे। भगवान राम ने आपको दंगे भड़काने के लिए नहीं कहा है। लेकिन वे ऐसा करेंगे और फिर एनआईए को लाएंगे। मुख्यमंत्री ने केंद्र की भाजपा-नीत सरकार पर पश्चिम बंगाल को मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजनाओं के लिए धन से वंचित करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गरीबों को घर बनाने के लिए 1.2 लाख रुपए देगी, खासकर जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और कूचबिहार में, जो पिछले हफ्ते आए तूफान से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग अभी हमें पैसे देने की अनुमति नहीं देगा। चुनाव के बाद हम गरीबों के घर बनाएंगे। बनर्जी ने कहा कि राज्य सरकार अपनी योजना के तहत गरीबों को काम देगी। उन्होंने कहा, अगर संभव हुआ तो इस साल हम 60 दिन के काम की व्यवस्था करेंगे। बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार ने पीएम-आवास के तहत घर पाने के लिए पात्र 11 लाख लोगों की एक सूची केंद्र को भेजी थी, लेकिन भाजपा उस सूची के विवरण का इस्तेमाल चुनाव उद्देश्यों के लिए कर रही है और लोगों को फोन करके नए सिरे से आवेदन करने के लिए कह रही है। मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा, कृपया कोई नया आवेदन न करें। चुनाव के बाद हम राज्य के अपने कोष से सभी 11 लाख लोगों के लिए घर बनाएंगे। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र ने टीएमसी के नेताओं द्वारा कथित अनियमितताओं का पता लगाने के लिए राज्य में 136 टीम भेजी हैं। उन्होंने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा, लेकिन, जांच में क्या निकला? कृपया एक श्वेत पत्र जारी करें। बनर्जी ने कहा कि टीएमसी अपने वादों को पूरा करने में विश्वास करती है। उन्होंने रैली में भाग लेने वाली महिलाओं से यह देखने के लिए कहा कि राज्य की लक्ष्मी भंडार योजना के तहत 1,000 रुपए की मासिक सहायता उनके बैंक खातों तक पहुंची है या नहीं।

क्विक न्यूज

जेपी नड्डा की पत्नी का चोरी हुआ वाहन वाराणसी से बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा की पत्नी के एक एसयूवी वाहन को दिल्ली के गोविंदपुरी मे एक सर्विस सेंटर से चोरी होने के लगभग दो सप्ताह बाद उत्तर प्रदेश के वाराणसी से बरामद कर लिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मामले मे तीन वाहन चोरों को गिरफ्तार किया गया है जिनकी पहचान उत्तर प्रदेश निवासी शिवांश त्रिपाठी (23), सलीम (34) और मोहम्मद रईस (33) के रूप मे की गई है। पुलिस ने बताया कि सफेद रंग की टोयोटा फॉर्च्यूनर 19 मार्च को दक्षिण-पूर्व दिल्ली के गोविंदपुरी से तब चोरी हो गई थी, जब इसका चालक जोगिंदर इसे सर्विस सेंटर पर छोड़कर कुछ देर के लिए घर लौटा था। पुलिस ने कहा कि एसयूवी नड्डा के गृह राज्य हिमाचल प्रदेश मे उनकी पत्नी के नाम पर पंजीकृत है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिणपूर्व) राजेश देव ने बताया, आरोपियों में से एक कार चोर है जबकि दो अन्य चोरी की कारों को एक राज्य से दूसरे राज्य पहुंचाते थे। उनकी गिरफ्तारी के साथ, चोरी में इस्तेमाल की गई एक और चोरी की कार उनके कब्जे से बरामद की गई। उन्होंने कहा कि जोगिंदर द्वारा गोविंदपुरी पुलिस थाने मे ई-प्राथमिकी दर्ज कराने के बाद जांच शुरू की गई। डीसीपी ने बताया, मामला दक्षिणपूर्व दिल्ली के वाहन चोर रोधी दस्ते को स्थानांतरित कर दिया गया था और एक टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान, टीम ने कई सीसीटीवी कैमरो की फुटेज का विश्लेषण किया और हरियाणा के फरीदाबाद के बड़खल तक पहुंची। उन्हें सूचना मिली कि शिवांश त्रिपाठी और उसका गिरोह कथित तौर पर इस मामले में शामिल है और पहली सफलता 22 मार्च को तब मिली जब टीम ने उसे पटियाला हाउस अदालत के पास पकड़ा। उत्तर प्रदेश के हरदोई निवासी त्रिपाठी ने अपने परिवार की खराब वित्तीय स्थिति के कारण दसवी कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। पुलिस ने बताया कि वह अपनी रोजर्मा की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक गिरोह की मदद से दिल्ली-एनसीआर से लग्जरी कार चुराने लगा। वह पहले भी वाहन चोरी के कई मामलो में संलिप्त था। पूछताछ मे त्रिपाठी ने पुलिस को बताया कि उसने यह चोरी गोविंदपुरी के गिरि नगर मे अपने सहयोगी एवं फरीदाबाद के बड़खल निवासी शाहिद, दिल्ली के चंदन होला में रहने वाले उसके दामाद फारूक और एक अन्य व्यक्ति शाहकुल के साथ मिलकर की थी। डीसीपी ने बताया कि एसयूवी चोरी करने के बाद वे कथित तौर पर इसे फरीदाबाद मे फारूक के फार्महाउस मे ले गए, जहां से इसे लखीमपुर खीरी निवासी सलीम को बेच दिया गया। उन्होंने बताया कि सलीम चोरी की लक्जरी कारें खरीदता था। सलीम को पकड़ लिया गया और पूछताछ के दौरान उसने बताया कि उसने वाहन को मोहम्मद रईस नाम के एक अन्य व्यक्ति को बेच दिया, जिसने बाद मे इसे किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया। डीसीपी ने बताया कि पुलिस ने जांच के बाद एसयूवी को वाराणसी से बरामद कर लिया। उन्होंने बताया कि सभी आरोपियों की गिरफ्तारी से वाहन चोरी के दो मामले सुलझा लिए गए है।

फडणवीस ने खडसे का कभी विरोध नहीं किया: बावनकुले

पुणे। भारतीय जनता पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने रविवार को कहा कि राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे का कभी विरोध नही किया। खडसे ने करीब तीन साल पहले भाजपा की प्रदेश इकाई के नेतृत्व के साथ मतभेदो के बाद पार्टी के साथ 40 साल पुराना अपना रिश्ता खत्म कर दिया था और वह शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अविभाजित) में शामिल हो गए थे। उन्होंने शनिवार को कहा कि वह अगले सप्ताह नई दिल्ली मे अपनी मूल पार्टी मे शामिल होंगे।पूर्ववर्ती देवेंद्र फडणवीस सरकार मे मंत्री रहे खडसे ने एक भूमि सौदे के मामले को लेकर 2016 में मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। लंबे इंतजार के बाद वह शरद पवार की अगुवाई वाली अविभाजित राकांपा में शामिल हो गए थे। खडसे ने फडणवीस और उनके विश्वासपात्र गिरीश महाजन को उनके राजनीतिक करियर को नुकसान पहुंचाने का जिम्मेदार बताया था। भाजपा मे उनकी वापसी से उत्तर महाराष्ट्र क्षेत्र में पार्टी की ताकत फिर से बढ़ने की संभावना है। ह पूछे जाने पर कि क्या फडणवीस को खडसे की भाजपा में वापसी पर कोई आपत्ति है, बावनकुले ने यहां मीडियाकर्मियो से कहा, देवेंद्र फडणवीस ने एकनाथ खडसे का कभी विरोध नही किया। बल्कि, जब वह भाजपा मे थे, तब फडणवीस ने उनके साथ बहुत सम्मानपूर्वक व्यवहार किया और मै इसका साक्षी हूं। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी की एक केंद्रीय और एक प्रदेश समिति है जो पार्टी मे शामिल होने वाले नए लोगो के मामलो को देखती है। दोनो समितियां एकनाथ खडसे के भाजपा मे शामिल होने पर निर्णय लेंगी। भाजपा नेता ने कहा कि जब खडसे, फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार मे कैबिनेट मंत्री थे, तब उन्होने (फडणवीस ने) हमेशा उन्हे (खडसे को) पूरा सहयोग दिया। उन्होने कहा कि जब खडसे ने पार्टी छोड़ दी थी तब भी उनके साथ व्यक्तिगत संबंध खराब नही हुए। बावनकुले ने आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर यहां भाजपा के घर चलो अभियान मे हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कभी किसी को पार्टी में शामिल होने से मना नहीं किया है। अशोक चव्हाण, अर्चना पाटिल सहित कई नेता हमारी पार्टी मे शामिल हुए है।

प्रधानमंत्री की रैली में त्रुटि के लिए ट्रोल हुए नीतीश

नवादा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को रविवार को सोशल मीडिया पर यह भविष्यवाणी करने के लिए ट्रोल किया गया कि राजग लोकसभा की स्वीकृत संख्या से कई गुना अधिक चार हजार से अधिक सीटें जीतेगा। जदयू प्रमुख ने नवादा जिले में एक रैली में अपने संबोधन के दौरान यह गलती की, इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वहां मौजूद थे। कुमार के भाषण का जो हिस्सा वायरल हो गया है, उसमें उन्हें खुद को सही करने से पहले चार लाख बोलते हुए और प्रधानमंत्री की ओर मुड़ कर चार हजार से भी ज्यादा (4000 से अधिक) कहते सुना जा सकता है। शायद वह आम चुनाव में 400 से अधिक सीट जीतने की कामना कर रहे थे। राजद प्रवक्ता सारिका पासवान ने एक्स पर लिखा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी, मोदी जी को चार लाख से अधिक सांसद देने की सोचे, फिर उन्हें लगा यह ज्यादा होगा, 4000 सांसदों से काम चल जाएगा। बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नीतीश कुमार की उम्र 70 साल से अधिक है और हाल के दिनों में कुछ मौकों पर उनकी जुबान फिसलने के कारण भी वे खबरों में रहे हैं। इस बीच जदयू नेताओं ने नवादा प्रकरण पर पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

आजादी, संविधान खतरे में : भगवंत मान

भाषा। चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर रविवार को निशाना साधा और आरोप लगाया कि आजादी एवं देश का संविधान खतरे में है। मान और राज्य सरकार के कई मंत्री तथा विधायक आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में एक-दिवसीय अनशन के लिए शहीद भगत सिंह नगर जिले के खटकड़ कलां में एकत्र हुए। आप ने दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में देशव्यापी सामूहिक अनशन का आह्वान किया था। खटकड़ कलां महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह का पैतृक गांव है। केजरीवाल को पिछले महीने प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में गिरफ्तार किया था। वह 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में हैं। मान ने सभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आप के विस्तार से घबरा गई है, जो 10 साल में ही एक राष्ट्रीय पार्टी बन गई। उन्होंने कहा, हमने 10 साल में दो राज्यों में सरकार बनाई। गुजरात और गोवा में हमारे विधायक हैं और चंडीगढ़ में महापौर हैं। हमारे 10 राज्यसभा सदस्य हैं। इसलिए वे (भाजपा) डर गए क्योंकि किसी भी पार्टी का इतनी तेजी से विस्तार नहीं हुआ। मान ने कहा, इस वजह से, उन्होंने (उनके खिलाफ) बोलने वाले नेताओं पर छापेमारी कराई और उनकी आवाज दबाने के लिए उन्हें सलाखों के पीछे डाल दिया। उन्होंने कहा, वे (भाजपा) ऐसी कोई आवाज नहीं चाहते जो उनके खिलाफ जाए। ए केजरीवाल की आवाज ही थी जो पूरे देश में फैल रही थी। वह सच बोलते हैं और हम उनके सिपाही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ने केजरीवाल को गिरफ्तार कर उनकी आवाज दबाने के बारे में सोचा। उन्होंने कहा, लेकिन उनकी सोच को कैद कैसे करोगे? वे (भाजपा) अब डरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि 16 मार्च, 2022 को गठित उनकी सरकार का पहला निर्णय सरकारी कार्यालयों में केवल महान शहीद भगत सिंह और डॉ. बीआर आंबेडकर की तस्वीरें लगाना था। उन्होंने आरोप लगाया कि आज आजादी और संविधान खतरे में है।मान ने भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे नेताओं के भाजपा के साथ आने को लेकर भी केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी पर निशाना साधा और कहा कि भाजपा के पास इसमें शामिल होने वाले किसी भी भ्रष्ट व्यक्ति को साफ सुथरा बनाने के लिए एक वॉशिंग मशीन है। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा वास्तव में मोदी लहर में विश्वास करती है तो केजरीवाल को गिरफ्तार करने की क्या जरूरत थी। उन्होंने कहा कि मतदाता तय करेंगे कि वे किसे चाहते हैं।

जब्ती के बाद मालखाने में रखे भांग, गांजा को चूहों ने किया नष्ट

अदालत में पुलिस का दावा

भाषा। धनबाद

झारखंड के धनबाद जिले के एक थाने में जब्त कर रखे गए 10 किलोग्राम भांग और नौ किलोग्राम गांजा को नष्ट करने का आरोप चूहों पर लगा है। संबंधित मामले से जुड़े एक वकील ने रविवार को बताया कि पुलिस ने मामले की जानकारी जिले की एक अदालत को दी। अदालत द्वारा राजगंज थाने के प्रभारी अधिकारी को छह साल पहले जब्त किए गए भांग और गांजा को पेश करने का निर्देश दिए जाने के बाद पुलिस ने शनिवार को प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश राम शर्मा को एक रिपोर्ट सौंपी। अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि चूहों ने थाने के मालखाने में रखे मादक पदार्थों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया। अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में थाने में मामला दर्ज किया गया था। राजगंज पुलिस ने 14 दिसंबर 2018 को 10 किलो भांग और नौ किलो गांजा जब्त करने के साथ शंभू प्रसाद अग्रवाल और उसके बेटे को गिरफ्तार किया था। उनके खिलाफ थाने में प्राथमिकी भी दर्ज की गई थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने मामले के जांच अधिकारी जयप्रकाश प्रसाद को जब्त भांग और गांजा को छह अप्रैल को अदालत में पेश करने का आदेश दिया था। मामले में बचाव पक्ष के वकील अभय भट्ट ने पीटीआई-भाषा को बताया, प्रसाद शनिवार को राजगंज पुलिस थाना प्रभारी के आवेदन के साथ अदालत में पेश हुए, जिसमें कहा गया कि चूहों ने सभी जब्त सामग्री को नष्ट कर दिया।

पेज 1 का शेष

केजरीवाल की..

साजिश के तहत फंसाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल मुख्यमंत्री बने रहेंगे। ईडी, सीबीआई के पास 456 गवाह हैं। दोनों एजेंसियों ने 50,000 पन्नों की चार्जशीट बनाई है। 456 गवाहों में से सिर्फ 4 गवाहों ने ही अरविंद केजरीवाल का नाम लिया है। सिंह ने कहा, केजरीवाल ईमानदार थे, हैं और रहेंगे। उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी पर सवाल उठाया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को सत्ता से बाहर करने के लिए आप और विपक्षी इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों को जीताने के लिए कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया। दिल्ली की मंत्री अतिशी ने भाजपा पर तानाशाही करने का आरोप लगाया और दावा किया कि आप का एक दिवसीय अनशन भाजपा की रातों की नींद उड़ा देगा। उन्होंने दावा किया कि केजरीवाल की गिरफ्तारी से लोगों में गुस्सा है और यह भाजपा के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी। पार्टी नेताओं ने बताया कि आप शासित पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और कई मंत्री स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह के गांव खटकर कलां में सामूहिक अनशन में शामिल हुए हैं। आप की दिल्ली इकाई के संयोजक गोपाल राय ने लोगों से केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में अनशन में शामिल होने की अपील की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी आप को खत्म करने की भाजपा की साजिश का हिस्सा है। केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था और वह 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में हैं। मंत्री आतिशी ने भाजपा पर तानाशाही का सहारा लेने का आरोप लगाया और दावा किया कि आप का उपवास भगवा पार्टी की रातों की नींद उड़ा देगा। उन्होंने दावा किया कि केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर लोगों में गुस्सा है और यह भाजपा के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी। बापू ने लगभग 18 उपवास रखे, उनका सबसे लंबा उपवास 21 दिनों तक चला, सिर्फ एक बार नहीं बल्कि उन्होंने 21 दिन का उपवास तीन बार रखा। वह कहते थे कि वह जो सही है उसके लिए लड़ने के लिए ये उपवास रखते हैं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि संजय सिंह दिन-रात काम करते हैं। वह पीएम मोदी का धन्यवाद करते हैं जिनकी वजह से सिंह को 6 महीने के लिए स्वास्थ्य लाभ लेने का समय मिला। संजय जब से जेल से बाहर आएं हैं, वापस काम में लग गए हैं। पहली रात आते ही पार्टी ऑफिस में लंबा-चौड़ा भाषण दिया। आज जो माहौल जंतर-मंतर पर बना है। उसे देखकर 2011-12 के माहौल की याद आ गई। सौरभ ने कहा कि उन्हें लगता है कि इसी चीज से हमारी पार्टी को सबसे ज्यादा शक्ति मिलती है। जब हम सड़क पर आकर लड़ाई लड़ते हैं। मान, कई मंत्रियों और आप विधायकों के साथ, गिरफ्तारी के विरोध में एक दिन के उपवास के लिए शहीद भगत सिंह नगर जिले के खटकर कलां में एकत्र हुए। इसके अलावा केजरीवाल को आशीर्वाद अभियान के तहत देश के 25 राज्यों में समर्थकों ने सामूहिक उपवास रखकर केजरीवाल की गिरफ्तारी का विरोध किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र राजस्थान, तेलंगाना, झारखंड, केरल, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, जम्मू कश्मीर, हरियाणा, समेत अन्य राज्यों की राजधानियों, जिला व ब्लॉक मुख्यालयों और गांव-कस्बे में लोगों ने सामूहिक उपवास कर केजरीवाल को आशीर्वाद दिया। हरियाणा में सामूहिक उपवास पर रहे इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी डॉ. सुशील गुप्ता ने कहा कि भाजपा पूरे सिस्टम को अपने कब्जे में लेकर सभी संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर बना रही है। आप गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष ईशुदान गढ़वी ने कहा कि भाजपा अंग्रेजों की तरह कार्य कर रही है। कार्यकर्ताओं से दूर रखने के लिए केजरीवाल को जेल में डाला गया है। जबकि असम में आप के प्रदेश अध्यक्ष भाबेन चौधरी ने कहा कि देश भर में आम आदमी पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता और केजरीवाल को चुनाव प्रचार से रोकने के लिए मोदी सरकार ने यह साजिश रची है।

ईसी के...

इन्फोग्राफिक्स, विशेष रूप से 18-30 आयु वर्ग में महिला मतदाताओं की बढ़ती भागीदारी को उजागर करता है, जो भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया की समावेशिता को दर्शाता है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) और राष्ट्रीय सार्वजनिक प्रसारक, डीडी न्यूज और आकाशवाणी द्वारा 'टर्निंग 18' अभियान के पर्याप्त प्रभाव के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार की सुविधा प्रदान की गई है। इसके अलावा, कई गुना प्रभाव डालने के लिए राष्ट्रीय और राज्य के प्रमुख आइकन के अपने लोकप्रिय नेटवर्क के साथ सहयोग किया है। 'टर्निंग 18' अभियान के आधार पर, चुनाव आयोग ने 'यू आर द वन' नामक एक और अभियान शुरू किया। इस पहल का उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया में शामिल विभिन्न हितधारकों के अमूल्य योगदान को पहचानना और लोकतंत्र के उत्सव का जश्न मनाना है। मतदाताओं और राजनीतिक दलों से लेकर बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ), ग्राउंड स्टाफ, मतदान दलों, प्रशासनिक कर्मियों, मीडिया पेशेवरों, केंद्रीय बलों और सुरक्षा कर्मियों तक, प्रत्येक हितधारक चुनावी प्रक्रिया की अखंडता और दक्षता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आकर्षक कहानी कहने और मनमोहक दृश्यों के माध्यम से अभियान इन व्यक्तियों के समर्पण और प्रतिबद्धता को उजागर करता है, जो लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों पर गर्व की प्रेरणा देता है।इसमें प्रमुख हितधारकों, दिलचस्प उपाख्यानों और पिछले चुनावों की कहानियों और वीडियो/रीलों को उजागर करना शामिल है जो पर्दे के पीछे काम करने वाली मतदान टीमों के अथक प्रयासों को उजागर करते हैं, जो प्रत्येक मतदाता तक पहुंचने को सुनिश्चित करने के लिए चुनौतीपूर्ण इलाकों में नेविगेट करते हैं। अभियान की कई अन्य दिलचस्प विशेषताएं हैं जैसे 'चुनावी किस्से' पिछले चुनावों की दिलचस्प चुनावी कहानियां साझा करना शामिल हैं। फिर भारतीय चुनाव श्रृंखला का ए से जेड उपयोगकर्ताओं को चुनाव संबंधी नियमों और प्रक्रियाओं के बारे में सूचित करता है। ईसी के साथ वर्ड प्ले एक और श्रृंखला है जहां उपयोगकर्ता चुनाव से संबंधित शब्दों की तलाश करते हैं। चुनावी प्रक्रिया से संबंधित सबसे प्रासंगिक सवालों के जवाब देने के लिए 'सवाल जवाब' श्रृंखला, पोल और पिक्सेल श्रृंखला के माध्यम से, चुनाव आयोग शुरुआत से ही भारतीय चुनावों की एक दृश्य यात्रा साझा करता है।ऑनलाइन फर्जी खबरों और गलत सूचनाओं के प्रसार के जवाब में, चुनाव निकाय ने कहा कि उसने तथ्यों की सच्चाई जांचने की पहल शुरू की है, जैसा कि मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने हाल ही में रेखांकित किया था। अभियान का उद्देश्य फर्जी खबरों का भंडाफोड़ करना है और लोगों से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जानकारी साझा करने से पहले सावधानी और परिश्रम बरतने का आग्रह करना है। इसके अतिरिक्त, अनुसूची, आईटी अनुप्रयोगों और आयोग के निर्णयों, मतदाता सूची में नाम की जांच कैसे करें और मतदान केंद्रों को कैसे ढूंढें आदि सहित अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी उपयोगकर्ताओं के लिए सटीक और क्रमबद्ध जानकारी के लिए ग्राफिक रूप से और रीलों के साथ साझा की जाती है।

पश्चिम बंगाल...

ने कहा कि केंद्रीय एजेंसी पर हमला करने का मतलब भारतीय संविधान पर हमला करना है। सीपीआई (एम) के सुजन चक्रवर्ती ने भी कहा कि पूरे गेम प्लान की योजना मुख्यमंत्री द्वारा बनाई जा रही थी। उन्होंने कहा, आप क्या उम्मीद करते हैं जब सीएम खुद संदेश भेज रही हैं कि केंद्रीय एजेंसी उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं कर सकती।

सिंहभूम...

बलों की ओर से ऑपरेशन एनाकोंडा समेत कई अभियान चलाकर अपनी उपस्थिति साबित करने में सफल रहा। क्षेत्र में सुरक्षा बलों के कुल 15 नए शिविर स्थापित किए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि हेलीकॉप्टरों के अलावा, पोलिंग पार्टियां ट्रेनों और सड़कों के माध्यम से यात्रा करेंगी। ट्रेनों द्वारा 121 टीमें भेजी जाएंगी। पैदल चलने वाली टीमों को क्लस्टर प्वाइंट तक पहुंचना होता है और फिर मतदान केंद्रों पर जाना होता है। मतदान के दिन सुबह साढ़े पांच बजे तक सभी टीमों को मॉक पोलिंग करने के लिए स्टेशनों पर पहुंचना होगा। निर्वाचन क्षेत्र में 62 से अधिक मतदाता हैं जिनकी उम्र 100 वर्ष से अधिक है। उनमें से एक मनोहरपुर थाने के नंदपुर इलाके के वाल्टर लकड़ा हैं(जिन्होंने डीसी से कहा कि वह मतदान केंद्र तक पैदल नहीं जा पाएंगे। चौधरी ने कहा कि उन्हें अपने दरवाजे पर अपने मताधिकार का प्रयोग करने का विकल्प मिलेगा।

बंगाल के कुछ हिस्सों में गुंडों का नियंत्रण : राज्यपाल

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने कहा कि कानून-व्यवस्था पूरे राज्य में खराब नहीं है और राज्य के कुछ हिस्सों में हिंसा के लिए वर्तमान तृणमूल कांग्रेस सरकार को पूरी तरह से जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि इसका कारण अतीत की विरासत हो सकता है। बोस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच कई मुद्दों पर मतभेद रहा है। बोस ने यहां राजभवन में पीटीआई-भाषा से एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि उनकी और बनर्जी की धारणाएं अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन वे एक उचित शिष्टाचार बनाए रखते हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल में अपने मौजूदा कार्यकाल को उनके लिए तथ्यान्वेषण और डेटा-एकत्रित करने का समय बताया।
बोस ने कहा कि कानून-व्यवस्था पूरे राज्य में खराब नहीं हुई है, लेकिन उन्होंने दावा किया कि गुंडों का काफी इलाकों पर नियंत्रण है। उन्होंने कहा, मैंने संदेशखालि में देखा कि महिलाएं सम्मान के साथ शांति चाहती थीं, लेकिन उनका सम्मान खंडित हो गया था। यह चिंताजनक स्थिति थी, जो पश्चिम बंगाल के परिदृश्य को खराब कर रही है। यह (स्थिति) कुछ क्षेत्रों तक सीमित है लेकिन इनकी संख्या बढ़ रही है। यह समस्या है। इसलिए मैं यह नहीं कहूंगा कि कानून-व्यवस्था पूरे पश्चिम बंगाल में ध्वस्त हो गई है, लेकिन ऐसे काफी क्षेत्र हैं, जहां गुंडों का नियंत्रण है। बहरहाल, राज्यपाल ने राज्य के कुछ हिस्सों में हुई हिंसा के लिए वर्तमान तृणमूल कांग्रेस सरकार को पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया और कहा कि यह अतीत की विरासत थी। उन्होंने 19वीं सदी में इंग्लैंड के संसदीय क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा, चुनाव के लिए कृत्रिम रूप से रॉटन बरो बनाया गया था। अब, मुझे लगता है कि यहां भी ऐसा ही हो रहा है। कुछ स्थानों पर गुंडा राज है। सुधार अधिनियम 1832 से पहले 19वीं सदी के ब्रिटेन में ऐसे संसदीय क्षेत्र के लिए रॉटन या पॉकेट बरो का इस्तेमाल किया जाता था, जिसमें बहुत कम संख्या में मतदाता होते थे और इसका संरक्षक इसका उपयोग बिना किसी विरोध के हाउस ऑफ कॉमन्स में सीट पाने के लिए कर सकता है। बोस ने कहा, और चुनी हुई सरकार ने इसे (संदेशखालि में हुए अत्याचार को) रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए। मैं बंगाल के कुछ हिस्सों में हुई हिंसा के लिए वर्तमान सरकार को पूरी तरह जिम्मेदार नहीं मानता। यह अतीत की विरासत थी, लेकिन सत्ता में मौजूद सरकार का कर्तव्य था कि वह इसे दबाए, लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा। बनर्जी के साथ उनके समीकरण और मुख्यमंत्री के कार्य करने के तरीके के बारे में उनके विचार पूछे जाने पर बोस ने कहा कि कई मुद्दों पर उन्होंने असहमति के बावजूद सहमत होने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री एक राजनीतिक व्यक्ति होता है, राज्यपाल ऐसा नहीं होता। स्वाभाविक रूप से, उनकी धारणाएं मुझसे अलग होंगी। ऐसे कई मौके आए जब हमारी सोच एक-दूसरे से अलग रही, लेकिन हमने असहमति के बावजूद सहमत होने का फैसला किया। हम हमेशा उपयुक्त शिष्टाचार बनाए रखने की कोशिश करते हैं। उन्होंने एक नेता के रूप में तृणमूल प्रमुख को लेकर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने कहा, ...मैं ममता बनर्जी पर एक नेता के रूप में टिप्पणी नहीं करना चाहता। मैं कोई नेता नहीं हूं और मैं इसमें बिल्कुल भी दखल नहीं देना चाहता हूं। पूर्व नौकरशाह ने राज्य में कानून व्यवस्था की मौजूदा स्थिति के लिए आईएएस (भारतीय प्रशासनिक सेवा) अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया और आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में अधिकारी प्रशासन के प्रति पक्षपातपूर्ण हैं। उन्होंने कहा, मैं इसके लिए काफी हद तक यहां के आईएएस अधिकारियों के रवैए को उत्तरदाई कहूंगा।

भूपतिनगर विस्फोट मामले में कार्रवाई में कोई दुर्भावनापूर्ण इरादा नहीं था: एनआईए

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने दो साल पुराने विस्फोट के एक मामले में छापेमारी और गिरफ्तारी करते समय दुर्भावनापूर्ण इरादा होने संबंधी आरोप का रविवार को पुरजोर तरीके से खंडन किया। पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले में उग्र भीड़ ने एनआईए की टीम पर हमला कर दिया था। भूपतिनगर में दिसंबर 2022 में हुए एक धमाके के मामले में शनिवार को दो लोगों को गिरफ्तार करने गई एनआईए की टीम पर भीड़ ने हमला कर दिया था जिसमें एक एनआईए अधिकारी घायल हो गया था और एक वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। एनआईए के एक प्रवक्ता ने विस्फोट मामले में छापेमारी और गिरफ्तारी करते समय दुर्भावनापूर्ण इरादा होने संबंधी आरोपों को खारिज कर दिया। एनआईए के प्रवक्ता ने पूरे विवाद को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और स्पष्ट किया कि उनकी टीम पर हमला "बिना किसी उकसावे" के किया गया था। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने रविवार को आरोप लगाया कि एनआईए और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच अपवित्र गठजोड़ है। पार्टी ने यह भी कहा कि निर्वाचन आयोग ने इस मुद्दे पर स्पष्ट रूप से चुप्पी साध ली है। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, एनआईए और भाजपा के बीच गठजोड़ हो रहा है। तृणमूल कांग्रेस नेताओं और आदर्श आचार संहिता के खिलाफ साजिशें रची जा रही हैं। बनर्जी ने कहा कि यह मिलीभगत जारी है। निर्वाचन आयोग चुप्पी साधकर निष्पक्षता सुनिश्चित करने के अपने दायित्वों की अनदेखी कर रहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को आरोप लगाया था कि पूर्व मेदिनीपुर जिले के भूपतिनगर इलाके में ग्रामीणों ने एनआईए के अधिकारियों पर हमला नहीं किया, बल्कि एनआईए के अधिकारियों ने उन पर (ग्रामीणों पर) हमला किया। एनआईए ने कहा, हमला पूरी तरह से बिना किसी उकसावे के किया गया था और यह एनआईए को उसके कर्तव्यों को पूरा करने से रोकने का प्रयास था। उसने कहा कि स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा उपलब्ध कराए गए सुरक्षा घेरे में पांच स्थानों पर तलाशी ली गई।

अग्निकुल ने तीसरी बार अपने अग्निबाण उप-कक्षीय रॉकेट का प्रक्षेपण रोका

नई दिल्ली। चेन्नई स्थित अंतरिक्ष स्टार्ट-अप अग्निकुल कॉसमॉस ने रविवार को कुछ तकनीकी वजहों का हवाला देते हुए उड़ान भरने से लगभग 92 सेकंड पहले अपने अग्निबाण उप-कक्षीय रॉकेट के प्रक्षेपण को रोक दिया। इस रॉकेट को अपनी पहली उड़ान भरनी थी। मार्च 2022 के बाद से यह रविवार को अग्निबाण सब-ऑर्बिटल टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर की परीक्षण उड़ान का तीसरा प्रयास था। इस रॉकेट की परीक्षण उड़ान पहली बार श्रीहरिकोटा में इसरो के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में अग्निकुल लॉन्च पैड पर आयोजित होने वाली थी। शनिवार सुबह 7:45 बजे परीक्षण उड़ान का दूसरा प्रयास भी सफल नही हो सका। अग्निकुल ने कहा कि अग्निबाण रॉकेट को रविवार सुबह 5:30 बजे प्रक्षेपित किया जाना था, लेकिन इसे साढ़े सात बजे तक के लिए टाल दिया गया। इसने कहा कि बाद में निर्धारित समय से 92 सेकंड पहले रॉकेट की प्रक्षेपण उड़ान रोक दी गई। नवंबर 2022 में स्टार्टअप स्काईरूट एरोस्पेस के विक्रम-एस उपकक्षीय रॉकेट के प्रक्षेपण के बाद अग्निकुल भारत का दूसरा निजी रॉकेट प्रक्षेपित करना चाहता है। कंपनी के अनुसार, अग्निबाण दो चरणों वाला एक प्रक्षेपण यान है जो 300 किलोग्राम तक का पेलोड कक्षा में लगभग 700 किलोमीटर तक ले जा सकता है।

ओडिशा में अंतर-राज्ईय वन्यजीव तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, सात लोग गिरफ्तार

भुवनेश्वर। ओडिशा में वन विभाग के अधिकारियो ने गजपति जिले में एक अंतर-राज्ईय वन्यजीव तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया और गिरोह के सात लोगों को गिरफ्तार किया है। प्रधान मुख्य वन वन्यजीव संरक्षक सुशांत नंदा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अधिकारियों ने पांच तेंदुओं, एक फिशिंग कैट और एक लेपर्ड कैट की खाल के साथ बड़ी मात्रा में पैंगोलिन स्केल बरामद की। उन्होंने बताया कि वन विभाग के अधिकारी गिरोह के सरगना समेत कुछ और सदस्यों को गिरफ्तार करने की फिराक में है।

सुकमा में चार नक्सली, दो समर्थक गिरफ्तार

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में चार नक्सलियों और उनके दो समर्थकों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से विस्फोटक बरामद किए गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इन छह व्यक्तियों को केरलापाल पुलिस थाना क्षेत्र के तुमडीपारा और मिसिगुडा गांवों के बीच शनिवार शाम को उस समय पकड़ा गया, जब डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और जिला बल का एक संयुक्त दल एक तलाशी अभियान पर था। उन्होंने बताया कि केरलापाल क्षेत्र के सिरेसेटी, गडगडपारा, गोगुंडा, तुमडीपारा और आसपास के गांवों में नक्सलियों की मौजूदगी के बारे में एक गुप्त सूचना के आधार पर अभियान शुरू किया गया था।

मैं राकांपा के शरद पवार गुट के साथ रहूंगी: एकनाथ खडसे की बेटी रोहिणी ने कहा

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता एकनाथ खडसे की बेटी रोहिणी खडसे ने रविवार को कहा कि वह अपने पिता के साथ भाजपा में नही जाएंगी और शरद पवार के नेतृत्व वाले दल के साथ ही रहेंगी। एकनाथ खडसे 2020 में भाजपा से अपना 40 साल पुराना नाता तोड़कर राकांपा में शामिल हो गए थे और इसके लिए उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को जिम्मेदार ठहराया था। खडसे ने हाल में कहा था कि वह कुछ दिन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में लौटेंगे। उनकी बेटी रोहिणी खडसे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं राकांपा (शरदचंद्र पवार) पार्टी की महिला इकाई की प्रमुख के रूप में काम करती हूं और पार्टी में बनी रहूंगी। मैं माननीय शरद पवार के साथ हूं। लड़ेंगे और जीतेंगे।

विपक्ष ने मौका गंवाया, भाजपा को पूर्व व दक्षिण में मिल सकती बढ़त : पीके

भाषा। नई दिल्ली

● कहा, आलस्य और गलत रणनीतियों के कारण विपक्ष पिछड़ा

जाने-माने राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दावों को मान्य करते हुए कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी दक्षिण और पूर्वी भारत में अपनी सीट एवं मत प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि करेगी। कर्नाटक को छोड़कर इन दो क्षेत्रों में पार्टी बहुत कमजोर है। किशोर ने संपादकों के साथ बातचीत में यह भी कहा कि भाजपा के स्पष्ट प्रभुत्व के बावजूद, न तो पार्टी और न ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अजेय हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि विपक्ष के पास भाजपा के रथ को रोकने की तीन विभिन्न और यथार्थवादी संभावनाएं थीं, लेकिन आलस्य और गलत रणनीतियों के कारण उन्होंने अवसरों को गंवा दिया। किशोर ने कहा, वह (भाजपा) तेलंगाना में पहली या दूसरी पार्टी होगी जो एक बड़ी बात है। वह निश्चित रूप से ओडिशा में नंबर एक होगी। उन्होंने कहा, आपको आश्चर्य होगा क्योंकि मेरी राय में पूरी संभावना है कि भाजपा पश्चिम बंगाल में नंबर एक पार्टी बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में भाजपा का मत प्रतिशत दोहरे अंक में पहुंच सकता है। तेलंगाना, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, बिहार और केरल में लोकसभा की कुल 204 सीटें हैं, लेकिन भाजपा 2014 या 2019 में इन सभी राज्यों में 50 सीट भी नहीं जीत सकी थी। उसने इन राज्यों में 2014 में 29 और 2019 में 47 सीट हासिल की थीं। देश में लोकसभा की कुल 543 सीट हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भाजपा के अपने लक्ष्य के मुताबिक, 370 सीट जीतने की संभावना नहीं है। आंध्र प्रदेश में लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव हो रहा है। उन्होंने कहा कि वहां मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के लिए सत्ता में वापस आना "बहुत मुश्किल" होगा। किशोर ने 2019 में रेड्डी के लिए काम किया था और तब रेड्डी की वाईएसआरसी पार्टी ने तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) को हरा दिया था। तेदेपा अब भाजपा की सहयोगी है। किशोर ने कहा कि रेड्डी, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की तरह, लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के बजाय अपने मतदाताओं के लिए "प्रदाता" मोड में चले गए हैं। उन्होंने स्थिति की तुलना पुराने राजाओं से की, जो अपनी जनता की देखभाल सहायता और उदारता से करते थे, लेकिन इससे अधिक कुछ नहीं करते थे। किशोर ने कहा कि इसी तरह रेड्डी ने लोगों को नकद हस्तांतरण सुनिश्चित किया है, लेकिन नौकरियां प्रदान करने या राज्य के रुके हुए विकास को बढ़ावा देने के लिए कुछ नहीं किया है। उन्नीस अप्रैल से शुरू होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि भाजपा को तभी मुश्किल का सामना करना पड़ेगा जब विपक्ष, खासकर कांग्रेस, यह सुनिश्चित कर सके कि वह उत्तर और पश्चिम भारत के अपने गढ़ों में कम से कम लगभग 100 सीट हार जाए और यह होने नहीं जा रहा है। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर, भाजपा इन क्षेत्रों में अपनी पकड़ बनाए रख पाएगी। भाजपा ने दक्षिण और पूर्वी भारत में पार्टी का विस्तार करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में बड़ा और स्पष्ट प्रयास किया है और मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह जैसे उसके शीर्ष नेताओं ने इन राज्यों का लगातार दौरा किया है। दूसरी ओर, विपक्ष ने इन राज्यों में बहुत कम प्रयास किए हैं। किशोर ने कहा कि यह गिनें कि पिछले पांच वर्षों में प्रधानमंत्री ने राहुल गांधी या सोनिया गांधी या किसी अन्य विपक्षी नेता की तुलना में तमिलनाडु के कितने दौरे किए हैं। जाहिर तौर पर राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, आपकी लड़ाई उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में है लेकिन आप मणिपुर और मेघालय का दौरा कर रहे हैं, तो फिर आपको सफलता कैसे मिलेगी। साल 2019 में स्मृति ईरानी के हाथों हार के बाद राहुल गांधी के अमेठी से चुनाव लड़ने की अनिच्छा के बारे में पूछे जाने पर किशोर ने कहा कि विपक्षी पार्टी सिर्फ केरल जीतकर देश नहीं जीत सकती।

माकपा और कांग्रेस ने सीएए, कन्नूर विस्फोट को लेकर एक-दूसरे पर लगाए आरोप-प्रत्यारोप

भाषा। तिरुवनंतपुरम, अलप्पुझा

केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और विपक्षी कांग्रेस, दोनों ने रविवार को नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) तथा हाल के कन्नूर विस्फोट सहित विभिन्न मुद्दों पर एक-दूसरे पर आरोप लगाए। दोनों दल विपक्षी इंडिया गठबंधन के घटक हैं। राज्य में लोकसभा चुनाव के लिए 26 अप्रैल को मतदान होगा। राज्य में प्रचार अभियान तेज हो गया है। मावेलिक्कारा लोकसभा क्षेत्र में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की एक जनसभा में, केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और केंद्र सरकार की उन विभिन्न नीतियों के क्रियान्वयन पर कांग्रेस के चुप रहने के अपने आरोपों को दोहराया, जो राज्य के हितों के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने केंद्र सरकार की उन नीतियों का कभी भी विरोध नहीं किया, जो राज्य को आर्थिक रूप से प्रभावित कर रही हैं और इसके कल्याणकारी उपायों में बाधा डाल रही हैं। विजयन ने दावा किया कि देश का पिछला अनुभव यह रहा है कि कांग्रेस का रुख हमेशा भाजपा के समान रहा है और इसलिए, भाजपा का विरोध करने के लिए उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार वास्तव में "पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग)-दो सरकार की जनविरोधी नीतियों" को आगे बढ़ा रही है।

बिजली मंत्री ने मुफ्त बिजली देने के लिए कर्ज लेने पर सचेत किया

नई दिल्ली। बिजली मंत्री आर के सिंह ने मुफ्त बिजली देने के लिए उधार लेने वाले पंजाब जैसे राज्यों को कर्ज के जाल में फंसने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ऐसी लोकलुभावन योजनाएं तभी ठीक हैं, जब किसी राज्य के पास पर्याप्त धन हो। उन्होंने कहा कि किसी भी दूसरी चीज की तरह बिजली उत्पादन की लागत होती है, और अगर कोई राज्य इसे उपभोक्ताओं के एक वर्ग को मुफ्त में देता है, तो यह भी सोचना चाहिए कि उत्पादन संयंत्र को भुगतान भी करना होगा। अगर उत्पादन संयंत्र को भुगतान नहीं किया गया, तो बिजली उत्पादन नहीं होगा। सिंह ने पीटीआई-भाषा के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि वह राज्यों से कहते रहे हैं कि बिजली मुफ्त नहीं है। उन्होंने कहा, अगर कोई राज्य किसी भी श्रेणी के लोगों को मुफ्त बिजली देना चाहता है, तो वह ऐसा कर सकता है, लेकिन उन्हें इसके लिए भुगतान करना होगा। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों पर पहले ही बहुत कर्ज है, वह भी ऐसे लोकलुभावन उपायों का सहारा ले रहे हैं, और उन्हें बिजली संयंत्रों को भुगतान करने के लिए अधिक कर्ज लेना पड़ रहा है। इसके चलते वे ऋण के जाल में फंस गए हैं। ऐसा करने वाले राज्यों के नाम पूछने पर उन्होंने पंजाब का नाम लिया। उन्होंने कहा कि पंजाब में आप सरकार ने पहले दो वर्षों में 47,000 करोड़ रुपए का कर्ज लिया।

राष्ट्रविरोधी ताकतों का केंद्र बन गया केरल: फडणवीस

भाषा। तिरुवनंतपुरम

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने रविवार को यहां कहा कि वर्षों से केरल में सत्ता में रहीं पार्टियों के "कुशासन" और वोट बैंक की राजनीति के कारण राज्य "राष्ट्र-विरोधी ताकतों का केंद्र" बन गया है। भाजपा के लोकसभा चुनाव अभियान के तहत राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम में मौजूद फडणवीस ने कहा कि केरल को सबसे आगे रहना चाहिए था और देश की तकनीकी और नई आर्थिक क्रांति का नेतृत्व करना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाया कि हालांकि वाम लोकतान्त्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और संयुक्त लोकतंत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के भ्रष्टाचार और उत्पीड़न के समान एजेंडे के कारण, राज्य अपनी उच्च साक्षरता दर और अद्भुत प्रतिभा के बावजूद, पीछे की ओर जा रहा है, आगे की ओर नहीं।उन्होंने आरोप लगाया कि कुशासन के कारण, यह (केरल) राष्ट्र-विरोधी ताकतों का केंद्र बन गया है और सिर्फ वोट बैंक के लिए, स्थानीय सरकारें राष्ट्र-विरोधी ताकतों को बचा रही हैं। फडणवीस ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, इसलिए मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि केरल को मुख्यधारा में आना चाहिए।

जाति, लैंगिक आधार पर भेदभाव को समाप्त करने के लिए विशेष प्रयास हों : भागवत

भाषा। वडोदरा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने समाज में जाति और लैंगिक आधार पर भेदभाव को खत्म करने के लिए विशेष प्रयास किए जाने का रविवार को आह्वान किया। आरएसएस प्रमुख गुजरात के अपने दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन यहां बुद्धिजीवियों की एक बैठक को संबोधित कर रहे थे।
आरएसएस की एक विज्ञप्ति के अनुसार वह दक्षिण गुजरात के भरूच में शनिवार को एक ऐसे ही कार्यक्रम में शामिल हुए थे। बैठक को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि सज्जन शक्ति को संगठित किया जाना चाहिए और सद्भाव, पारिवारिक शिक्षा, रीति-रिवाजों का पालन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी मूल्यों की जागृति और नागरिक कर्तव्य में शिक्षा के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन के लिए प्रयास किए जाने चाहिए। विज्ञप्ति में भागवत के हवाले से कहा गया है, समाज में जाति और लैंगिक आधार पर भेदभाव को खत्म करने के लिए विशेष प्रयास किए जाने चाहिए। इसके अनुसार बैठक के दौरान, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कला, साहित्य और सामाजिक परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों ने अपनी परियोजनाओं के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। भागवत सोमवार की सुबह गुजरात से रवाना होने से पहले रातभर अहमदाबाद में रुकेंगे।

प्रधानमंत्री ने जबलपुर में रोड शो के साथ मप्र में चुनाव प्रचार का किया शुभारंभ

भाषा। जबलपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को जबलपुर में रोड शो के साथ लोकसभा चुनाव के लिए मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के प्रचार अभियान का आगाज किया। प्रधानमंत्री के साथ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, राज्य के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री राकेश सिंह और पार्टी के जबलपुर से लोकसभा उम्मीदवार आशीष दुबे भी मौजूद रहे। रोड शो शाम करीब 6:30 बजे शहीद भगत सिंह चौराहे से शुरू हुआ और शाम 7:15 बजे यहां गोरखपुर इलाके में आदि शंकराचार्य चौराहे पर समाप्त हुआ। लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद राज्य के अपने पहले दौरे पर आए प्रधानमंत्री मोदी, यादव और अन्य लोगों ने भाजपा का चुनाव चिह्न कमल हाथ में ले रखा था। वे भगवा रंग के वाहन पर सवार होकर रोड शो कर रहे थे। रोड शो के दौरान सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में लोग कतार में खड़े थे और मोबाइल फोन से तस्वीरें खींचते और वीडियो बनाते देखे गए। सड़क किनारे खड़े कई लोगों ने मेरा घर मोदी का घर और मेरा परिवार मोदी का परिवार की तख्तियां ले रखी थीं। भाजपा ने इस बात को रेखांकित करने के लिए एक अभियान शुरू किया है कि देश के लोग मोदी का परिवार में शामिल हैं। यह अभियान राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू यादव के उस बयान के बाद शुरू किया जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री वंशवाद की राजनीति के बारे में बात करते हैं लेकिन उनका अपना कोई परिवार नहीं है। आदिवासी समूहों ने रास्ते में कई नृत्य प्रस्तुत किए, जिनमें बधाई नृत्य भी शामिल था, जो राज्य के बुंदेलखण्ड क्षेत्र का एक नृत्य रूप है और विवाह, प्रसूति और अन्य खुशी के अवसरों पर किया जाता है। भाजपा के एक नेता ने बताया कि रोड शो गोरखपुर बाजार से गुजरने के दौरान मोदी पर फूलों की वर्षा करने के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। जबलपुर राज्य के महाकौशल क्षेत्र का हिस्सा है। इसी क्षेत्र के अंतर्गत छिंदवाड़ा आता है। छिंदवाड़ा एकमात्र लोकसभा सीट है जिस पर भाजपा को 2019 के चुनाव में हार मिली थी। मध्य प्रदेश की बाकी 28 सीट पर सत्तारूढ़ भाजपा ने जीत हासिल की थी। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को सीधी, शहडोल (आरक्षित), मंडला (आरक्षित) और बालाघाट के साथ जबलपुर तथा छिंदवाड़ा में भी मतदान होगा।

क्विक न्यूज

शोधकर्ताओं ने भीषण गर्मी में श्रमिकों पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में आगाह किया

नई दिल्ली। देश अप्रैल-जून की अवधि में अत्यधिक गर्मी का सामना कर रहा है और तापमान पहले से ही बढ़ना शुरू हो गया है। ऐसे में शोधकर्ताओं ने खेती, निर्माण और अन्य क्षेत्रों में खुले इलाके में काम करने वाले श्रमिकों पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में आगाह किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने हाल ही में कहा था कि इस साल अप्रैल-जून में देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा रहेगा और मध्य व पश्चिमी प्रायद्वीपीय भागों पर इसका बहुत बुरा असर पड़ने की आशंका है। विभाग ने कहा कि मैदानी इलाकों के अधिकांश हिस्सों में गर्मी सामान्य से अधिक दिन जारी रहने का अनुमान है। प्रतिकूल मौसमी चेतावनी के बाद, शोधकर्ता बाहर काम करने के नए तरीकों की वकालत कर रहे है, जिसमें काम के घंटों में छूट और अनिवार्य ब्रेक शामिल है, ताकि श्रमिकों को गर्मी के प्रभावों से बचने में मदद मिल सके। आईआईटी गांधीनगर में विक्रम साराभाई चेयर प्रोफेसर विमल मिश्रा ने कहा, शुष्क गर्मी से निपटना अपेक्षाकृत आसान होता है। जब शरीर गर्म होता है और हम पानी पीते हैं, तो वाष्पीकरण होता है और शरीर ठंडा हो जाता है। हालांकि, आर्द्र गर्मी में, हवा में उच्च नमी के कारण वाष्पीकरण कम हो जाता है जो शरीर के शीतलन तंत्र में बाधा डालता है। शोध के सह-लेखक मिश्रा ने चेतावनी देते हुए कहा, ऐसी परिस्थितियों में गहन श्रम करने से शरीर की गर्मी उस स्तर तक बढ़ सकती है जहां यह मृत्यु का कारण भी बन सकती है। तमिलनाडु में किए गए और पिछले साल अक्टूबर में प्रकाशित एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि अत्यधिक गर्मी में काम करने से गर्भवती महिलाओं में गर्भपात का खतरा दोगुना से अधिक हो जाता है, साथ ही गर्मी आम तौर पर प्रतिकूल गर्भावस्था और प्रसव जोखिम को बढ़ाती है। शोध की सह-लेखक और चेन्नई में श्री रामचन्द्र इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च के सार्वजनिक स्वास्थ्य संकाय में प्रोफेसर विद्या वेणुगोपाल ने कहा, "हमने यह भी देखा कि शौचालयों तक सीमित पहुंच के कारण, महिलाएं कम खा-पी रही हैं, जिसके परिणामस्वरूप कुपोषण हो रहा है।

मोदी सरकार ने सफाई कर्मियों से अन्याय किया, मैला ढोने की प्रथा खत्म करेंगे: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को नरेन्द्र मोदी सरकार पर सफाई कर्मचारियों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया और कहा कि अगर वह सत्ता में आई तो मैला ढोने की कुप्रथा को समाप्त करके इसमें लगे लोगों को किसी अन्य कार्य के लिए प्रशिक्षित करने के बाद रोजगार प्रदान करेगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बिना उपकरण के सीवर में उतरने के बाद गैस रिसाव के कारण एक सफाई कर्मचारी की मौत के संबंध में मीडिया में आई एक खबर एक्स पर साझा की। रमेश ने लिखा, पांच अप्रैल 2024 को प्रधानमंत्री के खुद के लोकसभा क्षेत्र में एक सफाई कर्मी की सीवर में बिना उपकरण के उतरने पर गैस रिसाव के कारण मौत हो गई। बनारस में यह नया मामला नही है - भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान हमें बताया गया था कि पिछले दस साल में बनारस में 25 से भी अधिक मौत सीवर में उतरने से हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ़, मोदी सरकार सफाई कर्मचारियों के प्रति ऐसे अन्याय कर रही है, दूसरी तरफ़ कांग्रेस ने अपने न्याय पत्र में उनके लिए कुछ वादे किए है।रमेश ने लिखा, कांग्रेस मैला उठाने की कुप्रथा को ख़त्म करेगी। सभी मैला उठाने वालों को किसी दूसरे कार्य के लिए कुशल बनाया जाएगा और उन्हें नौकरी प्रदान की जाएगी। उनके लिए सम्मानित एवं सुरक्षित जीवन सुनिश्चित किया जाएगा।

ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य सेवा को सुलभ बनाने की जरूरत

नई दिल्ली। स्टेट ऑफहेल्थकेयर इन रूरल इंडिया 2023 नामक अध्ययन के अनुसारए 60 प्रतिशत आबादी प्राथमिक चिकित्सा के लिए अपने राज्य से बाहर जाने के लिए मजबूर है, जिसका मुख्य कारण क्लीनिक,अस्पतालों और डॉक्टरों की कमी होना है। चिकित्सा सुविधा की पहुंच बढ़ाने के लिए हम मेडिकल स्टोर पर अपने ई.क्लीनिक के माध्यम से दूरदराज के व्यक्तियों को देश भर के विशेषज्ञ डॉक्टरों से जोड़ते हैं। स्टोर मालिकों को डिजिटल पोर्टल के माध्यम से मरीजों को टेली परामर्श की सुविधा देने के लिए प्रशिक्षित करते हैं। जिस से उन्हें निकटतम अस्पताल कभीकभी 50किमी से अधिक दूर होता है, बिना दूर बाहर गये आवश्यक उपचार और परामर्श के बाद की सहायता मिलती है। स्टार्टअप ने 500 से अधिक ई. क्लीनिक नेटवर्क के साथ भारत में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज की हैए जो 13 राज्यों में फैला हुआ है। उत्तर प्रदेश के लगभग 40 ज़िलों में ये सुविधा दे रहा हैए जिसमें लखनऊ, बाराबंकी,गोरखपुर, अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज, आज़मगढ़, सुल्तानपुर, बस्ती, बहराइच, सहारनपुर आदि ज़िले शामिल हैं। अभी तक 40,000 से अधिक मरीजों को सेवा दे चुका है और 34 प्रतिशत से अधिक मरीज़ों का पुनः परामर्श करवाने के दर के साथ, इस वर्ष 50 नए ई क्लीनिक खोलने के लिए तैयार है। सह .संस्थापक स्मृति टंडन ने बताया किए भारत में प्रत्येक 1400 मरीजों पर सिर्फ1 डॉक्टर हैए हम इस अंतर को कम करने के लिए पूरे भारत में 1 लाख ई.क्लीनिक स्थापित करने के मिशन पर हैं। स्वास्थ्य सुविधा को हर घर के करीब लाने की दृष्टि से हम देश के हर शहरए कस्बे और गांव में मेडिकल स्टोर पर ई.क्लीनिक स्थापित कर रहे हैं। हम ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य सेवा को बदलने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है।

महिला ने एक व्यक्ति पर वायुसेना अधिकारी बनकर चार लाख रुपए जबरन वसूली का आरोप लगाया

नागपुर। नागपुर की 36 वर्षीय महिला ने एक व्यक्ति पर खुद को भारतीय वायु सेना का अधिकारी बताने और उसकी अंतरंग तस्वीरें व वीडियो लेने के बाद लगभग चार लाख रुपए की जबरन वसूली का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने रविवार को आरोपी श्याम सुपतकर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता के तहत बलात्कार, जबरन वसूली और कुछ अन्य आरोपो में मामला दर्ज किया। महिला ने पुलिस को बताया कि फेसबुक पर श्याम वर्मा नामक फर्जी प्रोफाइल वाले आरोपी से करीब चार साल पहले उसकी मुलाकात हुई थी।महिला के अनुसार आरोपी ने दावा किया कि वह गुजरात में तैनात भारतीय वायु सेना का अधिकारी है लेकिन नागपुर में रहता है, जिसके बाद दोनों ने मिलने का फैसला किया।महिला ने कहा कि मुलाकात के दौरान, सुपतकर ने कथित तौर पर उसे नशीला पदार्थ मिला हुआ पेय पदार्थ दिया, जिसे पीने के बाद वह बेहोश हो गई और फिर उसने उसकी अंतरंग तस्वीरें व वीडियो बनाए। अजनी थाने के अधिकारी ने कहा कि सुपतकर ने कथित तौर पर महिला को उसकी मांगें नही मानने पर उसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर डालने की धमकी दी। महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी उसके पास से चार लाख रुपए और सोने व चांदी के कुछ आभूषण ले गया। अधिकारी ने कहा कि जब महिला को पता चला कि आरोपी वायुसेना अधिकारी नही है तो उसने पुलिस का रुख किया। उन्होने बताया कि सुतपकर को अभी गिरफ्तार नही किया गया है।

असम : घर से वोट डालने के लिए अतिरिक्त मतपत्र जारी करने पर तीन मतदान कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी

तिनसुकिया (असम)। घर से वोट डालने (होम वोटिंग) के दौरान असम के तिनसुकिया जिले में अतिरिक्त मतपत्र जारी करने के आरोपों को लेकर तीन मतदान कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई और मजिस्ट्रेट जांच का आदेश दिया गया है। तिनसुकिया के जिला आयुक्त स्वप्निल पॉल ने कहा कि लखीमपुर लोकसभा सीट के डूमडोमा विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को डाक मतपत्र के जरिए घर से मतदान कराने के लिए तैनात कर्मियों के खिलाफ ए आरोप लगाए गए। घर से मतदान कराने के लिए शनिवार सुबह एक वीडियोग्राफर और दो पुलिस कर्मियो सहित तीन मतदान कर्मियो की एक टीम को इस उद्देश्य के लिए भेजा गया था। पॉल ने कहा कि मतदान दल ने शाम में यह रिपोर्ट दी कि वे उन्हे सौंपी गई सूची के अनुसार 14 निर्वाचकों के लिए डाक मतपत्र से मतदान की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

इजराइल-हमास संघर्ष को मानवीय आधार पर रोका जाए: ऋषि सुनक

भाषा। लंदन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने गाजा में जारी इजराइल-हमास संघर्ष को मासूम बच्चों की खातिर मानवीय आधार पर रोके जाने के अपने आह्वान को दोहराया है।

ब्रिटेन ने इजराइल- हमास संघर्ष के छह महीने पूरे होने के अवसर पर रविवार को गाजा के लिए समुद्री सहायता गलियारा स्थापित करने के लिए सैन्य और नागरिक सहायता के एक नए पैकेज की घोषणा की।

विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने पूर्वी भूमध्य सागर में एक शाही नौसेना के पोत की तैनाती की घोषणा की और जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाई जाने वाली सहायता को बढ़ाने के मकसद से 97 लाख पाउंड देने की प्रतिबद्धता जताई।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास 10 डाउनिंग स्ट्रीट से जारी एक बयान में सुनक ने कहा, आज सात अक्टूबर के आतंकवादी हमले के छह महीने पूरे हो गए हैं जो इजराइल के इतिहास में सबसे भयावह हमला था और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से यहूदियों की सबसे बड़ी जनहानि थी। छह महीने बाद भी इजराइली जख्म हरे हैं। परिवार अब भी शोक मना रहे हैं और लोगों को अब भी हमास ने बंधक बना रखा है।

उन्होंने कहा, गाजा में छह महीने के युद्ध के बाद, मारे जा रहे आम नागरिकों की संख्या लगातार बढ़ रही है - भूख, हताशा, भयानक पैमाने पर जीवन की हानि हो रही है ..गाजा के बच्चों को तुरंत मानवीय (युद्ध)विराम की आवश्यकता है, ताकि एक दीर्घकालिक स्थाई युद्धविराम हो सके। बंधकों को रिहा कराने और मदद पहुंचाने तथा लड़ाई एवं जान-माल के नुकसान को रोकने का यह सबसे तेज तरीका है।

द संडे टाइम्स के लिए लिखे लेख में विदेश मंत्री डेविड कैमरन ने कहा कि इजराइल के लिए ब्रिटेन का समर्थन बिना शर्त नहीं है।

गाजा में सहायता सामग्री पहुंचा रहे वर्ल्ड सेंट्रल किचन संगठन के कर्मियों पर इजराइल के हमले में मारे गए सात सहायताकर्मियों में तीन ब्रितानी भी शामिल थे।

युद्धविराम के लिए वार्ता आज फिर होगी शुरू

एपी। काहिरा

इजराइल की सेना ने शनिवार को कहा कि उसने गाजा में बंधक बनाए गए 47 वर्षीय किसान का शव बरामद किया है। हमास द्वारा बंधक बनाए गए इजराइल के किसी नागरिक का शव ऐसे वक्त में बरामद किया गया है जब वार्ताकार इजराइल और हमास के बीच छह माह से जारी युद्ध को रोकने तथा शेष बंधकों को रिहा कराने के लिए रविवार को दूसरे दौर की बातचीत की तैयारी कर रहे हैं।

इजराइल की सेना ने कहा कि उसे एलाद कात्जिर का शव मिला है और माना जाता है कि उसकी हत्या जनवरी में इस्लामी जिहाद के चरमपंथियों ने की थी। हमास के चरमपंथी सात अक्टूबर को दक्षिणी इजराइल में घुस गए थे और उनके हमले में।,200 से अधिक लोग मारे गए थे।

हमास ने इस हमले के बाद इजराइल के कम से कम 250 लोगों को बंधक बना लिया था। किसान कात्जिर को सीमावर्ती नीर ओज़ से अगवा किया गया था।

इस शव के मिलने से इजराइल की सरकार पर बंधकों को मुक्त कराने के लिए समझौता करने का दबाव बढ़ गया है। हजारों लोग तेल अवीव में एकत्र हुए और उन्होंने बंधकों को रिहा कराने के लिए शीघ्र कोई समझौता करने और मध्यावधि चुनाव कराने की मांग की।

अब तक कम से कम 36 बंधकों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है, जबकि बंधक बनाए गए कुल लोगों में से आधों को रिहा कर दिया गया है।

कात्जिर की बहन कार्मित ने एक बयान में कहा, अगर वक्त पर कोई समझौता हो जाता तो उन्हें बचाया जा सकता था। हमारा नेतृत्व कायर है और राजनीतिक विचारों से प्रेरित है, इसीलिए कोई समझौता नहीं हुआ।

मिस्र के एक अधिकारी और मिस्र के सरकारी स्वामित्व वाले अल काहिरा टीवी के अनुसार युद्धविराम के लिए वार्ता रविवार को फिर से शुरू होगी।

खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकी हमले, छह सुरक्षाकर्मी मारे गए

भाषा। क्वेटा

पाकिस्तान के अशांत क्षेत्र खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत में पिछले दो दिन में हुई आतंकवादी घटनाओं और सुरक्षा अभियानों में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सहित छह सुरक्षाकर्मी और 12 आतंकवादी मारे गए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

पाकिस्तान सशस्त्र बलों की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि बलूचिस्तान प्रांत में दो घटनाओं में चार आतंकवादी मारे गए हैं।

आईएसपीआर ने कहा कि खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में स्थित डेरा इस्माइल खान जिले में कुलाची तहसील के कोट सुल्तान इलाके में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान आठ आंतकवादी मारे गए।

उसने कहा कि सुरक्षाबलों ने मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा के लक्की मारवात में शुक्रवार की रात दो आतंकवादी हमलों में एक पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) और दो पुलिसकर्मी मारे गए जबकि एक कांस्टेबल घायल हो गया।

अधिकारियों ने कहा कि डीएसपी ने ईद-उल-फितर के त्योहार से पहले सुरक्षा-व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम करने के लिए अन्य पुलिसकर्मियों के साथ पेशावर-कराची राजमार्ग पर एक अस्थाई चौकी स्थापित की थी।

एक खबर के अनुसार जब वे चौकी से वापस लौट रहे थे तो मंजीवाला चौक के निकट आतंकवादियों ने पुलिस के वाहन पर गोलीबारी की, जिसमें डीएसपी और कांस्टेबल नसीम गुल की मौत हो गई।

समाचार पत्र डॉन की एक खबर के मुताबिक, शुक्रवार की रात सरा दरगा इलाके में एक और हमला हुआ, जिसमें अज्ञात हमलावरों ने कांस्टेबल सनामत खान पर गोलीबारी की, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

खबर के मुताबिक, शनिवार को बाजौर जिले की मामुंड तहसील में विस्फोट होने से एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।

इसके अनुसार शनिवार रात टैंक जिले में मियां लाल पुलिस चौकी के निकट अज्ञात लोगों ने एक हेड कांस्टेबल की हत्या कर दी। इस बीच प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने लक्की मारवत में पुलिसकर्मियों पर हुए हमले की कड़ी निंदा की।

हमले में जान गंवाने वाले चीनी अभियंताओं को ले जा रही बस बुलेट प्रूफ नहीं थी: पुलिस

भाषा। पेशावर

पश्चिमोत्तर पाकिस्तान में पिछले महीने आत्मघाती हमले में जान गंवाने चीनी अभियंताओं को लेकर जो बस जा रही थी, वह न तो बुलेट प्रूफ थी और न ही बम प्रूफ। पुलिस की रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के सुदूर बेशाम क्षेत्र में 26 मार्च को एक आत्मघाती बम हमलावर ने चीनी अभियंताओं के एक काफिले को निशाना बनाया था। इन अभियंताओं को बस से उसी प्रांत के कोहिस्तान जिले में डासू पनबिजली केंद्र के निर्माण स्थल पर ले जाया जा रहा था।

इस हमले में पांच चीनी नागरिक एवं उनके पाकिस्तानी चालक की जान चली गई थी।

जियो न्यूज ने रविवार को खबर दी कि इस संबंध में संघीय सरकार को पुलिस ने रिपोर्ट भेजी है और उसमें कहा गया है कि इस हमले में जिस बस को निशाना बनाया गया था वह बस कराकोरम राजमार्ग पर एक अन्य बस से 15 फुट की दूरी पर जा रही थी तथा आत्मघाती हमलावर द्वारा विस्फोटकों से लदे वाहन को चीनी अभियंताओं को लेकर जा रही इस बस में टकरा देने से वह 300 फुट गहरी खाई में गिर गई।

पुलिस रिपोर्ट में कहा गया है कि चीनी यात्रियों को लेकर जा रही यह बस न तो बुलेट प्रूफ थी और न ही बम प्रूफ। उसमें कहा गया है कि चीनी नागरिकों को ले जा रही बसों में सीसीटीवी लगे थे। पुलिस की इस तरह की यह दूसरी रिपोर्ट है।

एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस घटना की एक जांच रिपोर्ट के आलोक में लापरवाही को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्वाई का आदेश दिया था।

सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने कहा, प्रधानमंत्री ने हाजरा संभाग के क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी, ऊमरी कोहिस्तान और निचले कोहिस्तान के जिला पुलिस अधिकारी, डासू पनबिजली परियोजना के सुरक्षा निदेशक, खैर पख्तूनख्वा की विशेष सुरक्षा इकाई के कमांडेंट के खिलाफ 15 दिनों में कार्वाई करने का निर्देश दिया है।

शुक्रवार को शरीफ ने सभी पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियों को देश में विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रहे चीनी नागरिकों के वास्ते अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

इजराइल के दूतावास सुरक्षित नहीं: ईरान

एपी। यरूशलम

ईरान के एक शीर्ष सैन्य सलाहकार ने हाल में दमिश्क में हुए हमले के बाद रविवार को इजराइल को चेतावनी दी कि उसके दूतावास सुरक्षित नहीं हैं।

सीरिया की राजधानी दमिश्क में एक हवाई हमले में ईरान के दो जनरल की मौत हो गई थी। हमले के लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। हमले में ईरान का वाणिज्य दूतावास नष्ट हो गया था।

हमास के खिलाफ इजराइल के युद्ध के छह महीने पूरे होने पर क्षेत्रीय तनाव से पश्चिम एशिया में संघर्ष की स्थिति बनने की आशंका है।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के सैन्य सलाहकार जनरल रहीम सफवी की टिप्पणी से ऐसा संकेत मिलता है कि राजनयिक मिशन पर हमले का इसी तरह से जवाब दिया जा सकता है। इजराइल ने हमले में अपनी संलिप्तता स्वीकार नहीं की है।

अर्द्ध -सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने सफवी के हवाले से अपनी खबर में कहा, इजराइल सरकार का कोई भी दूतावास अब सुरक्षित नहीं है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल किसी भी कार्वाई के लिए तैयार है। उन्होंने कैबिनेट की बैठक में कहा, जो कोई हमें नुकसान पहुंचाएगा या हमें नुकसान पहुंचाने की साजिश रचेगा, हम भी उन्हें नुकसान पहुंचाएंगे।

अमेरिका के पाम बीच में राष्ट्रपति चुनाव के लिए धन जुटाने के अभियान पर पहुंचे डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी पत्नी मेलानिया ट्रंप

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के कुछ नेता सैन्य प्रतिष्ठान के संपर्क में हैं : इमरान

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि उनकी पार्टी के कुछ नेता शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान के संपर्क में हैं।

उन्होंने अपनी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पर कार्वाई के बीच किसी से भी वार्ता करने की इच्छा व्यक्त की है।

डॉन अखबार की खबर के अनुसार, खान ने यह टिप्पणी शनिवार को अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले की सुनवाई के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान की। खान (71) ने कहा कि वह देश के लिए किसी से भी बातचीत करने को तैयार हैं।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान ने कहा कि यदि वह सेना के पूर्व प्रमुख कमर जावेद बाजवा के साथ बातचीत कर सकते हैं, तो वह देश के किसी भी व्यक्ति से मुलाकात कर सकते हैं।

खान ने बाजवा पर अप्रैल 2022 में उनकी सरकार को गिराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आरोप लगाया था।

खान ने कहा कि उनकी पार्टी के कुछ नेता बातचीत के लिए अभी भी (सैन्य) प्रतिष्ठान के संपर्क में हैं। उन्होंने हालांकि इस संबंध में विस्तार से नहीं बताया।

उन्होंने यह भी दावा किया कि उनकी पार्टी को मिला जनादेश चुरा लिया गया है और पार्टी पर कब्जा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। शक्तिशाली सेना से विवाद के बाद से खान की पार्टी को कार्वाई का सामना करना पड़ रहा है।

खान ने कहा कि कथित तौर पर उन पर दबाव बनाने के लिए उनकी पत्नी बुशरा बीबी को निशाना बनाया जा रहा है और उन पर उंगली उठाने वाले लोग पार्टी को खत्म करने के लिए ऐसा कर रहे हैं।

खान ने कहा कि उन्होंने कभी भी सेना के साथ टकराव नहीं किया है। उन्होंने दावा किया कि सेना के पूर्व प्रमुख ने उनकी पीठ में छुरा घोंपा। उन्होंने दावा किया था कि बाजवा उन्हें पद से हटाने के लिए अमेरिका समर्थित साजिश में शामिल थे।

खान ने कहा कि देश 1970 के दशक जैसे हालात का सामना कर रहा है। मौजूदा सरकार के बारे में, खान ने दावा किया कि राजा पीछे बैठे हैं और (गृह मंत्री) मोहसिन नकवी उनके वायसराय के रूप में आगे हैं।

फ्लोरिडा के बार में गोलीबारी, दो की मौत

एपी। डोराल (अमेरिका)

अमेरिका के मियामी में शनिवार तड़के एक बार में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई जबकि सात अन्य जख्मी हो गए।

जांचकर्ताओं ने बताया कि फ्लोरिडा के डोराल के मार्टिनी बार में तड़के करीब साढ़े तीन बजे कुछ लोगों के बीच झगड़ा हो गया।

मियामी-डाडे पुलिस डिटेक्टिव अल्वारो ज़बलेटा ने कहा कि जब एक सुरक्षाकर्मी ने दखल दिया तो एक व्यक्ति ने पिस्तौल निकाली और सुरक्षाकर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी।

वहां सुरक्षा में तैनात दो पुलिस अधिकारियों ने जवाबी गोलीबारी की जिसमें एक बंदूकधारी मारा गया। डोराल के पुलिस प्रमुख एडविन लोपेज़ ने पत्रकारों को बताया कि गोलीबारी में एक अधिकारी की जांघ पर गोली लगी।

अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी में छह राहगीर भी जख्मी हो गए जिनमें चार व्यक्ति और दो महिलाएं शामिल हैं।

डब्ल्यूटीवीजे-टीवी की खबर के मुताबिक, जख्मी पुलिस अधिकारी को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

ज़बलेटा ने बताया कि छह राहगीर अब भी अस्पताल में है जिनमें से दो की हालत नाज़ुक है।

लोपेज़ ने बाद में मियामी हेराल्ड को बताया कि दो अधिकारी और शुरुआती हमलावर के पास ही बंदूकें थीं।

उन्होंने कहा कि फ्लोरिडा का कानून प्रवर्तन विभाग गोलीबारी की घटना की जांच कर रहा है, जबकि मियामी-डाडे पुलिस दो लोगों की मौत की घटना की छानबीन कर रही है। मारे गए बंदूकधारी और सुरक्षाकर्मी की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है।

रूस के नियंत्रण वाले जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र पर ड्रोन हमले हुए: अधिकारी

एपी। कीव

रूस के नियंत्रण वाले जापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र के अधिकारियों ने कहा है कि रविवार को यूक्रेन की सेना के ड्रोनों से संयंत्र पर हमला किया गया जिसमें एक इकाई के गुंबद पर किया गया हमला भी शामिल है।

संयंत्र के अधिकारियों के अनुसार इस घटना में कोई बड़ी क्षति नहीं हुई और कोई हताहत भी नहीं हुआ, वहीं हमले के बाद संयंत्र में विकिरण का स्तर सामान्य बना रहा।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने रविवार को कहा कि उसके विशेषज्ञों को ड्रोन हमले की सूचना दी गई है।

संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल मरियानो ग्रोसी ने इस तरह के हमलों के सुरक्षा जोखिमों के खिलाफ चेताया।

उन्होंने एक्स पर लिखा, मैं इस तरह की कार्वाइयों से बचने का अनुरोध करता हूं जो आईएईए के पांच सिद्धांतों की विरोधाभासी हैं और परमाणु सुरक्षा को प्रभावित करती हैं।

अकेलेपन से हो सकती है मौत, मध्यम आयु वर्ग के अमेरिकी विशेष रूप से प्रभावित

द कन्वरसेशन। टेम्पे (अमेरिका)

अमेरिका की प्रतिष्ठित पत्रिका अमेरिकन साइकोलॉजिस्ट में प्रकाशित एक हालिया शोध में खुलासा हुआ है कि मध्यम आयु वर्ग के अमेरिकी अपने यूरोपीय समकक्षों की तुलना में अकेलेपन की समस्या से अधिक पीड़ित हैं। हमारी टीम के अध्ययन ने अकेलेपन को लेकर एक ऐसी प्रवृत्ति की पहचान की है जो कई पीढ़ियों से बढ़ रही है, और यह प्रवृति बेबी बूमर्स (1946-1964 के बीच जन्मे लोग) और जेन एक्स (1965-1980 के बीच जन्मे लोग) दोनों ही आयु वर्ग के लोगों को प्रभावित करती है।

इंग्लैंड और भूमध्यसागरीय यूरोप में मध्यम आयु वर्ग के वयस्क लोग अकेलेपन की समस्या से पीड़ित होने के मामले में अमेरिकी नागरिकों से बहुत पीछे नहीं हैं।

इसके विपरीत, महाद्वीपीय और नॉर्डिक यूरोप में मध्यम आयु वर्ग के वयस्कों में अकेलेपन से पीड़ित होने के मामलों की संख्या में समय के साथ गिरावट आई है।

हमने अपने शोध में 2002 से 2020 तक अमेरिका और 13 यूरोपीय देशों के मध्यम आयु वर्ग के 53,000 से अधिक वयस्कों पर किए गए सर्वेक्षण के आंकड़ों का उपयोग किया। हमने इन वयस्कों में 45 वर्ष से 65 वर्ष की मध्यम आयुवर्ग में हर दो साल में अकेलेपन की समस्या को लेकर उनके नजरिए में हुए बदलाव के आंकड़े जुटाए।

इस शोध में हमें 1937 और 1945 के बीच पैदा हुए लोगों की तथाकथित साइलेंट जेनेरेशन, बेबी बूमर्स (1946-1964 के बीच जन्मे लोग) और जेन एक्स (1965-1980 के बीच जन्मे लोग) के आंकड़े जुटाए हैं।

हमारा शोध यह स्पष्ट करता है कि मध्यम आयु वर्ग के अमेरिकी नागरिक आज यूरोपीय देशों में अपने साथियों की तुलना में अधिक अकेलेपन का अनुभव कर रहे हैं। यह मौजूदा सबूतों से मेल खाता है कि अमेरिका में कामकाजी उम्र के वयस्कों में मृत्यु दर बढ़ रही है।

हमने कई कारणों से मध्यम आयु वर्ग के वयस्कों पर ध्यान केंद्रित किया। मध्यम आयु वर्ग के अधिकांश वयस्क कामकाजी वर्ग का गठन करके समाज की रीढ़ बनते हैं।

लेकिन, आज उन्हें बढ़ती चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है, विशेष रूप से उनके बूढ़े माता-पिता और उनके बच्चों दोनों को ही उनसे समर्थन और मदद की जरूरत बढ़ी है।

अमेरिका में 2007 के अंत से 2009 तक आई मंदी के बाद मध्यम आयु वर्ग के वयस्कों को 1990 के दशक में समान आयु वर्ग के साथियों की तुलना में खराब मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की समस्या का सामना करना पड़ा।

कई यूरोपीय देशों की तुलना में, अमेरिका के मध्यम आयु वर्ग के वयस्क वर्तमान समय में अवसाद, गंभीर बीमारियों, दर्द और दिव्यांगता का अधिक सामना कर रहे हैं।

अपने स्वभाव के मुताबिक व्यवहार करने की इच्छा एक सहज और मौलिक आवश्यकता है। जब इसकी कमी होती है, तो इसके नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं।

अकेलापन आपके स्वास्थ्य के लिए बेहद खराब है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि अकेलापन धूम्रपान जितना ही खतरनाक है। अकेलेपन से व्यक्ति में बीमारी, अवसाद, गंभीर बीमारी और समय से पहले मृत्यु होने की आशंका बढ़ जाती है।

अकेलेपन को एक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य का विषय माना जाता है। अमेरिकी सर्जन जनरल ने 2023 में एक सलाहकार रिपोर्ट जारी की जिसमें अकेलेपन की समस्या के महामारी में तब्दील होने की आशंका व्यक्त की गई और इससे निपटने की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए लोगों के बीच सामाजिक संबंध बढ़ाने की वकालत की गई।

ब्रिटेन और जापान जैसे अन्य देशों ने नीति निर्माण में लोगों के बीच रिश्तों और अकेलेपन पर चर्चा करने के लिए विशेष मंत्रियों को नियुक्त किया है। जब अकेलेपन और खराब समग्र मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की बात आती है तो मध्यम आयु वर्ग के अमेरिकी असाधारण क्यों हैं?

हमने अपने अध्ययन में सीधे तौर पर इसका परीक्षण नहीं किया, लेकिन भविष्य में हम इन रुझानों को कारकों पर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद करते हैं। हमारा मानना है कि अध्ययन में शामिल अन्य देशों की तुलना में अमेरिकी जिस अकेलेपन की रिपोर्ट कर रहे हैं, वह सीमित सामाजिक सुरक्षा तंत्र और सांस्कृतिक मानदंडों के कारण है जो समुदाय पर व्यक्तिवाद को प्राथमिकता देते हैं।

वैयक्तिकरण का खामियाजा मनोवैज्ञानिक स्तर पर भुगतना पड़ता है, जैसे सामाजिक संबंधों और समर्थन संरचनाओं में कमी, जो अकेलेपन से संबंधित हैं। हमारे अध्ययन में अन्य देशों की तुलना में, अमेरिकियों में स्थानांतरित होने की प्रवृत्ति अधिक है, जो कमजोर सामाजिक और सामुदायिक संबंधों से जुड़ी है।

जीवन प्रत्याशा, स्वास्थ्य, कल्याण और अनुभूति पर पिछले अध्ययनों के साथ अकेलेपन पर हमारे निष्कर्ष बताते हैं कि अमेरिका में मध्यम आयु होना खराब मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य परिणामों के लिए एक कारक है।

नेपाली सेना माउंट एवरेस्ट पर से 10 लाख टन कचरा एकत्र करेगी

भाषा। काठमांडू

एवरेस्ट क्षेत्र में पर्वतीय सफाई अभियान, 2024 शुरू करने जा रही नेपाल की सेना ने रविवार को कहा कि वह माउंट एवरेस्ट पर करीब 10 लाख टन अपशिष्ट एकत्र करने के साथ ही पांच शव बरामद करेगी।

नेपाली सेना के सूत्र के अनुसार मेजर आदित्य कारकी की अगुवाई में 12 सदस्यीय दल माउंट एवरेस्ट, माउंट ल्होत्से और माउंट नुप्तसे से अपशिष्ट लाने के लिए 14 अप्रैल को एवरेस्ट आधार शिविर पहुंचेगा।

सूत्र ने बताया कि सेना को इस अभियान में 18 सदस्यीय शेरपा दल सहयोग करेगा। नेपाली सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल कृष्णा प्रसाद भंडारी ने बताया कि यहां सेना प्रमुख जनरल प्रभुराम शर्मा 11 अप्रैल को इस अभियान दल को रवाना करेंगे जो पर्वत पर बिखरे कम से कम 10 लाख टन कचरे एवं पांच शवों को लाएगा।

उनके अनुसार जैविक अपशिष्ट को आधार शिविर के नीचे नामचे बाजार लाया जाएगा और उसे उचित शोधन के लिए सागरमाथा प्रदूषण नियंत्रण समिति को सौंपा जाएगा। प्रवक्ता के अनुसार अजैविक अपशिष्ट एवं शवों को काठमांडू लाया जाएगा।

भंडारी ने कहा कि इस सफाई अभियान से हिमालय क्षेत्र में मानव जनित प्रदूषण नियंत्रित होगा तथा जलवायु परिवर्तन से संबंधित समस्याओं का समाधान होगा।

आखिरकार मुंबई ने चखा जीत का स्वाद

● दिल्ली कैपिटल्स को 29 रन से हरा

भाषा। मुंबई

रोमारियो शेफर्ड की 10 गेंद पर नाबाद 39 रन की पारी और अन्य बल्लेबाजों के उपयोगी योगदान से मुंबई इंडियंस ने रविवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को 29 रन से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में अपना खाता खोला। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 234 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। दिल्ली की टीम इसके जवाब में आठ विकेट पर 205 रन ही बना पाई। मुंबई की तीन हार के बाद यह पहली जीत है जबकि दिल्ली को पांच मैच में चौथी हार का सामना करना पड़ा। इस हार से दिल्ली की टीम अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर पहुंच गई है। रोहित शर्मा (27 गेंद पर 49 रन) और ईशान किशन (23 गेंद पर 42 रन) ने पहले विकेट के लिए 80 रन जोड़कर मुंबई को अच्छी शुरुआत दिलाई। उनके आउट होने के बाद टिम डेविड (21 गेंद पर नाबाद 45 रन), कप्तान हार्दिक पंड्या (33 गेंद पर 39 रन) और शेफर्ड ने अच्छी तरह से जिम्मेदारी संभाली। पृथ्वी साव (40 गेंद पर 66 रन) और अभिषेक पोरेल (31 गेंद पर 41 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी करके दिल्ली को शुरुआती झटके से उबारा। ट्रस्टिन स्टब्स ने 27 गेंद पर तीन चौकों और सात छक्कों की मदद से 71 रन की तूफानी पारी खेली, लेकिन बड़े लक्ष्य के दबाव में अन्य बल्लेबाज नहीं चल पाए। मुंबई की तरफ से गेराल्ड कोएत्जी ने 34 रन देकर चार और जसप्रीत बुमराह ने 22 रन देकर दो विकेट लिए। कोएत्जी ने मैच के आखिरी ओवर में तीन विकेट हासिल किए। शेफर्ड ने एनरिक नोर्किया (65 रन देकर दो विकेट) के पारी के आखिरी ओवर में चार छक्कों और दो चौकों की मदद से 32 रन बटोरे। अक्षर पटेल दिल्ली के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 35 रन देकर दो विकेट लिए। शेफर्ड ने बाद में डेविड वार्नर (10) को मिड ऑन पर हार्दिक के हाथों कैच कराकर मुंबई को अच्छी शुरुआत दिलाई। दिल्ली ने पावरप्ले में एक विकेट पर 46 रन बनाए, जिसमें पृथ्वी का योगदान 27 रन था। उन्होंने कोएत्जी पर छक्के से शुरुआत करने के बाद इस दौरान चार चौके भी लगाए।

स्कोरबोर्ड

मुंबई इंडियंस : रोहित बो पटेल 49, किशन का एवं बो पटेल 42,सूर्यकुमार का सब (फ्रेजर मैक्गुर्क) बो नोर्किया 00,पंड्या का सब (फ्रेजर मैक्गुर्क) बो नोर्किया 39,तिलक का पटेल बो अहमद 06,डेविड नाबाद 45, शेफर्ड नाबाद 39,अतिरिक्त : 14,**कुल** : 20 ओवर में पांच विकेट पर 234 रन ,**विकेट पतन** :1-80, 2-81, 3-111, 4-121, 5-181,**गेंदबाजी** : अहमद 4-0-39-1,शर्मा 3-0-40-0, रिचर्डसन 4-0-40-0,पटेल 4-0-35-2, यादव1-0-15-0,नोर्किया 4-0-65-2

दिल्ली कैपिटल्स : पृथ्वी बो बुमराह 66,वॉर्नर का पंड्या बो शेफर्ड 10,पोरेल का डेविड बो बुमराह 41,स्टब्स नाबाद 71,पंत का पंड्या बो कोएत्जी 01,पटेल रन आउट 08,यादव का ईशान बो कोएत्जी 03,कुशाग्र का तिलक वर्मा बो कोएत्जी 00,रिचर्डसन का शर्मा बो कोएत्जी 02,**अतिरिक्त** : 03,**कुल** : 20 ओवर में आठ विकेट पर 205 रन ,**विकेट पतन** :1-22, 2-110, 3-144, 4-153, 5-194, 6-203, 7-203, 8-205,**गेंदबाजी** : कोएत्जे 4-0-34-4, बुमराह 4-0-22-2,मधवाल 4-0-45-0,शेफर्ड 4-0-54-1, नबी 2-0-17-0, चावला 2-0-32-0

घर का फायदा उठाना चाहेंगे सुपरकिंग्स

● लगातार दो हार के बाद केकेआर के खिलाफ आज उतरेगी चेन्नई

भाषा। चेन्नई

गत चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम लगातार दो शिकस्त के बाद सोमवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में जीत के साथ वापसी करने के इरादे से उतरेगी तो उसे अपने शीर्ष क्रम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। लगातार दो हार के बावजूद सुपरकिंग्स की टीम पर दबाव नहीं होगा लेकिन प्रबंधन टीम की कमजोरियों का हल निकालने की कोशिश करेगा। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ और प्रतिभावान रचिन रविंद्र को अपने खेल में सुधार करते हुए सुपरकिंग्स को पावर प्ले में अच्छी शुरुआत दिलानी होगी। गायकवाड़ 118.91 के स्ट्राइक रेट से ही रन बना पाए हैं जबकि रविंद्र पिछले दो मैचों में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं। मौजूदा टूर्नामेंट में सुपरकिंग्स के सबसे सफल बल्लेबाज शिवम दुबे हैं जिन्होंने 160.86 के स्ट्राइक रेट से 148 रन बनाए हैं। यह देखना होगा कि युवा समीर रिज्वी की टीम में वापसी होती है या नहीं। बीस साल के इस युवा बल्लेबाज ने अपने पहले मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ छह गेंद में 14 रन बनाए थे लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खाता खोलने में नाकाम रहने के बाद उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले से बाहर कर दिया गया। तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान और मथीसा पथिराना विभिन्न कारणों से टीम के पिछले मैच में नहीं खेल पाए जिससे सुपरकिंग्स के गेंदबाजी विभाग की कमजोरियां उजागर हुईं। अगर ए नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच से भी बाहर रहते हैं तो सुपरकिंग्स को उनकी भरपाई करने के लिए कुछ अलग सोचना होगा। अगर ए दोनों बाहर रहते हैं तो तेज गेंदबाजी विभाग में दीपक चाहर, तुषार देशपांडे और मुकेश चौधरी जबकि स्पिन विभाग में मोईन अली, रविंद्र जडेजा और महेश तीक्षणा के कंधों पर जिम्मेदारी होगी। नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स अब तक टूर्नामेंट में अजेय रहे हैं और दोनों टीमों को बल्ले से निडर प्रदर्शन का फायदा मिला है। सुनील नारायण से पारी का आगाज कराना केकेआर के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रहा है। मौजूदा सत्र में केकेआर के सबसे सफल बल्लेबाज नारायण को जल्दी पवेलियन भेजना सुपरकिंग्स के गेंदबाजों के लिए बड़ी चुनौती होगी।

अशरफ ने बाबर को कप्तानी से हटाने का बचाव किया

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष जका अशरफ ने भारत में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कप्तान के रूप में बाबर आजम को हटाने के फैसले का बचाव किया है। जका ने पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी के दावों का भी खंडन किया कि उन्होंने उन्हें मोहम्मद रिजवान को सफेद गेंद का कप्तान नियुक्त करने की सलाह दी थी, ना कि शाहीन शाह अफरीदी को जो उनके दामाद हैं। बाबर को हाल ही में सफेद गेंद के प्रारूप का फिर से कप्तान नियुक्त किया गया। उन्होंने शाहीन की जगह ली जिन्हें सिर्फ एक श्रृंखला के बाद हटा दिया गया। जका ने लाहौर में मीडिया से कहा, मुझे जो याद है उसके अनुसार शाहिद (अफरीदी) ने मुझे कभी भी सफेद गेंद के प्रारूप में रिजवान को कप्तान नियुक्त करने का कोई सुझाव नही दिया था।

त्वेसा दक्षिण अफ्रीका में संयुक्त 16वें, रिद्धिमा संयुक्त 30वें स्थान पर

केम्पटन पार्क (दक्षिण अफ्रीका)। प्रतिभावान भारतीय गोल्फर त्वेसा मलिक यहां सनशाइन लेडीज टूर पर एब्सा लेडीज आमंत्रण टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से 16वें स्थान पर रही जबकि उनकी हमवतन रिद्धिमा दिलावरी ने संयुक्त रूप से 30वां स्थान हासिल किया।पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका में खिताब जीतने वाली त्वेसा ने 72, 72 और 74 के स्कोर से कुल दो ओवर 218 का स्कोर बनाया। उन्होने अंतिम दौर मे तीन बर्डी की लेकिन तीन बोगी और एक डबल बोगी भी कर गईं। रिद्धिमा ने 74, 73 और 75 से छह ओवर का कुल स्कोर बनाया। कसांद्रा एलेक्जेंडर ने शनिवार को छह अंडर 66 के शानदार प्रदर्शन से कुल 12 अंडर के स्कोर से चार शॉट के अंतर से खिताब जीता। स्पेन की हेरेंग ली भी अंतिम दौर में 66 के स्कोर से कुल आठ अंडर के स्कोर से दूसरे स्थान पर रही।

एथलेटिक बिलबाओ ने कोपा डेल रे खिताब जीता

सेविले। एथलेटिक बिलबाओ ने पेनल्टी शूट आउट में मालोर्का को 4-2 से हराकर चार दशक बाद कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। बिलबाओ को मालोर्का के खिलाफ जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन टीम को खिताब जीतने के लिए काफी पसीना बहाना पड़ा। बिलबाओ की ओर से पेनल्टी शूट आउट में राउल गार्सिया, इकेर मूनियन, माइक्ल वेस्गा और एलेजांद्रो बेरेनगुएर ने पेनल्टी शूट आउट में गोल किए। एथलेटिक बिलबाओ के गोलकीपर जुलेन अगिरेजाबला ने मैनुएल मोर्लानेस के शॉट को रोका जबकि मालोर्का के नेमांजा रादोनजिक ने शॉट बाहर मारा। इससे पहले नियमित और अतिरिक्त समय के बाद फाइनल मुकाबला 1-1 से बराबर रहा। डेनी रोड्रिग्ज ने मालोर्का को 21वें मिनट में आगे किया लेकिन ओइहान सांचे ने 50वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया। एथलेटिक बिलबाओ का यह 23वां कोपा डेल रे खिताब है। टीम ने पिछला खिताब 1984 में जीता था। टीम को इसके बाद छह बार फाइनल में हार का सामना करना पड़ा।

चार्ल्सटन ओपनः कोलिन्स की लगातार 12वीं जीत

चार्ल्सटन। मियामी ओपन चैंपियन डेनियले कोलिन्स ने चार्ल्सटन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मारिया सकारी को सीधे सेट में हराकर लगातार दूसरे फाइनल में जगह बनाई। कोलिन्स ने सकारी को 6-3, 6-3 से हराया जो उनकी लगातार 12वीं जीत है।कोलिन्स रविवार को होने वाले फाइनल में दारिया कसात्किना से भिड़ेंगी जिन्होंने शीर्ष वरीय जेसिका पेगुला को हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।कसात्किना ने टाईब्रेक में अंतिम आठ में से छह अंक जीतकर पेगुला को 6-4, 4-6, 7-6 (5) से शिकस्त दी।

कानूनी की कमियों से बचे श्रीसंतः एसीयू पूर्व प्रमुख नीरज कुमार

भाषा। नई दिल्ली

दिल्ली के पूर्व पुलिस आयुक्त नीरज कुमार ने कहा है कि हितधारकों ने भारतीय खेलों में भ्रष्टाचार के खिलाफ कानून लाने में गंभीरता की स्पष्ट कमी दिखाई है और यही कारण है कि दागी पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत जैसा व्यक्ति आईपीएल 2013 में उनके खिलाफ स्पॉट फिक्सिंग के पुख्ता सबूत होने के बावजूद बच गया। सैंतीस वर्षों तक देश की सेवा करने वाले आईपीएस अधिकारी नीरज दिल्ली पुलिस के प्रभारी थे जब उनके मार्गदर्शन में स्पेशल सेल ने श्रीसंत और राजस्थान रॉयल्स के उनके साथी क्रिकेटरों अजीत चंदीला और अंकित चव्हाण को स्पॉट फिक्सिंग के आरोप में गिरफ्तार किया था। उच्चतम न्यायालय ने हालांकि 2019 में यह फैसला देने के बावजूद कि भारत के पूर्व खिलाड़ी के खिलाफ सबूत थे भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को उन पर आजीवन प्रतिबंध पर पुनर्विचार करने के लिए कहा। अंततः सजा को घटाकर सात साल का निलंबन कर दिया गया जो सितंबर 2020 में समाप्त हो गया।नीरज ने यहां पीटीआई संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि मामला कहीं नहीं बढ़ा...दुर्भाग्य से, क्रिकेट में भ्रष्टाचार या सामान्य रूप से खेलों में भ्रष्टाचार से निपटने के लिए (भारत में) कोई कानून नहीं है। उन्होंने कहा, यहां तक कि जिंबाब्वे जैसे देश में भी विशिष्ट कानून है। ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड में यह कानून है...यूरोप में, कानून है क्योंकि भ्रष्टाचार सिर्फ क्रिकेट में नहीं बल्कि फुटबॉल, टेनिस, गोल्फ में भी है। नीरज 2000 में सीबीआई की जांच टीम के हिस्से के रूप में हैंसी क्रोन्ए मैच फिक्सिंग प्रकरण से भी जुड़े थे। उन्होंने कहा कि खेलों में भ्रष्टाचार पर मुकदमा चलाने में सबसे बड़ी बाधा कानून का अभाव है। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए हम जो बहुत सी चीजें करते हैं, वे न्यायिक जांच की कसौटी पर खरी नहीं उतरती। अगर हम कहते हैं कि मैच फिक्सिंग के दौरान लोगों को धोखा दिया गया था, तो अब अदालत पूछेगी, मुझे एक व्यक्ति दिखाओ, जिसे धोखा दिया गया हो, उस व्यक्ति को अदालत में पेश करो। नीरज ने कहा, अदालत में कौन आएगा और कहेगा कि मैं निष्पक्ष खेल और हर किसी के अपनी क्षमता के अनुसार खेलने की उम्मीद से क्रिकेट मैच देखने गया था? इसलिए पीड़ित की अनुपस्थिति में, मामले को साबित करना बहुत मुश्किल हो जाता है। भारत में इस पर अंकुश लगाने के लिए एक कानून पर 2013 से काम चल रहा है। खेल भ्रष्टाचार निवारण विधेयक (2013) को 2018 में लोकसभा में पेश किया गया था ।

कोहली की काम के प्रति ईमानदारी अतुलनीय

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार रोधी इकाई (एसीयू) के पूर्व प्रमुख नीरज कुमार ने इस शक्तिशाली क्रिकेट बोर्ड मे अपने कार्यकाल के दौरान सुपरस्टार विराट कोहली की काम के प्रति ईमानदारी को अतुलनीय पाया।दिल्ली के पूर्व पुलिस आयुक्त नीरज ने 2015 से 2018 के बीच बीसीसीआई के साथ काम किया। बीसीसीआई एसीयू मे उनकी भूमिका के लिए उन्हें क्रिकेटरो के साथ नियमित रूप से बातचीत करने की आवश्यकता थी और उन्होने उनमे से अधिकांश को अच्छा और मिलनसार पाया।नीरज ने यहां पीटीआई संवाददाताओ के साथ विशेष बातचीत मे कहा, उनमे से बहुत सारे (अच्छे) थे। किसी को भी उन पर गर्व होना चाहिए। उन सभी ने मुझे बहुत सम्मान दिया। लेकिन दो लोग जिनके बारे मे ज्यादा बात नही की जाती है, वे है भुवनेश्वर कुमार और अजिंक्य रहाणे, उत्कृष्ट लोग, सज्जन व्यक्ति। खेल के प्रति कोहली की प्रतिबद्धता किसी से कम नही है और नीरज ने भी इसे महसूस किया।उन्होंने कहा, क्रिकेट मे विराट कोहली की काम के प्रति ईमानदारी अतुलनीय है। जिस तरह से वह अपनी ट्रेनिंग करते है वह शानदार है। यह पूछे जाने पर कि क्या क्रिकेटर अभद्र भाषा का सहारा लेते है, उन्होने कहा, हां, उनमें से कुछ अभद्र भाषा (हिंदी में) का इस्तेमाल करते है लेकिन मुझे पता चला कि वे इसी तरह बात करते है। लेकिन उन सभी ने मुझे बीसीसीआई सदस्यो के विपरीत काफी सम्मान दिया इसलिए संजोने लायक बहुत सारी चीजे है। सैंतीस वर्षों तक देश की सेवा करने वाले आईपीएस अधिकारी नीरज दिल्ली पुलिस के प्रभारी थे जब उनके मार्गदर्शन मे स्पेशल सेल ने एस श्रीसंत और राजस्थान रॉयल्स के उनके साथी क्रिकेटरो अजीत चंदीला और अंकित चव्हाण को स्पॉट फिक्सिंग के आरोप मे गिरफ्तार किया था।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पाकिस्तान की टी20 टीम के कोच होंगे चयनकर्ता यूसुफ और रज्जाक

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस महीने के अंत में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टी20 श्रृंखला के लिए चयन समिति के सदस्यों मोहम्मद यूसुफ और अब्दुल रज्जाक को क्रमशः अंतरिम मुख्य कोच और सहायक कोच नियुक्त करने का फैसला किया है। यह फैसला तब किया गया जब लंबी अवधि की भूमिका के लिए विदेशी कोच गैरी कर्स्टन और जेसन गिलेस्पी के साथ बातचीत जारी है। बोर्ड के एक विश्वसनीय सूत्र ने कहा कि गिलेस्पी के साथ बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है क्योंकि वह लाल गेंद के प्रारूप के मुख्य कोच के रूप में कार्यभार संभालने के लिए सहमत हो गए हैं। कर्स्टन के साथ चर्चा को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है क्योंकि वह इंडियन प्रीमियर लीग में व्यस्त हैं। सूत्र ने कहा, गिलेस्पी सहमत हुए हैं लेकिन उन्होंने अपनी फीस और पाकिस्तान में उपस्थित रहने के दिनों के संदर्भ में शर्त रखी है।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में आखिरकार हार्दिक पंड्या की हूटिंग नहीं हुई

मुंबई। हार्दिक पंड्या ने आखिरकार कुछ राहत की सांस ली क्योंकि मुंबई इंडियंस के कप्तान की रविवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल)मैच के दौरान वानखेडे स्टेडियम के दर्शकों ने किसी तरह की हूटिंग नही की। यह मुकाबला रिलायंस फाउंडेशन के लिए ईएसए (सभी के लिए शिक्षा और खेल) दिवस पर खेला जा रहा है जिससे स्टैंड पर कई गैर सरकारी संगठनों के लगभग 18,000 बच्चे मौजूद थे और स्टैंड पर सिर्फ घरेलू टीम को चीयर करने के लिए शोर सुनाई दे रहा था। पंड्या को पिछले तीन मैच में दर्शकों की हूटिंग का सामना करना पड़ा था। भारत के पूर्व कप्तान और पूर्व बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने रविवार के मैच से एक दिन पहले कहा था कि दर्शकों को पंड्या की हूटिंग नही करनी चाहिए क्योंकि अगर उन्हें कप्तान के तौर पर टीम में शामिल किया गया है तो यह उनकी गलती नही है। गांगुली ने शनिवार को वानखेड़े स्टेडियम मे दिल्ली कैपिटल्स के ट्रेनिंग सत्र के दौरान कहा, मुझे नही लगता कि उन्हें हार्दिक पंड्या की हूटिंग करनी चाहिए। यह सही नही है। उन्होंने कहा, यह सही नही है क्योंकि फ्रेंचाइजी ने उन्हें कप्तान नियुक्त किया है। खेल मे ऐसा ही होता है। आप भारत की कप्तानी करें या किसी राज्य की कप्तानी करें या आप अपनी फ्रेंचाइजी की कप्तानी करें, आपको कप्तान नियुक्त किया जाता है। दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक ने कहा, उन्हें कप्तान नियुक्त किया गया है। निश्चित रूप से रोहित शर्मा को देखें तो वह अलग तरह का खिलाड़ी है। एक कप्तान और एक खिलाड़ी के तौर पर इस फ्रेंचाइजी के लिए उनका प्रदर्शन और भारत के लिए उनका प्रदर्शन एक अलग स्तर पर रहा है। उन्होंने कहा, लेकिन यह हार्दिक की गलती नही है कि उन्हें कप्तान नियुक्त किया गया है। हम सभी को यह समझने की जरूरत है। मुंबई इंडियंस के पहले घरेलू मैच के दौरान पूरे समय पंड्या की हूटिग की गई थी और तब भारत और मुंबई के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने दर्शकों से टॉस के समय सही आचरण करने को कहा था।

कोहली ने कहा कि गेंद रुककर आ रही थी लेकिन उनकी बल्लेबाजी से ऐसा नहीं लगाः अजय जडेजा

नई दिल्ली। विराट कोहली का मानना है कि जयपुर की पिच पर कुछ गेंद रुककर आ रही थी जिससे शॉट खेलना मुश्किल हो रहा था है लेकिन भारत के पूर्व एकदिवसीय कप्तान अजय जडेजा का मानना है कि जिस तरह से इस स्टार बल्लेबाज ने बल्लेबाजी की उससे ऐसा नही लगता कि पिच मे कोई समस्या थी। कोहली ने 72 गेंद मे 12 चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 113 रन बनाए लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की टीम तीन विकेट पर 183 रन ही बना सकी जिससे राजस्थान रॉयल्स ने जोस बटलर की 58 गेंद मे बाद शतक की बदौलत पांच गेंद शेष रहते ही पार कर लिया। जडेजा ने कोहली के मूल्यांकन मे कुछ विसंगतियां महसूस की। जियो सिनेमा के आईपीएल विशेषज्ञ जडेजा ने कहा, उन्होने (कोहली ने) बहुत अच्छी शुरुआत की। उन्होंने शुरुआती कुछ ओवरो मे कुछ चौके लगाए और आप जानते थे कि आप आज रात कुछ विशेष देख रहे है। एकमात्र आश्चर्यजनक बात यह थी कि वह इस बारे मे बोल रहे थे कि गेंद पिच से रुककर आ रही थी लेकिन जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की, हमे पिच मे कोई कमी नही दिखी। अपना आठवां आईपीएल शतक बनाने के बाद कोहली ने कहा था कि पिच सपाट नही थी। कोहली ने शनिवार को आधिकारिक प्रसारण को कहा था, विकेट बाहर से काफी अलग दिखता है। ऐसा लगता है कि यह सपाट है लेकिन गेंद पिच से रुककर आ रही थी, तभी आपको गति मे बदलाव का अहसास होता है।

विराट के अलावा अन्य बल्लेबाज फॉर्म और आत्मविश्वास के लिए जूझ रहेः फ्लावर

जयपुर। मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने आईपीएल के मौजूदा सत्र मे अपनी टीम की पांच मैच मे चौथी हार के बाद कहा कि विराट कोहली की शानदार फॉर्म के बावजूद रॉयल चैलेंजर बेंगलोर (आरसीबी) के बल्लेबाज फॉर्म और आत्मविश्वास को लेकर जूझ रहे हैं। कोहली (113) के शानदार शतक के बावजूद आरसीबी तीन विकेट पर 183 रन ही बना सका जिसके जवाब मे राजस्थान रॉयल्स ने जोस बटलर की 58 गेद मे नाबाद 100 रन की पारी की बदौलत जीत दर्ज की। फ्लावर ने शनिवार को मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हमने पांच मे से एक मैच जीता है और कोई भी टीम ऐसी स्थिति मे नही होना चाहती है। हां, हमारी बल्लेबाजी मे कुछ समस्याएं है। विराट शानदार फॉर्म मे है लेकिन अन्य खिलाड़ी फॉर्म और आत्मविश्वास के लिए संघर्ष कर रहे है। उन्होने कहा, हम हर संभव कोशिश कर रहे है कि वे मजबूत और आत्मविश्वास महसूस करें। खिलाड़ियों को विपक्षी टीम को दबाव में डालने के लिए फॉर्म और आत्मविश्वास की जरूरत है। हमें अभी तक वह फॉर्म नही मिली है। कोहली ने 72 गेंद की अपनी नाबाद पारी के दौरान 12 चौके और चार छक्के लगाए लेकिन कप्तान फाफ डु प्लेसी (33 गेंद मे 44 रन, दो छक्के, दो चौके) के अलावा उन्हे अन्य बल्लेबाजो का साथ नही मिला। इंग्लैंड के सफेद गेंद के कप्तान बटलर ने शानदार वापसी की। उन्होंने आईपीएल 2023 का अंत लगातार तीन शून्य के साथ किया था और अपनी पिछली तीन पारियो मे 13 रन की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली थी। रॉयल्स के गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड ने कहा, जाहिर तौर पर जोस बटलर के लिए खुशी है। आप जानते है कि हम शुरुआती साझेदारियो के बिना भी मैच जीत रहे है लेकिन वह और यशस्वी जायसवाल नेट्स मे गेंद को बहुत अच्छे से मार रहे है। तो अब समय आ गया है कि उनमें से एक बड़ी पारी खेलना शुरू करे। यह देखना अच्छा है कि जोस बटलर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे है और लड़के जीत गए।

पहली महिला महाराष्ट्र प्रीमियर लीग में स्मृति मंधाना आइकन खिलाड़ियों में शामिल

पुणे। भारत की महिला क्रिकेट टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना को इस साल जून मे होने वाली पहली महिला महाराष्ट्र प्रीमियर लीग (डब्ल्यूएमपीएल) के आइकन खिलाड़ियों में जगह मिली है।महाराष्ट्र क्रिकेट संघ (एमसीए) ने इस फ्रेंचाइजी आधारित टी20 टूर्नामेंट की आधिकारिक घोषणा की जिसमे चार टीम हिस्सा लेंगी और इसका आयोजन भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के तत्वावधान में किया जाएगा। एमसीए ने विज्ञप्ति में कहा, एमसीए महिलाओं के लिए राज्य लीग शुरू करने वाला बीसीसीआई का पहला संघ होगा। टूर्नामेंट का आयोजन यहां गाहुंजे मे महाराष्ट्र क्रिकेट संघ स्टेडियम में 24 जून से किया जाएगा।टूर्नामेंटो की आइकन खिलाड़ियों में स्मृति के अलावा देविका वैद्य, अनुजा पाटिल, किरण नवगिरे और श्रद्धा पोखरकर को जगह मिली है। पहले सत्र की विजेता टीम को 20 लाख रुपए जबकि उप विजेता टीम को 10 लाख रुपए की इनामी राशि दी जाएगी। अन्य व्यक्तिगत पुरस्कार भी दिए जाएंगे। टीमों के लिए नीलामी 27 अप्रैल को होगी जबकि खिलाड़ियों की नीलामी 11 मई को होनी है।

भारत दूसरे हॉकी टेस्ट में आस्ट्रेलिया से हारा

श्रृंखला में 0-2 से पिछड़ी

भाषा। पर्थ

भारतीय पुरुष हॉकी टीम पिछले मैच की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करने के बावजूद रविवार को यहां पांच मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट में आस्ट्रेलिया से 2-4 से पराजित हो गई। भारत को शनिवार को पहले टेस्ट में 1-5 से हार का सामना करना पड़ा था। मेहमान टीम ने मैच के पहले और दूसरे क्वार्टर में मजबूत प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ बराबरी का खेल दिखाया। बल्कि पहले हाफ तक भारतीय टीम 2-1 से आगे चल रही थी। लेकिन तीसरे क्वार्टर में खराब रक्षण का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा क्योंकि मेजबान टीम ने तीन गोल कर लगातार दूसरी जीत हासिल की। आस्ट्रेलिया के लिए जेरेमी हेवर्ड (छठे और 34वें मिनट) ने दो पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया जबकि जैकब एंडरसन (42वें मिनट) और नाथन एफ्राम्स (45वें मिनट) ने मैदानी गोल दागे। भारत के लिए जुगराज सिंह (नौवें मिनट) और कप्तान हरमनप्रीत सिंह (30वें मिनट) ने पेनल्टी कार्नर पर गोल किए। भारतीय टीम ने तेज शुरुआत की। लेकिन आस्ट्रेलिया ने छठे मिनट में अपने पहले ही पेनल्टी कॉर्नर पर हेवर्ड की बदौलत बढ़त हासिल कर ली। भारतीय गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक ने अनुभवी पीआर श्रीजेश की जगह शुरूआत की। वह हेवर्ड की ताकतवर ड्रैग फ्लिक को नहीं रोक सके जिससे मेजबान टीम 1-0 से आगे हो गई। इसके बाद आस्ट्रेलियाई टीम आक्रामक हो गई और उन्होंने तुरंत बाद लगातार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। पर भारतीय रक्षापंक्ति डटी रही। भारतीय खिलाड़ियों ने धीरे धीरे मैच में शिकंजा कसना शुरू किया और आस्ट्रेलियाई रक्षण पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। जिससे भारत ने लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, पर इसमें से पहले दो पेनल्टी कॉर्नर बेकार चले गए। लेकिन तीसरे में जुगराज ने नौवें मिनट में टीम को बराबरी दिला दी।

कैंडिडेट्स शतरंजः प्रज्ञानानंदा ने विदित को हराया

टोरंटो। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के तीसरे दौर में हमवतन विदित गुजराती को हराया।टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही भाई-बहन की पहली जोड़ी के लिए यह अच्छा दिन रहा जब प्रज्ञानानंदा की बड़ी बहन आर वैशाली ने भी बुल्गारिया की नुर्गयुल सेलिमोवा को हराकर पहली जीत दर्ज की। महिला वर्ग में सिर्फ इसी मुकाबले का नतीजा निकला।पुरुष वर्ग में डी गुकेश रूस के इयान नेपोमनियाची के मजबूत डिफेंस को भेदने में नाकाम रहे जबकि फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने शीर्ष वरीय अमेरिका के फाबियानो करूआना से ड्रॉ खेला। टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे एक अन्य अमेरिकी हिकारू नाकामूरा को अजरबेजान के निजात अबासोव से ड्रॉ खेलने के दौरान अधिक मशक्कत नहीं करनी पड़ी। महिला वर्ग में भारत की कोनेरू हंपी ने सफेद मोहरों से खेलते हुए चीन की टैन झोंगई को बराबरी पर रोका। चीन की ही टिंगजी लेइ ने रूस की एलेक्सांद्रा गोरयाचकिना से अंक बांटे। रूस की कैटरीना लेगनो और यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक की बाजी भी बराबरी पर छूटी। पुरुष और महिला वर्ग दोनों में आठ-आठ खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं और इस डबल राउंड रोबिन टूर्नामेंट में अभी 11 दौर का खेल बाकी है। पुरुष वर्ग में करूआना, गुकेश और नेपोमनियाची दो अंक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे हैं। इनके बाद विदित और प्रज्ञानानंदा को नंबर आता है। इन दोनों के समान डेढ़ अंक हैं। इन दोनों से आधा अंक पीछे नाकामूरा, अलीरेजा और अबासोव हैं।

श्रीकांत से बहुत उम्मीद है, उनका सर्वश्रेष्ठ आना अभी बाकी हैः कश्यप

चेन्नई। कोच पारुपल्ली कश्यप को लगता है कि किदांबी श्रीकांत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आना अभी बाकी है और उन्हें उम्मीद है कि अपनी फिटनेस और खेल पर काम करने के बाद वह इस सत्र में कुछ अच्छे नतीजे हासिल करेंगे। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत पिछले कुछ समय से फॉर्म से जूझ रहे हैं। इस 31 साल के खिलाड़ी ने 2017 में चार सुपर सीरीज खिताब जीते थे। विश्व चैम्पियनशिप 2021 में रजत पदक जीतने वाले श्रीकांत ने मार्च में स्विस ओपन सुपर 300 में सेमीफाइनल में पहुंचकर वापसी के संकेत दिए। इंग्लिश फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर यूनाईटेड द्वारा आयोजित रोड टू ओल्ड ट्रैफर्ड फुटबॉल कार्यक्रम के मौके पर कश्यप ने पीटीआई से कहा, मुझे लगता है कि उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अभी आना बाकी है और आप उससे इस साल और अगले साल अच्छे नतीजों की उम्मीद कर सकते हैं।

अमेरिका में जोर पकड़ रहा है क्रिकेट पर्यटन

वाशिंगटन। भारत, पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया जैसे क्रिकेट के दीवाने देशों की बड़ी प्रवासी आबादी की उपस्थिति ने ऐसा लगता है कि अमेरिका में पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र का एक नया आयाम खोल दिया है। बिहार के भारत-अमेरिकी दंपत्ति द्वारा स्थापित फ्लोरिडा स्थित क्रिकेटबस्टर भारतीय-अमेरिकी और क्रिकेट खेलने वाले देशों के लोगों के बीच इस क्रिकेट की दीवानगी को भुनाने की कोशिश कर रहा है। कंपनी लोगों को अनुकूल यात्रा पैकेज की पेशकश कर रही है जिसमें आधिकारिक मैच टिकट, होटल, उड़ानें, क्रूज और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट और दुनिया की टी20 लीग के कई अन्य आकर्षण शामिल हैं। क्रिकेटबस्टर के मुख्य परिचालन अधिकारी विन्नी कुमार ने कहा, हम यहां खेल ई-कॉमर्स विकसित कर रहे हैं। हमें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से मंजूरी मिल गई है। हमें पैकेज बेचने का अधिकार है। (क्रिकेट मैच के) टिकट भी पैकेज में शामिल हैं। हम एक अनुभव तैयार कर रहे हैं। विन्नी ने अपनी पत्नी रश्मि कुमार के साथ मिलकर कुछ साल पहले इस कंपनी की स्थापना की। पिछले साल भारत में हुए क्रिकेट विश्व कप से क्रिकेटबस्टर आईसीसी की आधिकारिक ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसी (ओटीए) है। यह सिर्फ इतना नहीं है कि आप टिकट खरीद रहे हैं या स्टेडियम आ रहे हैं। मान लीजिए कि आप न्यूयॉर्क जा रहे हैं क्योंकि इस साल वहां भारत-पाकिस्तान मैच है... आप नहीं जानते कि आपको किस होटल में रुकना है, आप स्टेडियम से कितनी दूर रहेंगे और आप न्यूयॉर्क में कौन से अन्य स्थलों पर जाना चाहते हैं। तो हमारे पास एक पैकेज है जिसमें एक आधिकारिक मैच टिकट है, जो मिलना आसान नहीं है। इसके अलावा हम आपको सही होटल, राज्यों के बीच सफर में भी मदद कर सकते हैं। कुमार दंपत्ति ने 2019 में इस कंपनी की स्थापना की लेकिन इसके बाद जल्द ही कोविड-19 का प्रकोप देखने को मिला। हालांकि क्रिकेटबस्टर को 2021 में दुबई में अपना पहला टूर्नामेंट मिला और कंपनी अमेरिका से लगभग 500 प्रशंसकों को यूएई लेकर गई।

यूपी में तेजी से बढ़ रही आउटडोर की मांग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में फिटनेस व खेल से जुड़े सामनों की मांग दिन पर दिन बढ़ रही है। सबसे बड़ी बढ़त आन लाइन मंच पर देखी गई है। यह जानकारी आनलाइन से जुड़े केएन श्रीकांत ने दी । उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त होम और किचन कैटेगरी में सलाना आधार पर 25 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि के साथ अमेजन डॉट इन ने उत्तर प्रदेश में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। ऑनलाइन मार्केटप्लेस अमेजन डॉट इन ने उत्तर प्रदेश में नए ग्राहकों की संख्या में भी दो अंकों की वृद्धि दर्ज की है। अधिकांश नए ग्राहक टियर-2 और इससे नीचे के शहरों से जुड़ रहे हैं। कंपनी ने उत्तर प्रदेश को अमेजन डॉट इन के लिए सबसे बड़े बाजारों में से एक बताया हैए राज्य से आने वाली कुल मांग में लखनऊ, नोएडा और गाजियाबाद की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक है। नवाबों के शहर लखनऊ के लोग गेम या स्पोर्ट्स से सामान, फर्नीचर, फिटनेस प्रोडक्ट्स बाथरूम प्रोडक्ट्स डीआईवाई वॉल पेंट्स और प्रीमियम किचन एप्लाएंसेस की खरीदारी करना पसंद कर रहे हैं। बिजली की बचत करने वाले एप्लाएंसेसए सोलर पैनल, पानी बचाने वाले वाटर प्यूरीफायर्स जैसे टिकाऊ उत्पादों के लिए भी लखनऊ में दो गुना से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। अमेजन डॉट इन ने हाल ही में लखनऊ में एक दिवसीय कार्यक्रम के जरिये क्षेत्र की सफलता का जश्न मनाया। प्रदर्शनी में आउटडोर व इंडोर और गार्डेनिंग उत्पाद आदि का प्रदर्शन किया गया था। अमेजन इंडिया के शीर्ष अधिकारियों ने अपनी योजनाओं का खुलासा भी किया। इस अवसर पर केएन श्रीकांत डायरेक्टर होम किचन एंड आउटडोर्स अमेजन इंडिया ने कहा कि अमेजन डॉट इन के लिए यूपी एक महत्वपूर्ण बाजार है और हम राज्य के सभी 70 जिलों पर फोकस कर रहे हैं। उपभोक्ताओं के लिए शॉपिंग सुविधा को और बेहतर बनाने के लिएए अमेजन डॉट इन ने हाल ही में फैन, लाइटिंग, किचन और बाथ एव?सेसरीज के लिए भी अपनी इंस्टॉलेजशन सर्विस का विस्तार किया है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5 ,बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।